THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 361 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.10 2080 मंगलवार, 19 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स
के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं
रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

आवेदन की अंतिम तिथि
23 मार्च, 2024

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000
कुल राशि ₹23.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000
कुल राशि ₹43 लाख*

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी
राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

संपर्क करें
8687882222
7240192222

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

कोलकाता में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 4 की मौत

कोलकाता, 18 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में देर रात एक 5 मंजिला अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग गिर गई। सुबह तक इसमें 2 लोगों के मौत की खबर थी अब यह आंकड़ा 4 हो गया है। घटना साउथ कोलकाता के मेटियाब्रुज की है। अब तक 13 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है। मलबे में कई और लोगों के दबे होने की आशंका है।

उधर, सोमवार सुबह बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी हादसे वाली जगह पर पहुंचीं। पुलिस के मुताबिक घटना के समय बिल्डिंग खाली थी। इसके बगल में झुग्गियां हैं, जिन पर बिल्डिंग गिर गई। वहां लोग सो रहे थे। लोगों की तलाश करने के लिए मलबे को गैस कटर से काटकर हटाया जा रहा है। कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट और फायर सर्विस की टीमें अभी भी सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। कई एम्बुलेंस भी तैनात की गई हैं। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल का इलाका भीड़भाड़ वाला है। इसलिए सावधानी बरती जा रही है।

ईडी के सामने पेश नहीं हुए केजरीवाल

दिल्ली जल बोर्ड केस में पूछताछ के लिए बुलाया था, आप ने समन को गैरकानूनी बताया

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए 17 मार्च को समन भेजकर आज 18 मार्च को बुलाया था। आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल के न जाने की जानकारी देते हुए ईडी के इस समन को गैर कानूनी बताया है। आप ने कहा कि जब कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल चुकी है तो फिर बार-बार समन क्यों भेजे जा रहे हैं।

आप का मानना है कि भाजपा ईडी के जरिए केजरीवाल को टारगेट कर रही है। दरअसल, सीबीआई ने जुलाई 2022 में बोर्ड की टेंडर प्रोसेस में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के मामले में एफआईआर दर्ज की थी। सीबीआई के एफआईआर को आधार बनाकर ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड की टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के दो अलग-अलग मामलों की जांच शुरू की थी।

शराब नीति मामले में केजरीवाल को अब तक ईडी के 9 समन

शराब नीति घोटाला मामले में ईडी अरविंद केजरीवाल को अबतक 9 समन भेज चुकी है। 17 मार्च से पहले केजरीवाल को 27 फरवरी, 26 फरवरी, 22 फरवरी, 2 फरवरी, 17 जनवरी, 3 जनवरी, 21 दिसंबर और 2 नवंबर को समन भेज गया था। हालांकि, वे एक बार भी पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए हैं।

दिल्ली शराब नीति मामले में पेश न होने पर कोर्ट में सुनवाई

पहला मामला : सीबीआई की एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन चीफ इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा ने एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को करीब 38 करोड़ रुपए में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फ्लो मीटर के इंस्टॉलेशन, सप्लाई और टेस्टिंग का टेंडर जारी किया था। जुलाई 2023 में ईडी ने दिल्ली-एनसीआर, केरल और तमिलनाडु में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी और कुछ निजी संस्थाओं के अधिकारियों के 16 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी ने 24 जुलाई 2023 और 17 नवंबर 2023 को सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसमें कई अहम दस्तावेज और सबूत जब्त किए। इस दौरान पता चला कि जो काम एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिया गया, वह उसके लिए टेक्निकल एलिजिबिलिटी को पूरा नहीं करती थी। एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर ने फर्जी डॉक्यूमेंट्स बनाकर टेंडर हासिल की। जगदीश कुमार अरोड़ा को इसकी जानकारी थी। ईडी की जांच में सामने आया कि टेंडर मिलने के बाद एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर ने अनिल कुमार अग्रवाल की कंपनी इंटीग्रल स्क्रूज लिमिटेड को भी भागीदार बनाया। अनिल कुमार अग्रवाल ने इसके बदले जगदीश कुमार अरोड़ा को कैश और बैंक खातों में लगभग 3 करोड़ रुपए दिए। कुछ कैश जगदीश कुमार अरोड़ा के एक करीबी को भी मिला। ईडी को जगदीश कुमार अरोड़ा की कई बेनामी संपत्तियों की जानकारी भी मिली, जो जगदीश अरोड़ा अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट की मदद से मैनेज कर रहा था। **दूसरा मामला :** दिल्ली जल बोर्ड के बिल पेमेंट के भुगतान के लिए जगह-जगह ऑटोमैटिक मशीन लगाई जानी थी। मशीन लगाई भी गई और बिल के भुगतान भी हुए, लेकिन ये पैसा दिल्ली जल बोर्ड के अकाउंट में कभी जमा नहीं हुआ। मेसर्स फ्रेशपे आईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स ऑरम ई-पेमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को पहले 3 साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। समय-समय पर कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया गया। इसके बावजूद कंपनी की तरफ से जल बोर्ड को कभी पेमेंट नहीं दिया गया।

जांच में ये भी सामने आया कि नोटबंदी के दौरान करीब 10 करोड़ 40 लाख का पेमेंट एक साथ किया ग,या लेकिन वो भी जल बोर्ड तक नहीं पहुंचा। इस मामले में जल बोर्ड को करीब 14 करोड़ 41 लाख का घाटा हुआ। ये पैसा अभी भी कंपनी के पास बकाया है। इंटरपूल एक्सचेंज के तहत केजरीवाल के पर्सनल सेक्रेटरी बिभव कुमार को दिल्ली जल बोर्ड का बंगला दिया गया था, जबकि वो सरकारी कर्मचारी नहीं हैं। इस मामले में 2023 में विजिलेंस ने पूछताछ शुरू की थी।

खबरें जरा हटके

जर्जर धर्मस्थल में घुसा शख्स, अंदर दिखा ऐसा नजारा

फटी रह गई आंखें, छिपा हुआ था एक रहस्य

दुनिया में कई रहस्यमयी जगहे हैं, जिनके बारे में जानकर हम चकित रह जाते हैं. चाहे वह बरमूडा ट्रायंगल हो, जिसके ऊपर से उड़ने वाले सारे जहाज गायब हो जाते हैं, या फिर दक्षिण अफ्रीका का फुन्दूजी झील, जिसका पानी पीकर कोई जिंदा नहीं रहता. कई धर्मस्थल भी ऐसे हैं, जो रहस्यों से भरे हुए हैं. लेकिन हाल ही में एक शख्स को जो नजर आया, वह हैरान कर गया. यह शख्स एक जर्जर धर्मस्थल देखकर उसके अंदर घुसा था, लेकिन अंदर जो नजारा दिखा, उसकी आंखें फटी की फटी रह गईं. डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, तस्मानिया के हेगली शहर में 145 साल पुराना एक चर्च है. बाहर से देखने पर आपको यह काफी जर्जर नजर आता है. चारों ओर जंगल और कोई साफ सफाई नहीं. लेकिन यह शख्स जब अंदर गया तो नजारा चौंकाने वाला था. यह चर्च किसी हवेली से कम नहीं था. ब्लैक एंड व्हाइट मार्बल्स से सजे इस चर्च में लग्जरी लाइफ जीने के लिए हर चीज मौजूद थी.

अंदर तीन शानदार बेडरूम, एक विशाल फैमिली रूम, एक अत्याधुनकि कचिन और खूबसूरत आंगन था. धनुषाकार दरवाजे पर सुंदर डिजाइन की गई थी. मेहमानों के बैठने के लिए विशाल लाउंज और डाइनगि रूम बनाया गया था. फर्नीचर काफी पुराने थे, लेकिन उन्हें इतने सुंदर तरीके से रखा गया था, जैसे लग रहा था कि वे अभी-अभी बनाए गए हों. पुराने और खूबसूरत झूमर घर की रंगत बढ़ा रहे थे. लकड़ी की एक विशाल चिमनी लगी हुई थी जो कमरे को गर्म कर रही थी. अनोखे घर की मोनोक्रोम थीम पर सजाया गया था. बाथरूम में मज़ेदार पैटर्न वाली टाइलिंग, कुरकुरी सफेद दीवारें, संगमरमर के बेंचटॉप मन मोह लेने वाले थे, लिविंग हियर लॉन्सेस्टन के थॉमस बेयर्ड ने बताया कि इस चर्च को 1879 में बनाया गया था. लेकिन दशकों बाद इसे एक घर में तब्दील कर दिया गया. 2018 में एक परिवार ने इसे केवल 3.25 लाख पाउंड में खरीद लिया. उन्होंने इसके रिनोवेट करवाया. फरवरी 2020 में इसे एक शख्स ने 5.05 लाख पाउंड में खरीदा. लेकिन उन्होंने इसे जिस तरह से डिजाइन करवाया, उससे यह काफी सुंदर बन गया. अब यह घर फीर बिकने के लिए तैयार है. अब तक 5000 से ज्यादा लोगों ने इसे खरीदने की इच्छा जताई है.

सिर में दिखता है गड्ढा, दिमाग को चक्कर में डाल देता है ये टैटू, लोग हो रहे हैं इसके दीवाने

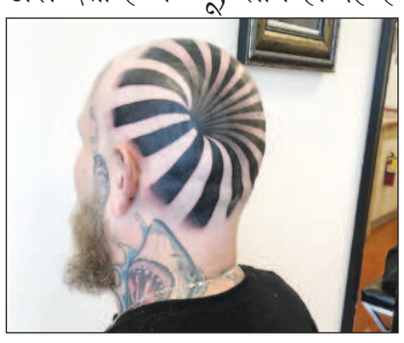

ऑप्टिकल इलुशन या जिसे हम दृष्टिभ्रम भी कहते हैं, अक्सर हमें हैरान करते हैं. कलाकार कई अनोखी जगह पर भी ऐसी आकृति या नजारा रच डालते हैं जिससे ना केवल दिमाग चकरा जाता है, बल्कि हैरान भी हो जाता है. ऐसा ही एक कारनामा एक टैटू बनाने वाले कलाकार ने किया जब उसने अपने दोस्त के सिर पर ही बहुत ही चौंकाने वाला टैटू बनाने का वीडियो शेयर किया. सोशल मीडिया पर इस टैटू के खूब चर्चे भी हो रहे हैं. मैट पिहरसन को उसकी कलाकारी के लिए लाइक्स मिल रहे हैं. मैट ने सोशल मीडिया पर कई अनोखे टैटू शेयर किए हैं जिन्हें देख कर कोई भी हैरान हुए बिना नहीं रहता है. पियरसन अमेरिका के उटाह की जियोन टैटू कंपनी में काम करते हैं. उन्होंने अपने दोस्त रायन के सिर पर शानदार डिजाइन बनाई, जिसमें सिर पर मोटी काली रेखाएं एक गड्ढे में जाती हुई दिखाई दे रही हैं. इसके साथ ही उन्होंने ऐसी शेडिंग की है जिससे लगता है कि यह एक असली गड्ढा है. इसी भ्रम के बारे में लोग चर्चा कर रहे हैं. मैट ने अपने इंस्टाग्राम पर हजारों फालोअर्स को चौंका दिया है.

हैरानी की बात यह है कि यह कोई नया टैटू नहीं बल्कि 2020 को बनाया गया था और उसे शेयर कर तब भी लोगों की राय पूछी थी. अब वहीं टैटू का वीडियो हाल ही में फिर वायरल हो गया है. इसे 12 हजार से ज्यादा लाइक भी मिल चुके हैं. लोग फिर से इस खास टैटू को पसंद कर रहे हैं. मैट ने इसे शेयर करते समय बताया था कि उन्होंने अपने दोस्त रायन के सिर पर काफी कुछ किया है. इसके साथ ही मैट ने लोगों से इस टैटू के बारे में राय भी पूछी थी. लोगों ने इस टैटू की तरीफ करते हुए हैरानी भी जताई है. किसी ने इसे पागल कर देने वाला इल्यूजन बताया है तो कोई सिर्फ हक्का बक्का रह गया और कमेंट करने की स्थिति में भी नहीं रह गया था.

बकाया बिल भरवाने के लिए विभाग ने अपनाया शायराना अंदाज, लोगों ने ली मौज

आजकल के समय में बिना बिजली के रहना संभव नहीं है. मोबाइल हो या टीवी या फिर घर के लाइट और पंखे बिना बिजली के कुछ नहीं चलता. बिजली के लिए हर महीने बिल भी भरना पड़ता है, लेकिन कुछ लोग बिल को बकाया कर देते हैं और फिर एक ही बार लंबा-चौड़ा बिल आ जाता है. गांवों में अक्सर ऐसा होता है. इस समस्या का समाधान निकालने और बकाया वसूलने के लिए बिजली विभाग ने बड़ा ही अनोखा तरीका खोज निकाला है. माइक पर बिजली के बकाया बिल को जमा करने की मांग करता एक ऑटो रिक्शा का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर आप भी मुस्कुरा उठेंगे. इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें एक ऑटो रिक्शा के ऊपर बड़ा वाला लाउडस्पीकर लगा हुआ है और माइक से बिजली का बकाया बिल जमा करने की अपील की जा रहा है. अनाउंसमेंट कुछ इस तरह सुनाई देती है, 'ऊपर वाले की मर्जी के बिना एक पत्ता हिल नहीं सकता, बिजली का बकाया बिल जमा करने का इससे अच्छा कोई मौका मिल नहीं करता'. आगे कहा जाता है, 'नींद आने से पहले इंसान सो नहीं सकता, जिसका बिल जमा है उसके घर में अंधेरा हो नहीं सकता.' इसी अंदाज में पूरे वीडियो में अलग-अलग शायरी सुनाई दे रही है। वीडियो को 24 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है. वहीं करीब 8 लाख लोगों ने इसे लाइक किया है. वीडियो पर ढेरों लोगों ने कमेंट भी किया है.

शरद पवार की आह! सबसे करीबी ने अजित को बताया 'निकम्मा', कुनबे में कोहराम!

पुणे, 18 मार्च (एजेंसियां)। पिता तुल्य चाचा शरद पवार से बगावत कर महाराष्ट्र की सत्ता में हिस्सेदार बने उपमुख्यमंत्री अजित पवार अपनी ही जाल में बुरी तरह उलझते जा रहे हैं. लोकसभा चुनाव में चाचा से उनकी बगावत की बात उनके परिवार के सदस्यों को भी हजम नहीं हो रही है।

उनके कई करीबी इस चुनाव में उनसे दूर होते जा रहे हैं. एक ऐसे ही बेहद करीबी ने कहा है कि वह हमेशा से अजित दादा के साथ रहे. बुरे और अच्छे दोनों दिनों में उन्होंने उनका साथ दिया, लेकिन अब बहुत हो चुका। अब वह बड़े साहब (शरद पवार) का अपमान बर्दास्त नहीं कर सकते। बारामती लोकसभा क्षेत्र बड़े साहब का परिवार है. हम सभी पर बड़े साहब का अनंत उपकार है. वह 83 वर्ष के हैं और हम सभी को उनका सम्मान करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के लिए उनके परिवार के करीबी का यह बयान एक बड़ा झटका माना जा रहा है. बारामती लोकसभा क्षेत्र एनसीपी का गढ़ रहा है. लेकिन

पिछले दिनों एनसीपी दोफाड़ हो गई. उसके एक धड़े का नेतृत्व अजित पवार कर रहे हैं वहीं दूसरा धड़ा शरद पवार के साथ हैं. चुनाव आयोग ने अजित पवार गुट को मूल एनसीपी माना है और पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह उनके साथ है. ऐसे में शरद पवार के नेतृत्व वाले धड़े को एनसीपी शरद गुट कहा जा रहा है.

ननद-भौजाई की लड़ाई

दरअसल, यह पूरी कहानी बारामती लोकसभा क्षेत्र से जुड़ा है. यहां शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले सांसद हैं और वह अपने पिता के साथ हैं. दूसरी तरफ मौजूदा लोकसभा चुनाव में अजित गुट को एनडीए के खाते से केवल चार सीटें मिलने की संभावना है. उसमें एक सीट बारामती है. वह बारामती से अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को उम्मीदवार बनाने वाले हैं. इस तरह बारामती में अजित की पत्नी और उनकी चचेरी बहन के बीच मुकाबला होने जा रहा है. इस कारण पूरा बारामती भी दो धड़ों में बंट गया है. खुद शरद पवार का कुनबा भी बंट गया है. परिवार के कई अहम सदस्य शरद पवार के साथ खुलकर आ गए हैं।

सगे ने दिखाया आईना

एक ऐसे ही बेहद प्रभावी सदस्य हैं श्रीनिवास पवार. वह अजित पवार के सगे बड़े भाई हैं. उन्होंने इस पारिवारिक लड़ाई में अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है. वह काटेवाड़ी गांव में सुप्रिया के लिए प्रचार करते हुए कहा कि वह हमेशा अजित दादा के साथ रहे. अच्छा और बुरा उसने जो भी निर्णय लिया, उन्होंने हमेशा उसका समर्थन किया. क्योंकि उन्होंने कभी नहीं पूछा कि उन्हें ऐसा क्यों करना चाहिए? बहुत सारे लोग उन्हें जानते हैं. वह यहां की मिट्टी से जुड़े हैं.

कांग्रेस-टीएमसी का असम सरकार पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

निर्वाचन आयोग से की कार्रवाई की मांग

गुवाहटी, 18 मार्च (एजेंसियां)। असम की विपक्षी पार्टियां कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर चुनाव आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आधिकारिक विज्ञापनों पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की तस्वीरों को एमसीसी का उल्लंघन बताया है। राज्य में कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा टीएमसी प्रमुख रिपुन बोरा ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को अलग-अलग चिट्ठी लिखी, जहां दोनों ने अपनी चिंताएं व्यक्त की। कांग्रेस ने रविवार को अपनी शिकायत दर्ज कराई तो वहीं टीएमसी ने सोमवार को चिट्ठी लिखी। भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री की तस्वीरों वाले विज्ञापनों की मौजूदगी एमसीसी का उल्लंघन है। उन्होंने सीईसी से इसपर कार्रवाई करने की मांग की है। बोरा ने कहा, यह एमसीसी का घोर उल्लंघन है। आपसे अनुरोध है कि तुरंत उचित कार्रवाई करें। असम में टीएमसी अध्यक्ष रिपुन बोरा ने राज्य भर में पीएम और सीएम की तस्वीरों के साथ सरकारी विज्ञापनों वाले कई होर्डिंग्स का हवाला देते हुए सीईसी से राज्य सरकार को उन्हें तुरंत हटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया। लोकसभा चुनाव के तारीखों के एलान के बाद एमसीसी को देशभर में लागू किया गया। असम में 14 लोकसभा सीटों पर चुनाव तीन चरणों में होगा।

'कांग्रेस तोड़ो, कांग्रेस छोड़ो' साबित हुईं राहुल गांधी की यात्राएं : शिवराज सिंह

भोपाल, 18 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्राओं पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि उनकी यात्राएं 'कांग्रेस तोड़ो, कांग्रेस छोड़ो' साबित हुई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि राहुल गांधी ने अपनी एक और विफल यात्रा का समापन किया। राहुल गांधी ने दो यात्राएं की और वह दो यात्राएं 'कांग्रेस तोड़ो, कांग्रेस छोड़ो' साबित हुईं और जहां से गुजरी वहां से कांग्रेस ही गुजर गई। उन्होंने आगे कहा कि 'न्याय यात्रा' ने भी कांग्रेस के साथ 'अन्याय' ही किया, जहां से वो गुजरे, वहां कांग्रेस या तो हारी या शीर्ष नेताओं ने कांग्रेस छोड़ी। मैं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से आज कुछ सवाल पूछ रहा हूं और उनके जवाब चाहता हूं। देश जानना चाहता है, वो जवाब दें। उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में भगवान श्री राम के दिव्य और भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुई थी, संपूर्ण देश आनंद, उत्सव और भक्ति से सराबोर था, निमंत्रण उन्हें भी मिला था कि वो सनातन धर्म के सबसे बड़े पर्व में शामिल हों।

दिल्ली में बड़ी वारदात, दो पक्षों में हुई चाकूबाजी-दो की गई जान

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिमी दिल्ली के रणहौला इलाके में दो पक्षों के बीच चाकूबाजी का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, रणहौला इलाके के मछली मार्केट में दो पक्षों के बीच चाकूबाजी हुई। इस वारदात में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं शुरुआती जांच में रंजिश की वजह से हत्या की बात सामने आई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मरने वाले की शिनाख्त हो चुकी है। फिलहाल, पुलिस हमले के कारणों की जांच में जुट गई है।

चिल्लाइए मत, हम आपको सुनने के लिए यहां नहीं..

जब वकील नेदुम्पारा पर भड़क गए सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में आज चुनावी बॉन्ड पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ वकील मैथ्यू नेदुम्पारा पर भड़क गए। चीफ जस्टिस ने बॉन्ड पर सुनवाई के दौरान नेदुम्पारा से कहा कि आप मुझपर चिल्लाइए मत। अगर आपको याचिका दाखिल करनी है तो आवेदन दीजिए। हम यहां आपकी सुनवाई के लिए नहीं बैठे हैं।

नेदुम्पारा ने सुनवाई के दौरान कहा कि पूरा फैसला नागरिकों के पीठ पीछे दिया गया। नेदुम्पारा इस दौरान लगातार बोलते रहे। जब जस्टिस बी आर गवई ने कहा क्या आपको मानहानि का नोटिस चाहिए? चीफ जस्टिस ने कहा कि हम आपके लिए अपवाद नहीं बना सकते हैं। ये फैसला सबके लिए है। जस्टिस गवई ने कहा कि पूरी दुनिया को पता है कि इस मामले की सुनवाई चल रही है। इसपर चीफ जस्टिस ने कहा कि आप यहां तब आए जब फैसला दिया जा चुका है। हम अभी आपकी सुनवाई नहीं कर सकते हैं। इसी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष अधीश अग्रवाल ने स्वतः संज्ञान के लिए याचिका दाखिल की।

'उनका दावा बेबुनियाद, मैं सोनिया गांधी से मिला भी नहीं'

राहुल के बयान पर भडके भाजपा नेता अशोक चव्हाण

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी के दावे पर महाराष्ट्र भाजपा के नेता अशोक चव्हाण ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जो दावा कर रहे हैं, वो बेबुनियाद है और वह सोनिया गांधी से नहीं मिले थे। अशोक चव्हाण ने बीते दिनों ही कांग्रेस की सदस्यता छोड़कर भाजपा का सदस्यता ली थी। रविवार को मुंबई की रैली के दौरान राहुल गांधी ने बिना किसी का नाम लिए दावा किया था कि 'महाराष्ट्र के एक नेता ने उनकी मां के सामने रोते हुए कहा था कि उन्हें शर्म आती है कि वे इस ताकत से नहीं लड़ सकते और वह जेल नहीं जाना चाहते।'

अशोक चव्हाण ने जारी किया वीडियो संदेश

राहुल गांधी के इस बयान को अशोक चव्हाण से जोड़कर देखा गया क्योंकि हाल ही में वही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए हैं और

आदर्श हाउसिंग घोटाले में उनका भी नाम शामिल है। अशोक चव्हाण ने सोमवार को एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने रविवार को एक रैली में बयान दिया और किसी का नाम नहीं लिया, अगर वह मेरे बारे में ऐसा कह रहे हैं तो यह अतार्किक और बेबुनियाद है। सच तो यह है कि कांग्रेस से इस्तीफा देने तक मैं पार्टी मुख्यालय में काम कर रहा था। मैंने विधायक पद से इस्तीफा दिया और कुछ देर बाद पार्टी से भी इस्तीफा दे दिया। तब तक किसी को नहीं पता था कि मैंने इस्तीफा दे दिया है।' चव्हाण ने कहा, 'मैं सोनिया गांधी से नहीं मिला। यह कहना बेबुनियाद है कि मैंने सोनिया गांधी से मुलाकात की और अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। यह चुनाव के दृष्टिकोण से दिया गया एक राजनीतिक बयान है।' भाजपा ने चव्हाण को राज्यसभा चुनाव में महाराष्ट्र से टिकट दिया जहां से वह राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए।

मुंबई की रैली में राहुल गांधी ने कही ये बातें

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का रविवार को समापन हो गया। यात्रा के समापन पर विपक्षी गठबंधन की रैली हुई, जिसमें विपक्षी गठबंधन के कई नेता शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि 'हम एक शक्ति से लड़ रहे हैं। अब सवाल ये उठता है कि शक्ति क्या है। राजा की आत्मा ईवीएम, ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग में बसती है। मैं नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन राज्य के एक बड़े नेता ने कांग्रेस छोड़ी और रोते हुए मेरी मां सोनिया जी से कहा कि मैं शर्मिंदा हूं, मेरे पास इन लोगों, इस शक्ति से लड़ने की ताकत नहीं है। मैं जेल नहीं जाना चाहता।'

पंजाब में अब बैंकों के लेन-देन पर नजर, चुनाव कार्यालय जाएगी 10 लाख से अधिक के ट्रांजेक्शन की रिपोर्ट

चंडीगढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में चुनाव आचार संहिता लगने के साथ ही अब बैंकों के लेनदेन पर भी चुनाव आयोग द्वारा नजर रखी जाएगी। आज से सभी बैंकों को 10 लाख रुपए से अधिक के लेनदेन से जुड़ी सारी डिटेल अपने जिले के निर्वाचन कार्यालय में देनी होगी। ताकि इस पैसे के प्रयोग को लेकर उचित पड़ताल हो सके। इसके अलावा कैश वैनों को भी तय गाइड लाइन का पालन करना होगा। सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारी इस आदेश को सख्ती से लागू करवाएंगे।

तीसरे पक्ष का पैसा ले जाने पर रोक

बैंकों की कैश वैन में बैंक के अलावा किसी तीसरे पक्ष की रकम नहीं जाएगी। सारी कैश ले जाने वाली आउटसोर्स एजेंसियों को कंपनियों द्वारा किए गए नकदी के विवरण, बैंकों के जारी किए गए पत्र, दस्तावेज साथ लेकर चलना होगा। वहीं, इनमें जो मुलाजिम तैनात होंगे , उनके पास भी उचित आईकार्ड व दस्तावेज रहेंगे। वोट प्रतिशत का ग्राफ बढ़ाने के लिए बैंकों द्वारा आने वाले ग्राहकों को जागरूक किया जाएगा।

बैंक खातों से ही किया जाएगा भुगतान

उम्मीदवारों के खर्च संबंधी भी कुछ शर्तें तय की गईं हैं। 10 हजार से अधिक का भुगतान करने के लिए उम्मीदवार के पास खुद या अपने एजेंट द्वारा संचालित खाता होना चाहिए। इसमें किसी पारिवारिक मेंबर का नाम शामिल नहीं होगा। बैंक खाते के माध्यम से ही खर्च किए जाएंगे। सारे बैंकों व डॉकघरों को ऐसे खाते खोलने होंगे, ताकि उम्मीदवारों को जरूरी मदद मिल पाए।

इस तरह उम्मीदवार को 10 हजार से अधिक कोई फंड या कर्ज नकद रूप में नहीं दिया सकता है। इससे अधिक राशि का भुगतान चैक व ड्राफ्ट द्वारा किए जाएंगे। मोहाली की निर्वाचन अधिकारी आशिका जैन ने बताया कि बैंकों को सारे संदिग्ध लेनदेन की की रिपोर्ट जिला निर्वाचन कार्यालय में देनी होगी। बैंकों को इस बारे में बता दिया गया है। नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

हिमाचल के 6 बागी विधायकों को राहत नहीं

शिमला, 18 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के 6 बागी कांग्रेस विधायकों की अयोग्यता पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी है। साथ ही 6 मई तक हिमाचल प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव पर भी रोक लगा दी है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने हिमाचल विधानसभा स्पीकर और सेक्रेटरी को नोटिस देकर इस मामले पर 14 दिन में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 6 मई को होगी। दरअसल, बागी विधायकों ने स्पीकर पठानिया के फैसले को असंवैधानिक बताते हुए उनकी सदस्यता बहाल करने और स्पीकर के ऑर्डर स्टे करने की अपील सुप्रीम कोर्ट से की थी। इसके पहले 12 मार्च की सुनवाई में विधायकों के वकील हरीश साल्वे कोर्ट में पेश नहीं हुए और एडवोकेट सत्यपाल जैन ने अगली तारीख मांगी थी।

वर्ष-28 अंक : 361 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.10 2080 मंगलवार, 19 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तमिलिसाई सुंदरराजन का राज्यपाल पद से इस्तीफा

पुडुचेरी के एलजी का पद भी छोड़ा

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पुडुचेरी के राजभवन की तरफ से जारी बयान में उन्होंने इस केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल पद छोड़ने की भी जानकारी दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, तेलंगाना की माननीय राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा भारत की माननीय राष्ट्रपति को भेज दिया गया है। गौरतलब है तमिलिसाई सुंदरराजन को नवंबर 2019 में तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें फरवरी 2021 में पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि तमिलिसाई सुंदरराजन इस बार भाजपा के टिक्ट पर तमिलनाडु से चुनाव लड़ सकती हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा उन्हें डीएमके नेता कनिमोझी के खिलाफ भी उतार सकती है। 2019 के चुनाव में सुंदरराजन ने चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें कनिमोझी के खिलाफ ही हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 2009 में वे चेन्नई (उत्तर) सीट से प्रत्याशी रही थीं। हालांकि, यहां उन्हें डीएमके के टीकेएस एलंगोवन से हार का सामना करना पड़ा।

इंडी अलायंस की लड़ाई शक्ति के खिलाफ : मोदी

** मेरे लिए हर मां-बेटी शक्ति का रूप * इनकी रक्षा में जान की बाजी लगा दूंगा*

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (18 मार्च) तीन राज्यों तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के दौरे पर हैं। तेलंगाना के जगित्याल में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने 17 मार्च की इंडी अलायंस की रैली के जवाब दिया।

मोदी ने कहा, मुंबई में इंडी अलायंस की रैली में उन्होंने अपना घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें कहा गया है कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। मेरे लिए तो हर मां-बेटी शक्ति का रूप है। मैं इनको शक्ति के रूप में पूजता हूं और इनकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगा दूंगा।

इसके अलावा मोदी ने तेलंगाना की पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाया। मोदी ने कहा, तेलंगाना से लूटा पैसा दिल्ली में परिवारवादियों की तिजोरी में जाता है। मोदी इन्हें नहीं छोड़ेगा। तेलंगाना के जगित्याल के बाद पीएम मोदी कर्नाटक जाएंगे। वे यहां दोपहर 3:15 बजे शिवमोगा में एक रैली को संबोधित किया। इसके बाद शाम को वे तमिलनाडु के कोयंबटूर में 4 किमी लंबा रोड शो भी निकालें।

राहुल के शक्ति वाले बयान पर :

पीएम ने कहा, कल मुंबई में इंडी अलायंस की रैली थी। चुनाव घोषित होने के बाद इंडी अलायंस की ये पहली और उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण रैली थी। उस रैली में उन्होंने अपना घोषणा पत्र जारी किया और उनके घोषणा पत्र का ऐलान है कि मेरी (इंडी अलायंस) लड़ाई शक्ति के खिलाफ है।

हम सब शक्ति की आराधना करते हैं। हमने चंद्रयान की सफलता को भी शिव शक्ति नाम देकर शक्ति को समर्पित किया है। एक ओर शक्ति के विनाश की बात करने वाले लोग हैं। दूसरी ओर शक्ति की पूजा करने वाले लोग हैं। मुकाबला 4 जून को हो जाएगा कि कौन शक्ति का विनाश कर सकता है और कौन शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त कर सकता है।

कांग्रेस और बीआरएस के परिवारवाद-भ्रष्टाचार पर :

मोदी ने कहा, एक ओर वो कांग्रेस पार्टी है, जिसने तेलंगाना के सपनों को कुचला। दूसरी ओर बीआरएस है, जिसने यहां के लोगों की भावनाओं का इस्तेमाल किया, सत्ता पाई और बाद में जनता से ही विश्वासघात किया। तेलंगाना निर्माण के पहले 10 वर्षों तक बीआरएस ने तेलंगाना को जमकर लूटा। अब कांग्रेस ने तेलंगाना को एटीएम स्टेट बना लिया है।

परिवारवादियों का पूरा इतिहास उठाकर देख लीजिए। देश में जितने भी बड़े घोटाले हुए हैं, उनके पीछे कोई न कोई परिवारवादी पार्टी ही मिलेगी। बीआरएस और कांग्रेस एक दूसरे के लिए चाहे कितनी भी कवर फायर कर लें, इनकी एक एक लूट का हिसाब होता रहेगा। मोदी, तेलंगाना के लोगों को लूटने वालों को छोड़ेगा नहीं। ये मोदी की गारंटी है।

2024 लोकसभा चुनाव पर :

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 13 मई को तेलंगाना में होने वाला मतदान विकसित भारत के लिए होगा। जब भारत विकसित होगा तो तेलंगाना भी विकसित होगा। यहां तेलंगाना में भाजपा के लिए लगातार समर्थन बढ़ता जा रहा है। मैं पिछले 3 दिनों में दूसरी बार तेलंगाना आया हूं। विकास आज तेलंगाना के हर इलाके में पहुंच रहा है। इसलिए तेलंगाना के कोने-कोने में भाजपा के लिए समर्थन बढ़ता ही जा रहा है।

छह राज्यों के गृह सचिव हटाने के निर्देश

बंगाल डीजीपी भी हटाए गए

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। निष्पक्ष लोकसभा चुनाव में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने सोमवार को गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के गृह सचिवों को हटाने का आदेश दिया। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को हटाने का भी आदेश दिया गया।

यह कदम समान अवसर बनाए रखने और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने के आयोग के कोशिशों का हिस्सा है। साथ ही मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के सामान्य प्रशासनिक विभागों के सचिव को हटा दिया गया है। लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के कुछ दिनों बाद मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता वाले चुनाव पैनल ने बृहन्मुंबई नगर आयुक्त इकबाल सिंह चहल, अतिरिक्त आयुक्तों और उपायुक्तों को हटाने का भी आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 21 मार्च तक सारी जानकारी दे एसबीआई

इलेक्टोरल बॉन्ड के नंबर भी बताएं

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (18 मार्च) को एसबीआई से कहा कि वह इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी हर जानकारी 21 मार्च तक दे। सुप्रीम कोर्ट ने नए आदेश में उन यूनीक बॉन्ड नंबर्स के खुलासे का भी आदेश दिया, जिनके जरिए बॉन्ड खरीदने वाले और फंड पाने वाली राजनीतिक पार्टी का लिंक पता चलता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 21 मार्च की शाम 5 बजे तक एसबीआई के चेयरमैन एक एफिडेविट भी दाखिल करें कि उन्होंने सारी जानकारी दे दी है। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि एसबीआई जानकारियों का खुलासा करते वक्त सिलेक्टिव नहीं हो सकता। इसके लिए आप हमारे आदेश का इंतजार न करें।

सीजेआई ने कहा, एसबीआई चाहती है हम ही उसे बताएं किसका खुलासा करना है, तब वे बताएंगे। ये रवैया सही नहीं है। बॉन्ड के यूनीक नंबर्स न होने पर कोर्ट ने 16 मार्च को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को नोटिस देकर 18 मार्च तक जवाब

मांगा था। कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी एसबीआई से मिली जानकारी तुरंत अपलोड करने निर्देश दिया है।

बेंच ने 11 मार्च के फैसले में एसबीआई को बॉन्ड की पूरी डिटेल देने का निर्देश दिया था। हालांकि, एसबीआई ने सिर्फ बॉन्ड खरीदने और कैश कराने वालों की जानकारी दी। इस बात का खुलासा नहीं किया गया था कि किस डोनर ने किस राजनीतिक पार्टी को कितना चंदा दिया। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर मौजूद डेटा के मुताबिक, कुछ राजनीतिक पार्टियों ने एसबीआई से बॉन्ड्स के यूनीक नंबर्स मांगे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने कहा है कि उसे नंबर्स चाहिए ताकि वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर सके। भाजपा ने एसबीआई से ऐसी कोई अपील नहीं की है। बहुजन समाज पार्टी ने कहा कि उसे चुनावी बॉन्ड के जरिए कोई चंदा नहीं मिला है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने भी कहा कि उसे भी इलेक्टोरल बॉन्ड्स से चंदा नहीं मिला। कांग्रेस ने कहा कि वह एसबीआई द्वारा चुनाव आयोग को दिया गया डेटा जारी करेगी।

भाजपा ने सबसे ज्यादा 6,986 करोड़ के बॉन्ड कैश कराए :

चुनाव आयोग ने रविवार (17 मार्च) को अपनी वेबसाइट पर सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से 16 मार्च को मिला इलेक्टोरल बॉन्ड का नया डेटा अपलोड किया। नए डेटा में फाइनेंशियल ईयर 2017-18 के बॉन्ड्स की जानकारी शामिल है।

डेटा के मुताबिक, भाजपा ने कुल 6 हजार 986 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड कैश कराए हैं। पार्टी को 2019-20 में सबसे ज्यादा 2 हजार 555 करोड़ रुपशे मिले हैं। वहीं, डीएमके को इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से 656.5 करोड़ रुपये मिले, जिसमें लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के फ्यूचर गेमिंग से 509 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। आयोग ने इससे पहले 14 मार्च को 763 पेज की दो लिस्ट में अप्रैल 2019 के बाद खरीदे या कैश किए गए बॉन्ड की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड की थी।

सत्येंद्र जैन फिर तिहाड़ पहुंचे, 10 महीने बेल पर थे

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने सोमवार 18 मार्च को तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया।

जैन 26 मई 2023 से मेडिकल बेल पर थे। सत्येंद्र जैन की रेगुलर जमानत याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने जैन की जमानत याचिका खारिज करते हुए तुरंत सरेंडर करने का आदेश दिया। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने सत्येंद्र और सह-आरोपी अंकुश जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई की थी। 25 सितंबर को कोर्ट ने सत्येंद्र की अंतरिम जमानत को 9 अक्टूबर तक बढ़ाया था। पिछली सुनवाई में कहा गया था कि उनके वकील अभिषेक मनु सिंघवी जरूरी काम के चलते कोर्ट में पेश नहीं हो पाएंगे। ऐसे में कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत बढ़ा दी थी। ईडी ने सत्येंद्र जैन को दिल्ली शराब नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के मामले को लेकर 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया था।

मंत्री पद की शपथ दिलाने से राज्यपाल का इनकार

तो सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई की मांग की है। दरअसल तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने राज्यपाल आरएन रवि से वरिष्ठ डीएमके नेता के पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने की अपील की थी, लेकिन राज्यपाल ने सीएम की सिफारिश मानने से इनकार कर दिया। इसी के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

क्या है तमिलनाडु सरकार की याचिका में :

तमिलनाडु सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील एएम सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने की बात कही। सिंघवी ने याचिका में कहा कि राज्यपाल ने फिर वैसा ही किया है, जैसे मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने पहले सुनवाई की थी। अदालत ने पोनमुडी की दोषसिद्धि पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ने उनकी मंत्रीपद पर नियुक्ति के लिए राज्यपाल से सिफारिश की। इस पर राज्यपाल ने पोनमुडी की मंत्री पद पर नियुक्ति को असंवैधानिक बताकर मुख्यमंत्री की सिफारिश मानने से इनकार कर दिया।

तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके ने सीएम की सिफारिश मानने से इनकार पर राज्यपाल आरएन रवि का इस्तीफा मांग लिया है। डीएमके के प्रवक्ता सर्वानन अन्नादुराई ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा राज्यपाल का व्यवहार दिनों दिन खराब होता जा रहा है। वह राज्यपाल पद के लिए शर्मनाक हैं। वह कानून के मुताबिक और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के मुताबिक काम नहीं कर रहे हैं। पोनमुडी की दोषसिद्धि पर सुप्रीम कोर्ट से रोक लग चुकी है, जिससे उनकी विधानसभा सदस्यता बहाल हो गई है। जब वह विधायक बन गए हैं तो फिर वे बतौर मंत्री अयोग्य नहीं हो सकते। यह सुप्रीम कोर्ट ने अपने कई फैसलों में साफ किया है। डीएमके प्रवक्ता ने लिखा कि सेंथिल बालाजी के मामले में हाईकोर्ट ने भी कहा था कि अगर आप विधायक पद के लिए योग्य हैं तो फिर आपको मंत्री पद के लिए अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता। फिर ये कौन सज्जन हैं जो इस पर टिप्पणी कर रहे हैं? आखिरकार इस पर फैसला सुप्रीम कोर्ट करेगा। वह कभी भी दिल्ली जाकर करदाताओं का पैसा बर्बाद कर रहे हैं।

क्या है पूरा मामला :

डीएमके के वरिष्ठ नेता के पोनमुडी और उनकी पत्नी को मद्रास हाईकोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति रखने और भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाया था और तीन साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद जनप्रतिनिधि कानून के तहत पोनमुडी को मंत्री पद छोड़ना पड़ा और उन्हें विधानसभा सदस्यता से भी अयोग्य ठहरा दिया गया। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ पोनमुडी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जहां उन्हें राहत मिली और सुप्रीम कोर्ट ने पोनमुडी की दोषसिद्धि पर रोक लगा दी।

एल्विश का चौंकाने वाला कबूलनामा

हां मैं पार्टियों में सांपों और उनके जहर की करता था सप्लाई

नोएडा, 18 मार्च (एजेंसियां)। बिग बॉस विजेता और मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। नोएडा पुलिस की टीम ने रविवार को एल्विश यादव को पूछताछ करने के लिए बुलाया था। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अब खबर है कि पुलिस के सामने एल्विश ने अपना गुनाह कबूल लिया है। एल्विश यादव ने सांपों का जहर मंगवाने की बात कबूल कर ली है। एल्विश अन्य आरोपियों के संपर्क में था। वहीं दूसरी तरफ एल्विश की याचिका पर आज कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। क्योंकि नोएडा में वकीलों की हड़ताल है।

पुलिस जांच में एल्विश यादव ने स्वीकार किया है कि कुछ लोगों के संपर्क में था। पुलिस ने एल्विश की लोकेशन और सीडीआर भी दिखाई। साथ ही पूछताछ के दौरान एल्विश ने सांप और जहर की बात पर हामी भी भरी है। एल्विश पुलिस के सवालों पर उलझ गया। नोएडा पुलिस ने 29 एनडीपीएस एक्ट लगाया है। इस मामले में आरोपी को कम से कम 20 साल की सजा की संभावना होती है।

इस एक्ट में जमानत आसानी से नहीं मिलती है। फार्म हाउस में हुई पार्टी का ब्यौरा भी दिखाया। रेव पार्टी में सांपों के जहर सप्लाई करने के मामले में बिग बॉस विजेता और मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। नोएडा पुलिस की टीम ने रविवार को एल्विश यादव को पूछताछ करने के लिए बुलाया था। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। नोएडा पुलिस की टीम उसे कोर्ट में पेश करने के लिए सूरजपुर कोर्ट में पेश किया, जहां सुनवाई के बाद एल्विश यादव ग्रेटर नोएडा कारागार में भेज दिया गया।

अमित शाह और जेपी नड्डा उम्मीदवारों के नामों पर करेंगे मंथन

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उम्मीदवारों की तीसरी सूची पर विचार करने के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को विभिन्न राज्यों की प्रदेश कोर कमेटी के नेताओं के साथ बैठक करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि अमित शाह और जेपी नड्डा उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र सहित कई अन्य राज्यों की प्रदेश कोर कमेटी के नेताओं के साथ बैठक कर लोकसभा उम्मीदवारों की अगली सूची पर मंथन करेंगे। बता दें कि भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची में उत्तर प्रदेश की 51 सीटों और पश्चिम बंगाल की 20 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी।

समुद्री सुरक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों पहले भारतीय नौसेना ने 35 सोमालियाई लुटेरों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करने के बाद नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह सतत अभियान है। लंबे समय से 2008 से समुद्री डकैती विरोधी अभियानों में मौजूद रहे हैं।

पिछले कुछ महीनों में बढ़ी समुद्री डकैती :

पत्रकारों से बातचीत करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि पिछले कुछ तीन या चार महीने पहले अचानक फिर से समुद्री डैकती में बढ़ोतरी हुई है। लेकिन समुद्री सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध भारतीय नौसेना ने कई जहाज तैनात कर दिए हैं। हम उन सभी संदिग्ध जहाजों की जांच कर रहे हैं जिनके पास समुद्री डकैती का ट्रिगर है। समुद्री डकैती को रोकने के खिलाफ हमारा अभियान लगातार जारी है।

समुद्री सुरक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध :

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि हम समुद्री सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर हैं। इसलिए हमें पता चल जाता है कि एमवी रुएन जैसे जहाजों का समुद्री डाकू इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह की हरकतों के कारण हमनें कई जहाज तैनात कि हैं। अपने ऑपरेशन के लिए प्रतिबद्ध नौसेना ने समुद्री डकैतों के जहाज को रोका, हालांकि उस बाद उन्होंने आत्मसमर्पण कर लिया। गौरतलब है कि जहाज पर 17 कर्मियों का दल मौजूद था, जिसमें बुल्गारिया, मंगोलिया और म्यामांर के नागरिक मौजूद थे। अब जहाज को उसके अगले बंदरगाह वापस भेजा जा रहा है।

आईएनएस कोलकाता ने घेरा समुद्री लुटेरों को :

लगातार कार्रवाई के जरिए आईएनएस कोलकाता ने सभी 35 समुद्री लुटेरों को घेर लिया और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूत किया। बिना किसी नुकसान के चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचाया गया था। आईएनएस कोलकाता ने भारतीय तट से लगभग 1400 एनएम (2600 किमी) दूर समुद्री लुटेरों के जहाज रुएन को रोक लिया था और आईएनएस सुभद्रा, हेल आरपीए, पी8आई समुद्री गश्ती विमान और मार्कोस प्रहार वायु सेना द्वारा की गई कार्रवाई के जरिए समुद्री लुटेरों के जहाज को रुकने के लिए मजबूर किया था।

डूंगरपुर मामले में आजम खां को सात साल की सजा

अन्य तीन दोषी पांच साल जेल में रहेंगे

रामपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। डूंगरपुर प्रकरण के एक मामले में सपा नेता आजम खां को कोर्ट ने सोमवार को सात साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा तीन दोषियों को पांच-पांच साल कारावास की सजा सुनाई गई है। आजम खां, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां, रिटायर्ड सीओ आले हसन, ठेकेदार बरकत अली पर अदालत शनिवार को दोष सिद्ध कर चुकी थी। डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के दौरान वर्ष 2019 में 12 मुकदमे दर्ज हुए थे। इनमें से एक केस इसी बस्ती के रहने वाले एहतेशाम ने दर्ज कराया था। आजम खां को आपराधिक षड़यंत्र का आरोपी बनाया था, जबकि अन्य पर घर में घुसकर मारपीट करने, धमकाने, डकैती आदि जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चार मार्च को इस मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी थी। शनिवार को कोर्ट ने आजम खां समेत उक्त चारों को दोषी करार दिया। सोमवार को सुनवाई करते हुए आजम खां को सात साल तथा अन्य तीन को पांच साल की सजा सुनाई गई है। इस मामले में आरोपी बनाए गए सपा के प्रदेश सचिव ओमेंद्र सिंह चौहान समेत जिबरान नासिर, फरमान नासिर साक्ष्य के अभाव में बरी हो गए थे। सपा नेता आजम खां सीतापुर, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां बिजनौर जेल में हैं।

तेज रफ्तार एसयूवी ने ट्रैक्टर में मारी टक्कर, नौ की मौत

खगड़िया, 18 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में सोमवार को सुबह की शुरुआत एक बहुत बड़े हादसे की खबर से हुई। खगड़िया में हाईवे पर एक एसयूवी ने ट्रैक्टर को पीछे से ऐसी जबरदस्त टक्कर मारी कि चीख-पुकार मच गई। इस भीषण हादसे में पिता और दो पुत्र समेत नौ लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। घायलों को खगड़िया सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल भेजा गया है। इधरद्ध घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

एसयूवी वाहन सीमेंट लोड ट्रैक्टर के पीछे जा घुसी

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि जिले के चौथम थाना क्षेत्र के ठूठी मोहनपुर से बारात मरैया थाना क्षेत्र स्थित बिठला गांव आई थी। बारात के ही लोग सूर्योदय से पहले करीब तीन से चार बजे के बीच लौट रहे थे। इसी दौरान पसराहा थाना क्षेत्र स्थित न 31 विद्या रत्न पेट्रोल पंप के पास एसयूवी वाहन सीमेंट लोड ट्रैक्टर के पीछे जा घुसी। इससे वाहन सवार सात लोगों की मौत घटनास्थल पर हो गई जबकि दो की मौत सदर अस्पताल खगड़िया में इलाज के दौरान हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मरने परिजनों में कोहराम मच गया है। आननफानन में सभी लोग घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद खगड़िया सदर अस्पताल में भी लोगों की भीड़ जुड़ गई है। पूरा अस्पताल परिसर में अफरातफरी का माहौल बना हुआ है। मरने वालों की पहचान विनोद ठाकुर के 32 वर्षीय पुत्र गौतम कुमार, उमेश ठाकुर के सात वर्षीय पुत्र मोनू कुमार, प्रमोद कुमार के 25 वर्षीय पुत्र अमन कुमार, शांति ठाकुर के 47 वर्षीय पुत्र विकास ठाकुर, विकास ठाकुर के 23 वर्षीय पुत्र अंशु कुमार और 10 वर्षीय पुत्र दिलों कुमार, राम ठाकुर के 50 वर्षीय पुत्र पलटू ठाकुर, रोहन सिंह के 48 वर्षीय पुत्र प्रकाश सिंह और कारी शर्मा के पुत्र धर्मेंद्र कुमार (ड्राइवर) के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचे सभी शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खगड़िया भेज दिया है।

तंबाकू के लिए टीचर की हत्या

मुजफ्फरनगर, 18 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में नशे में धुत्त हेड कॉन्स्टेबल ने टीचर पर सरकारी कार्बाइन से अंधाधुंध फायरिंग की। जिसमें टीचर की मौत हो गई। हेड कॉन्स्टेबल ने तंबाकू न देने से नाराज होकर वारदात को अंजाम दिया। घटना रविवार देर रात की एसडी इंटर कॉलेज के गेट की है।

घटना के बाद प्रदेश भर के शिक्षकों में भारी आक्रोश है। लखनऊ, मेरठ समेत कई जिलों में विरोध प्रदर्शन चल रहा है। मेरठ के एनएएस कॉलेज में टीचर्स ने कार्य का बहिष्कार किया है। जबकि एसडी कॉलेज के बाहर शिक्षक नारेबाजी कर रहे हैं।

सर्कुलर रोड पर चौधरी छोटूराम इंटर कॉलेज के सामने शिक्षकों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। चरथावल से सपा विधायक पंकज मलिक, सिटी मजिस्ट्रेट विकास कश्यप और सीओ सिटी व्योम बिंदल, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह शिक्षकों के बीच पहुंचे हैं। उन्हें समझाने की कोशिश की जा रही है।

राजनीतिक दलों के चंदे पर तेजस्वी मौन

बीपीएससी पेपर लीक पर मुखर; बताया-सीट बंटवारे में कितना समय

पटना, 18 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई से लौटने के बाद पटना एयरपोर्ट पर पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर कहा कि सभी दलों के बीच बातचीत हो रही है। दो-चार दिनों में सारी चीजें तय हो जाएंगे।

जदयू के इलेक्टॉल बांड पर तेजस्वी यादव ने चुप्पी साध ली। कहा कि इसपर हमें कोई टीका-टिप्पणी नहीं करनी है।

स्वास्थ्य विभाग की वैकेंसी को यह लोग रद्द करने जा रहे हैं

तेजस्वी यादव ने पेपरलीक केस की बात को फिर से उठाया है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार सरकार यह बताए कि पेपरलीक कैसे हुआ। क्या कारण है कि भाजपा के आते ही पेपरलीक शुरू हो जाता है। कौन हैं यह लोग?

जदयू और भाजपा को यह बताना चाहिए। आखिर युवाओं के भविष्य के साथ कौन लोग खिलवाड़ कर रहे हैं? आखिर कब तक कार्रवाई होगी? किसकी गलती है? इतना मेहनत से हमलोगों ने पद सृजन किया और हम लोगों ने नौकरियां दी। अब पेपरलीक हो रहा है।

सुनने में आ रहा है कि स्वास्थ्य विभाग की वैकेंसी को यह लोग रद्द करने जा रहे हैं।

पीएम मोदी जंगलराज के बारे में चिल्ला-चिल्लाकर कहते हैं

तेजस्वी यादव ने कहा कि पटना में बिल्डर की हत्या कर दी गई। नालंदा में पत्रकार को गोली मार दी गई। अब भाजपा और जदयू के नेता लॉ एंड ऑर्डर क्यों नहीं कुछ बोल रहे हैं।

अगर यह हमारे शासनकाल में होता तो क्या होता अब तक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आकर चिल्ला-चिल्लाकर कहते हैं कि राजद के लोग जंगलराज वाले हैं। अब क्राइम बढ़ रहा तो एनडीए सरकार क्यों नहीं कुछ बोल रही। क्राइम बढ़ रहा है और मीडिया भी इस पर चुप्पी साधे है।

बिहार में बीजेपी-17, जदयू-16, चिराग-5 और मांझी-कुशवाहा को 1-1 सीट

पशुपति पारस की पार्टी को एक भी सीट नहीं, जेडीयू की एक सीट कम

पटना, 18 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा हो गया है। बीजेपी 17 और जेडीयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। वहीं, चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) को 5, जीतन राम मांझी की पार्टी हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम को 1-1 सीट मिली है। हम को गया और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को काराकाट सीट दी गई है। इसका ऐलान सोमवार को दिल्ली में किया गया। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि चिराग के चाचा पशुपति पारस की पार्टी रालोजपा को एक भी सीट नहीं दी गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी उनकी पार्टी का कोई नेता मौजूद नहीं था। एनडीए में शीट शेयरिंग के बाद यह तय है कि इस बार सात लोकसभा सीटों शिवहर, हाजीपुर, गया, काराकाट, समस्तीपुर, नवादा, सीतामढ़ी पर नए कैंडिडेट होंगे, क्योंकि यहां जिस पार्टी का सांसद है उस पार्टी को शेयरिंग में वह सीट नहीं मिली है। नवादा सीट भाजपा ने खुद अपने पास रखी है, पहले यह सीट लोजपा के पास थी। वहीं, गया और काराकाट सीट जदयू से लेकर मांझी की पार्टी हिंदुस्तान आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा को दी गई है। इसी तरह से शिवहर भाजपा के पास थी। इसे इस बार जेडीयू को दे दिया गया है। लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हमें 5 सीटें मिली हैं। जदयू के संजय झा ने कहा कि सारा एलायंस फिक्स हो गया है। 2019 में जब हम लोग लड़ रहे थे तो किसी भी सीट में 2 लाख से कम जीत की मार्जिन नहीं थी। अभी तो सब कुछ वन वे है। कहीं कुछ है नहीं। डबल इंजन की सरकार में बिहार में बड़ा काम होगा। आने वाले चुनाव में बिहार 40 में 40 सीटें एनडीए जीतेगा।

लवली आनंद जेडीयू में हुई शामिल ललन सिंह ने दिलाई सदस्यता

12 फरवरी को बेटे चेतन आनंद ने बदला था पाला

पटना, 18 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व सांसद और बाहुबली आनंद मोहन की पत्नी और पूर्व एमपी लवली आनंद आज जेडीयू जॉइन कर ली है। उन्हें पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने सदस्यता दिलाई है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, मंत्री अशोक चौधरी सहित जदयू के कई नेता मौजूद थे। सदस्यता ग्रहण करने से पहले आनंद मोहन ने अपनी पत्नी लवली आनंद और बेटे अंशुमन आनंद के साथ सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की। पिछले 5 दिनों में मुख्यमंत्री से उनकी यह दूसरी मुलाकात थी। ललन सिंह ने कहा कि आज बहुत खुशी की बात है। लवली आनंद हमारी पार्टी से जुड़ रही हैं। इधर-उधर रास्ता भटक गई थी, लेकिन हम लोग इनको रास्ते पर लाए हैं। अब वे सही पार्टी में आ गई हैं।

लवली आनंद ने कहा कि आज मेरी घर वापसी हुई है। बीच में कुछ दिन भाड़े के घर में थी। आज अच्छा लगा कि अपने घर में वापस आ गई। नीतीश कुमार के विकास कार्य से प्रभावित होकर जदयू में शामिल हुई हूं। मैं अपनी पूरी ताकत से जदयू के लिए काम करूंगी। इसके पहले मैं जहां थी, मैंने वहां भी पूरी ईमानदारी से काम किया, लेकिन वहां मुझे सम्मान नहीं मिला। आरजेडी ने मेरे समाज के बारे में आपत्तिजनक बातें कहीं, जो मुझे बर्दाश्त नहीं हुआ। जदयू को बढ़ाने के लिए मुझे जो भी करना पड़ेगा, वह करूंगी। लवली आनंद शिवहर सीट से जदयू की प्रत्याशी बन सकती हैं। इससे पहले वैशाली से भी उनके चुनाव लड़ने की चर्चा थी, लेकिन अब ये लगभग तय माना जा रहा है कि शिवहर सीट से ही लड़ेंगी।

होटल में बंधक बनाकर आठवीं की छात्रा को नोचते रहे दरिंदे

आगरा, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में यमुना पार के होटल बिग ब्रदर में आठवीं की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना प्रकाश में आई है।

दो दिन तक दो होटलों में बंधक बनाकर रखी गई किशोरी के साथ चार-पांच युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। सोमवार की सुबह किसी तरह किशोरी युवकों के चंगुल से छूटकर घर पहुंची।मां को घटना की जानकारी दी। परिजन किशोरी को लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने उसका मेडिकल कराया है। अब पुलिस होटल कर्मियों से पूछताछ और आरोपियों की तलाश कर रही है।

काशी विश्वनाथ बना रहा रिकॉर्ड, 17 मार्च को 5 लाख से अधिक शिवभक्तों ने किए दर्शन

वाराणसी, 18 मार्च (एजेंसियां)। श्री काशी विश्वनाथ धाम अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है। सावन और महाशिवरात्रि समेत पर्व-त्योहारों पर तो यहां लाखों भक्त दर्शन के लिए उमड़ते ही हैं, रविवार (17 मार्च) जैसे सामान्य दिन में भी यहां 5 लाख से अधिक शिवभक्तों ने दर्शन किए। यह संख्या सामान्यतः विशिष्ट पर्वों पर आने वाले दर्शनार्थियों के बराबर है।

दरअसल, काशी पुराधिपति देवाधिदेव महादेव के दर्शन के लिए निरंतर श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। नव्य और भव्य श्रीकाशी विश्वनाथ धाम मंदिर में सुविधा और सुरक्षा के चलते काशी में दर्शनार्थियों का आवागमन निरंतर बढ़ता जा रहा है। काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के लगभग 3,000 वर्ग फुट से लगभग 5 लाख वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में परिवर्तित होने के बाद धाम में सनातनियों का दर्शन के लिए तांता लग रहा है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि 17 मार्च को दर्शनार्थियों की सर्वाधिक दैनिक संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ। इस दिन कुल 5,03,024 दर्शनार्थियों ने महादेव के दर्शन प्राप्त किए। उन्होंने बताया कि कॉरिडोर लोकार्पण के पहले सामान्य दिनों में भक्तों की संख्या लगभग 20 से 30 हजार के आसपास रहती थी, जबकि लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर 1.5 से 2 लाख हो गई थी। सावन और महाशिवरात्रि में भक्तों की संख्या सर्वाधिक होती है, लेकिन सामान्य दिनों में ऐसा पहली बार देखने को मिला है, जब शिव भक्तों की संख्या एक दिन में 5 लाख के पार हो गई है। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सचिव प्रदीप राय ने बताया कि अयोध्या और काशी के टू-वे सर्किट के लिए पर्यटकों का सबसे ज्यादा रुझान हो रहा है।

हेड कांस्टेबल ने शिक्षक की गोली मारकर हत्या की, गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में एक चौंकाने वाली घटना समाने आई है। वाराणसी से बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिका लेकर मुजफ्फरनगर के एसडी इंटर कॉलेज आए एक अध्यापक की यूपी पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने आपसी विवाद के बाद गोली मारकर हत्या कर दी।

शहर पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने सोमवार को बताया कि वाराणसी के शिक्षा विभाग की एक टीम पुलिस की सुरक्षा में मुजफ्फरनगर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में स्थित एसडी इंटर कॉलेज में बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं लेकर आई थी। शिक्षा विभाग की टीम में अध्यापक धर्मेंद्र कुमार, संतोष कुमार और चतुर्थ श्रेणी के दो कर्मचारी शामिल थे। कॉलेज का गेट बंद होने के कारण टीम के सभी सदस्य वाहन में ही बैठे हुए थे।

उन्होंने बताया कि रविवार रात को कॉलेज के बाहर वाहन में सोते समय अध्यापक धर्मेंद्र और हेड कांस्टेबल चंद्र प्रकाश के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। इसी दौरान चंद्र प्रकाश ने अपनी सरकारी राइफल्स से अध्यापक धर्मेंद्र को गोली मार दी। एएसपी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल अध्यापक धर्मेंद्र कुमार को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी हेड कांस्टेबल के खिलाफ आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डिंपल यादव ने ईवीएम पर उठाए सवाल

'इसे लेकर लोगों के मन में शंका का भाव'

मैनपुरी, 18 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान हो चुके हैं। इसी बीच मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने एक बार फिर ईवीएम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम को लेकर लोगों में बहुत असमंजस है। लोगों के मन में शंका का भाव है। सपा सांसद डिंपल यादव ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बहुत सारे लोग इसे लेकर सवाल कर रहे हैं। पिछले चुनाव में लोगों ने यह बात बोली है कि हमने वोट इस पार्टी को दिया था, लेकिन हमारा वोट निकला नहीं है। एक तरह की स्पष्टता होनी चाहिए। भले ही ईवीएम सही हो तो भी गांव और शहर के लोग चाहते हैं कि बैलेट पेपर से चुनाव हो। दूसरी तरफ अपर्णा यादव की सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद मैनपुरी से भाजपा उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चाओं पर डिंपल यादव ने कहा कि मुझे इस बात का संज्ञान नहीं है। मैं क्षेत्र में हूं। मैं समझती हूं कि सपा बहुत मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है। लोगों का सहयोग-प्यार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्ड की सच्चाई सामने आनी चाहिए। चुनावी बॉन्ड का सिस्टम पहले कौन लेकर आया था, यह सवाल भी है। सुप्रीम कोर्ट इस तरह से फैसले करेगा तो बहुत सारी चीजें लाइन पर आ जाएंगी।

चुनाव आयोग ने सीएम योगी के प्रमुख सचिव को हटाने का दिया निर्देश

सीएम कार्यालय का भी काम देख रहे थे

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को हटाने का निर्देश जारी किया है। योगी ने ऐसे गृह सचिवों को हटाने का निर्देश दिया है जो मुख्यमंत्री कार्यालय का भी काम देख रहे हैं। संजय प्रसाद मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रमुख सचिव होने के साथ-साथ प्रमुख सचिव गृह की भी जिम्मेदारी निभा रहे थे।

लगातार पेपर हो रहे लीक, निजी हाथों में छपाई से उठे सवाल

सिक्योरिटी प्रेस के प्रस्ताव पर नहीं हुआ अमल

प्रयागराज, 18 मार्च (एजेंसियां)। अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं के पेपर आउट होने के बाद निजी संस्थाओं को छपाई का काम दिए जाने को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। खास यह कि इसी तरह के एक मामले के बाद 2018 में राजकीय मुद्रणालय में पेपर छपवाने तथा सिक्योरिटी प्रेस की स्थापना का प्रस्ताव लाया गया था लेकिन, छह साल बाद भी इस पर अमल नहीं हो सका। इससे भर्ती संस्थाओं के अफसरों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

जांच में पाया गया है कि पुलिस भर्ती का पेपर अहमदाबाद से आउट हुआ है। इसी तरह से पूर्व में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की एक भर्ती का प्रश्न पत्र कोलकाता स्थित प्रेस से लीक होने की बात सामने आई थी। इसके बाद ही तत्कालीन उद्योग मंत्री सतीश महाना ने भर्ती परीक्षाओं के सभी पेपर राजकीय मुद्रणालय से छपवाने और सिक्योरिटी प्रेस की स्थापन का प्रस्ताव कैबिनेट में रखा था। कैबिनेट ने इसे मंजूरी भी दे दी थी। इसके बाद प्रयागराज के अलावा लखनऊ स्थित राजकीय मुद्रणालय परिसर का निरीक्षण किया गया था। साथ ही सिक्योरिटी प्रेस के लिए बजट भी स्वीकृत हो गया लेकिन इसके बाद कोराना काल का दौर शुरू हो गया और सबकुछ ठप हो गया। अब पुलिस भर्ती तथा आरओ-एआरओ भर्ती परीक्षाओं के पेपर आउट के मामले के बाद राजकीय मुद्रणालय से प्रश्न पत्र छपवाने की मांग फिर शुरू हो गई है। राजकीय मुद्रणालय के एक वरिष्ठ अफसर का कहना है कि करीब 15 साल पहले तक लोक सेवा आयोग के पेपर भी मुद्रणालय में छपते थे। तब तक इस तरह की कोई शिकायत नहीं आई थी। प्रिंटिंग एंड स्टेशनरी मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के महामंत्री ध्रुव नारायण ने भी इसकी मांग की है।

उनका कहना है कि जांच के बाद स्पष्ट हुआ है कि कई भर्ती परीक्षाओं के पेपर निजी प्रिंटिंग प्रेस से ही लीक हुए हैं। राजकीय मुद्रणालय से पेपर छपते तो ऐसा नहीं होता। ध्रुव का कहना है कि सिक्योरिटी प्रेस की स्थापना को लेकर संगठन की ओर से मुद्रणालय के निदेशक अभिषेक प्रकाश से कई बार वार्ता की गई लेकिन बात आगे नहीं बढ़ पाई। वहीं अभिषेक प्रकाश का कहना है कि सिक्योरिटी प्रेस का प्रस्ताव है लेकिन उसके स्टेटस के बारे में अभी नहीं बताया जा सकता। भर्ती परीक्षाओं के पेपर के अलावा सरकार की ओर से कई गोपनीय दस्तावेज भी निजी प्रेस में छपवाए जाते हैं। इससे इनकी गोपनीयता को लेकर सवाल बना रहता है। हालांकि मुद्रणालय के अफसरों का कहना है कि जल्द ही इस तरह की शिकायतों से राहत की उम्मीद है। अफसरों का कहना है कि सब कुछ योजना की मुताबिक रहा तो लखनऊ में सिक्योरिटी प्रेस की स्थापना एक साल में हो जाएगी। मुद्रणालय के उपनिदेशक श्याम नारायण गुप्ता का कहना है कि जमीन चिह्नित करने के साथ पैसा भी मिल गया है। उनका कहना है कि प्रयागराज स्थित मुद्रणालय परिसर में भी सिक्योरिटी प्रेस के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसके लिए फिर से प्रयास किए जाएंगे।

सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने सीएम योगी से की मुलाकात

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को अपने बेटे के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इसकी जानकारी उन्होंने एक्स पर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके लखनऊ स्थित आवास पर भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी से लोकसभा चुनाव की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही पंचायती राज और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के कार्यों की चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन : 'सर शादी के दिन भी पेपर देने आई हूं

ससुराल में रिजल्ट देखूंगी; प्लीज पास कर देना'

फिरोजाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में यूपी बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं की कॉपी में कई तरह के मैसेज चर्चा का विषय बन रहे हैं। इसी कड़ी में एक कॉपी में लिखी गईं बातें सुर्खियां बटोर रही है। छात्रा ने लिखा कि सर... मैं शादी के दिन भी पेपर देने आईं हूं। इसलिए पेपर की तैयारी नहीं कर सकी। ससुराल में रिजल्ट देखूंगी। प्लीज मुझे पास कर देना...।

यह वाक्य एमजी कॉलेज में मूल्यांकन को आई हाईस्कूल गणित की उत्तरपुस्तिका में अंकित थे। जबकि, उत्तरपुस्तिका में तीन से चार प्रश्न हल थे। पास होने के लिए छात्र-छात्राओं ने उत्तरपुस्तिकाओं में तरह-तरह की बातें लिखीं हैं। सख्ती होने की वजह से परीक्षार्थी नकल नहीं कर सके तो गुरुजी को भावुक करने वाली लाइनें लिख रहे हैं। दूसरे दिन 350 परीक्षक उत्तर पुस्तिकाएं जांचने नहीं पहुंचे। एमजी कॉलेज में हाईस्कूल की 10635 उत्तरपुस्तिकाएं जांची गईं। पाली इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की 12713 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन हुआ। छोटेलाल इंटर कॉलेज मे इंटरमीडिएट की 11771 और बीडीएम इंटर कॉलेज में 13446 उत्तरपुस्तिकाएं बांटी गईं। इन केंद्रों पर नियुक्त 350 परीक्षक उत्तर पुस्तिकाएं जांचने नहीं पहुंचे। मूल्यांकन कक्षों में सीसीटीवी कैमरे संचालित रहे। मूल्यांकन शुरू हो जाने के साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक निशा अस्थाना ने मूल्यांकन केंद्रों पर जाकर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन शिक्षकों की ड्यूटी लगी है वह हर हाल में केंद्रों पर पहुंचकर योगदान करें। अन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मूल्यांकन केंद्र के उपनियंत्रक राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि परिचय पत्र वाले शिक्षकों को ही केंद्र के अंदर प्रवेश मिलेगा। परीक्षकों को नियमानुसार उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के निर्देश दिए गए हैं। गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर उप नियंत्रक पर कार्रवाई की जाएगी। केंद्र में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश निषेध है। प्रतिदिन हाईस्कूल के परीक्षक को अधिकतम 50 उत्तर पुस्तिकाएं और इंटरमीडिएट के परीक्षक को अधिकतम 45 उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के निर्देश बोर्ड की ओर से दिए गए हैं। मूल्यांकन का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 19 मार्च, 2024 5

युविचार

मौन रहना एक साधना है और सोच समझ कर बोलना एक कला है।

लोकसभा चुनाव के दौरान 60,000 से अधिक पुलिसकर्मी

145 सीएपीएफ कंपनियां तैनात सीईओ विकास राज

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव के दौरान तेलंगाना में 60,000 से अधिक पुलिस कर्मियों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 145 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने सोमवार को मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि तेलंगाना में 3.30 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 85 वर्ष से अधिक आयु के 1.94 लाख से अधिक मतदाता शामिल हैं, और पिछले साल नवंबर में विधानसभा चुनाव के बाद लगभग 12.50 लाख नये मतदाता बनाये गये जबकि 8.58 लाख नाम हटा दिये गये।

उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर लगभग 1.80 लाख कर्मचारियों की आवश्यकता है और 40,000 बूथ स्तर के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के अलावा 25,000 से अधिक लोगों को अन्य कर्तव्यों के लिए तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए 57,000 बैलेट यूनिट, 44,500 कंट्रोल यूनिट, 48,000 वीवीपीएटी मशीनों की आवश्यकता है और सभी के लिए एफएलसी (प्रथम स्तर की जांच) की गई थी। सीईओ ने कहा, राज्य के नागरिकों और मतदाताओं से अपील है कि वे वैध दस्तावेजों के बिना 50,000 रुपये से अधिक नकदी या 50,000 रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुएं न ले जाएं।

यदि उन्हें आवश्यक कारणों से इसे ले जाने की आवश्यकता है, तो उन्हें इसके लिए कागजात ले जाना चाहिए। राज ने कहा कि 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं और विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए घर पर मतदान की सुविधा उपलब्ध है। सीईओ ने कहा कि खर्च की निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी होगा और जिलों में खुफिया समितियां बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर चौबीसों घंटे एकीकृत जांच चौकियां सीसीटीवी कैमरों के साथ काम करेंगी।

दानम नागेंद्र को अयोग्य ठहराया जाए : बीआरएस

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायकों ने खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र के खिलाफ सभापति से शिकायत की, जो बीआरएस की ओर से जीते थे और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गये। बीआरएस ने उन्हें अयोग्य घोषित करने की मांग की है।

हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने कहा कि जब उन्होंने उनकी उम्मीदवारी रद्द करने के लिए कहा तो स्पीकर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने याद दिलाया कि जब सीएम रेवंत रेड्डी विपक्ष के नेता थे, तो ऐसी स्थिति बनने पर उन्हे अयोग्य ठहराने की मांग करते थे। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि जिन विधायकों ने दल बदल लिया है, उनकी अयोग्यता पर फैसला तीन महीने के भीतर लिया जाना चाहिए।ज्ञात हो कि बीआरएस के विधायक दानम नागेंद्र हाल ही में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं। हाल ही में इस मामले पर करीमनगर बीआरएस सांसद उम्मीदवार विनोद कुमार ने प्रतिक्रिया दी।

जनता की सेवा के लिए बीआरएस में शामिल होकर आरएसपी ने केसीआर की सराहना की

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीएसपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आर एस प्रवीण कुमार ने आज स्पष्ट किया कि वह सार्वजनिक सेवा के लिए बीआरएस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बीआरएस पार्टी प्रमुख के.चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में घोषणा की कि वह बीआरएस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। सोमवार को तेलंगाना भवन में जयशंकर सर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, प्रवीण कुमार ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि मुझे तेलंगाना आंदोलन के नेता और बीआरएस पार्टी के संस्थापक केसीआर के तहत काम करने का मौका मिला है। तेलंगाना भवन में मेरे गर्मजोशी से स्वागत और स्वागत के लिए बीआरएस नेतृत्व को हार्दिक धन्यवाद। उन प्रियजनों के लिए भी धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और अंत तक मेरे साथ यात्रा करते रहे। उन्होंने कहा कि तेलंगानावाद और बहुजनवाद एक ही हैं। जिस तरह प्राणहिता और गोदावरी नदियाँ मिलती हैं और जिस तरह कृष्णा और तुंगभद्रा नदियाँ मिलती हैं। इसी प्रकार, तेलंगानावाद और बहुलवाद एक ही हैं। केसीआर ने पीढ़ियों से दबे तेलंगाना को आजाद कराया है. बहुजनों पर भी अत्याचार हुआ,'' उन्होंने कहा। आरएसपी ने कहा कि यह बहुलवाद ही था जिसने उन्हें मुक्त किया और प्रकाश की ओर ले गया। यह कहते हुए कि केसीआर अब सत्ता में नहीं हैं, उन्होंने कहा कि वह लोगों के दिलों में हैं। केसीआर के नेतृत्व में, तेलंगाना ने पिछले दस वर्षों में एक स्वर्ण युग देखा है। तेलंगाना के विकास के लिए एक बड़ी नींव रखी गई है। केसीआर सत्ता में नहीं हैं, लेकिन वह लोगों के दिलों में हैं। बहुत सारे लोग बहुत बातें कर रहे हैं। वे बीआरएस छोड़ रहे हैं. बहुलवाद का अर्थ स्वार्थ नहीं था। बहुजन स्वार्थ के लिए नहीं आते हैं।सभी बहुजनों ने केसीआर का अनुसरण करने का निर्णय लिया है। आरएसपी ने कहा, हमने तेलंगाना के पुनर्निर्माण में भागीदार बनने का फैसला किया है।

गायिका मंगली सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बची

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध तेलुगु गायक मंगली रविवार तड़के एक बड़ी सड़क दुर्घटना में बच गए। मंगली जिस कार में यात्रा कर रही थी, उसमें एक डीसीएम ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसके साथ यात्रा कर रहे दो लोगों को मामूली चोटें आईं। शमशाबाद पुलिस के मुताबिक, हादसा रविवार आधी रात को हैदराबाद-बैंगलोर राष्ट्रीय राजमार्ग पर थोंडुपल्ली पुल पर हुआ। मंगली ने शनिवार को रंगारेड्डी जिले के नंदीगामा मंडल में कान्हा शांति वनम में विश्व आध्यात्मिक महोत्सव में भाग लिया। उसी दिन आधी रात के बाद मेघराज, मनोहर के साथ अपनी कार में वापस चला गई। वे हैदराबाद-बैंगलोर राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से घर के लिए रवाना हुई। शमशाबाद मंडल के थोंडुपल्ली पुल पर पहुंचने पर कर्नाटक की ओर से एक डीसीएम पीछे से तेजी से आई और कार में टक्कर मार दी। घटना में कार सवार तीन लोगों को मामूली चोटें आईं। कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की विस्तृत जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

किसानों के लिए कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार ने वैज्ञानिकों द्वारा दी गई सलाह को सुनने और वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली के माध्यम से उनकी समस्याओं को हल करने के लिए 110 स्थानों में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली स्थापित की है। 19 मार्च रैतू नेस्टम कार्यक्रम इस सप्ताह सुबह 10 बजे शुरू होगा। डॉ. बी श्रीनिवास जगित्याल किसानों को धान की वर्तमान पद्धतियों पर अपने सुझाव देंगे। इस कार्यक्रम में डॉ. के. कविता किसानों की शंकाओं का उत्तर देंगे और कृषि विभाग के निदेशक डॉ. बी गोपी रैतू नेस्थम में भाग लेंगे। कार्यक्रम, इसलिए किसानों को अपने संबंधित किसान मंचों से इस अवसर का उपयोग करना चाहिए।

दिल्ली शराब घोटाला : आप नेताओं संग के. कविता ने रची थी साजिश

लाभ पाने के लिए दिए थे 100 करोड़ रुपये, ईडी का दावा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया है कि बीआरएस नेता के कविता और कुछ अन्य लोगों ने आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये दिए। उन्होंने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में लाभ पाने के लिए सीएम अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत अन्य बड़े नेताओं के साथ मिलकर यह साजिश रची। तेलंगाना पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की की बेटी व एमएलसी के के कविता (46) को ईडी ने पिछले हफ्ते उनके घर से गिरफ्तार किया था। के कविता 23 मार्च तक ईडी की हिरासत में रहेंगी।

ईडी ने दावा किया है कि के कविता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर दिल्ली शराब घोटाला में लाभ पाने के लिए अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर साजिश रची। इन अहसानों के बदले के कविता ने आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये भी दिए। ईडी ने कहा कि के कविता और उनके सहयोगियों ने आप को पहले ही भुगतान कर दिया। ईडी ने पिछले सप्ताह कविता की मांग की रिमांड करते हुए पीएमएलए अदालत को बताया था कि के कविता दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की मुख्य साजिशकर्ता और लाभार्थी में से एक थी। बता दें कि के कविता ने पहले कहा था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार ईडी का इस्तेमाल कर रही है, क्योंकि भाजपा तेलंगाना में पिछले दरवाजे से प्रवेश नहीं कर सकती है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने के लिए ईडी और सीबीआई को अपने गुंडों के रूप में इस्तेमाल कर रही है। मामले में ईडी ने कहा कि उसने 2022 में मामला दर्ज होने के बाद से देश भर में 245 स्थानों पर तलाशी ली है। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया, आप नेता संजय सिंह और कुछ शराब सहित 15 लोगों को गिरफ्तार किया है।

ईडी ने कहा कि उसने इस मामले में अब तक कुल छह आरोप पत्र दाखिल किए हैं और 128 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। ईडी और सीबीआई ने आरोप लगाया है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने की दिल्ली सरकार की उत्पाद शुल्क नीति ने गुटबंदी की अनुमति दी और कुछ डीलरों का पक्ष लिया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी। वहीं, आप ने इस आरोप का जोरदार खंडन किया। बाद में इस नीति को रद्द कर दिया गया और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसके निर्माण और कार्यान्वयन में अनियमितताओं की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की सिफारिश की। बाद में ईडी ने पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया।

तेलंगाना में शुरू हुई एसएससी परीक्षा

निर्मल, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस एसएससी परीक्षा 2024 सोमवार से शुरू हुई । 2 अप्रैल तक चलने वाली इस परिक्षा में 5 लाख से अधिक छात्र बैठे हैं।

परीक्षाएं सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। हालाँकि, 26 और 27 मार्च को होने वाली भौतिकी और जीव विज्ञान की परीक्षा सुबह 9.30 से 11 बजे तक आयोजित की जाएगी।

लगभग 5,08, 385 छात्र यह परिक्षा दे रहे हैं जिसमें से 2,50, 433 छात्राएं है। राज्य में 2676 केंद्रों पर हो रही इस परिक्षा के लिए परिक्षार्थियों को निर्धारित समय से 30 मिनट पहले उपस्थित रहेने के लिए सूचित किया गया है।

सरकारी परीक्षा निदेशालय (डीजीई) के अधिकारियों ने कहा है कि परीक्षा केंद्रों के अधिकारियों को छात्रों को पांच मिनट की छूट अवधि के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश करने की अनुमति देने के लिए सूचित किया गया था।

बोर्ड अधिकारियों ने परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। पिछले साल वारंगल के एक परीक्षा केंद्र में हुई हिंदी प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं से बचने के लिए सख्त सुरक्षा उपायों का पालन किया जा रहा है। यहां तक कि उड़नदस्तों को भी परीक्षा केंद्र में प्रवेश करते समय अपने मोबाइल डिवाइस और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बाहर छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने सोमवार को शहर के रामनगर आश्रम बालिका उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। परीक्षा केन्द्र में सीसी कैमरे की कार्यप्रणाली का निरीक्षण करने के बाद जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्र पर जाकर परीक्षा की सुचिता का निरीक्षण किया।

परीक्षा केंद्र में पीने का पानी और आपातकालीन दवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि छात्रों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। परीक्षा केंद्र के सामने सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने, सभी को जांच के बाद ही अंदर जाने देने और सेल फोन, स्मार्ट घड़ियां और अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को अनुमति नहीं देने का निर्देश दिये। कलेक्टर ने सुझाव दिया कि परीक्षाएं शांतिपूर्वक एवं सुचारू रूप से बिना किसी अनियमितता के संपन्न कराई जाएं। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी रविंदर रेड्डी, नगर आयुक्त राजू, अधिकारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

कमीशन की लालच में फर्जी कंपनियों को भारी जीएसटी रिफंड - सरकारी खजाने को 60 करोड़ रुपये का नुकसान

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में जीएसटी रिफंड की आड़ में कुछ लोगों ने सरकारी खजाने से भारी रकम की लूट की है। जिन अधिकारियों को कर वसूल करना था वे ही भक्षक बन गये। मैदानी स्तर पर कमीशन की जांच किए बिना जीएसटी अपात्रों को रिफंड दे दिया गया। कानून में ढील का सहारा लेकर करोड़ों रुपये की उगाही के मामले सामने आ रहे हैं। पिछली सरकार के जुलाई 2022 से नवंबर 2023 के कार्यकाल के दौरान रिफंड अनियमितताओं के कुछ मामले सामने आये हैं।

राज्य में ई-बाइक निर्माण और टैल्कम पाउडर उत्पादन कंपनियों के नाम पर कुछ अवैध लोगों ने भारी मात्रा में सरकारी धन को हड़प लिया है। यहां तक कि संबंधित कुछ अधिकारियों ने भी ऐसे लोगों से हाथ मिला लिया और कमीशन के लिए उनकी इच्छा के अनुसार रिफंड दिया। जबकि राज्य में 14 डिवीजन हैं, सबसे अधिक रिफंड हैदराबाद के मादापुर डिवीजन में प्राप्त हुए। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक तीन से चार मामलों में करीब 60 करोड़ रुपये सरकारी धन अवैध लोगों की जेब में गया है।

सूत्रों के मुताबिक, बिक्री को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार इ बाइक्स पर सिर्फ 5 फीसदी जीएसटी लगा रही है। इससे कई अवैध लोगों ने फर्जी कंपनियां स्थापित की हैं। इनके निर्माण के लिए जीएसटी लाइसेंस लिया गया था। लेकिन इन लाइसेंसों को जारी करने से पहले अधिकारियों को फील्ड स्तर पर निरीक्षण करना चाहिए था। ऐसा किए बिना ही लाइसेंस दे दिए गए। उसके बाद अधिकारियों ने यह जानने की कोशिश भी नहीं की कि कंपनी कारोबार कर रही है या नहीं।

अवैध रूप से इन बाइक पार्ट्स को बाहर से लाया गया है और उन्हें चालान बनाकर आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया गया है कि उन्होंने उनके मूल्य पर 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान किया है। इसके बाद दिखाया गया कि ई- बाइकों को असेंबल कर बेच दिया गया। बिल ऐसे बनाए गए जैसे ये बाइकें उनकी कीमत पर 5 प्रतिशत जीएसटी के साथ बेची गई हों।

केंद्र ने ई- बाइक्स के मूल्य पर प्राप्त 5% नकद को छोड़कर, स्पेयर पार्ट्स के मूल्य पर भुगतान किया गया 18% जीएसटी लेने के लिए जीएसटी अधिनियम में लचीलापन दिया है, और शेष 13% नकद रिफंड के तहत सरकारी खजाने से लिया जाएगा। मुनाफाखोरों ने इसका भरपूर फायदा उठाया है।

केंद्र ने रिफंड के लिए आवेदन करने वाले डीलरों की गहन जांच के लिए व्यापक दिशानिर्देश दिए हैं। इसी प्रकार वाणिज्यिक कर विभाग ने भी दिशा-निर्देश जारी किये हैं। दोनों पर पूरी तरह से विचार करने और यह सुनिश्चित करने के बाद ही रिफंड दिया जाना चाहिए कि आवेदक द्वारा बताए गए विवरण सही हैं। लेकिन यहां 1 करोड़ रुपये का रिफंड देने पर 40 लाख से 50 लाख रुपये तक का कमीशन लिए जाने के आरोप हैं। जो डीलर वास्तव में व्यापार करते हैं वे इतना कमीशन देने के लिए आगे नहीं आते हैं। लेकिन चूंकि मामला यहां बिना रुपये निवेश किए कागज पर फर्जी कंपनियां बनाने और सरकारी धन लूटने का है, इसलिए अधिकारियों ने जितना मांगा उतना कमीशन दिया और अधिक मंजूरी ले ली।

नवंबर 2022 से अगस्त 2023 तक मादापुर सर्कल के एक अधिकारी को एक फर्जी डीलर को 14 करोड़ रुपये से अधिक का रिफंड दिया गया। इसी तरह, एक अन्य अधिकारी ने अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक एक अन्य फर्जी डीलर को लगभग 26 करोड़ रुपये का रिफंड दिया और एक अन्य अधिकारी ने पिछले साल नवंबर 2022 से अगस्त तक एक अन्य फर्जी डीलर को लगभग 19 करोड़ रुपये का रिफंड दिया। इन तीनों अधिकारियों ने मिलकर करीब 60 करोड़ रुपये की सरकारी रकम को चूना लगाया है।

लेकिन इसमें एक और पेंच है,यहां से एक अधिकारी का तबादला नलगोंडा डिवीजन में कर दिया गया। उन्होंने यह दिखाकर रिफंड दिया कि डीलर का पता उनके अधिकार क्षेत्र में बदल गया है, साथ ही उन्हें यह भी डर था कि उनका भ्रष्ट हिस्सा उजागर हो जाएगा और उनके कारण मिलने वाला कमीशन किसी और के पास चला जाएगा। हालाँकि, जब एक अधिकारी की करतूत सार्वजनिक हो गई, तो अधिकारी ने एक डीलर को नोटिस देकर तलब किया। डीलर ने 65 लाख रुपये का भुगतान किया और अपनी संपत्ति बेचकर शेष राशि का भुगतान करने के लिए कुछ समय मांगा, लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया और रिमांड पर भेज दिया गया।

डीलर जमानत पर बाहर आया और इस भ्रष्टाचार की शिकायत उच्च अधिकारियों से की। उन्होंने कहा कि झूठे बिल जारी करने और रिफंड लेने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उनकी बात सुने बिना ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। झूठे बिल जारी करने और रिफंड देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

वर्तमान वाणिज्यिक कर आयुक्त टी.के. श्रीदेवी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा की है और इन फर्जी कंपनियों को दिए गए रिफंड पर कार्रवाई की है। ऐसा लगता है कि पहले ही एक-दो को नोटिस दे चुके कमिश्नर ने वरिष्ठ अधिकारियों को गहन अध्ययन करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

एआईसीबी ने 48 बुजुर्ग नेत्रहीन व्यक्तियों को पेंशन प्रदान किया

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड (एआईसीबी), दिल्ली 1980 से नेत्रहीन समुदाय के लिए काम करने वाले नेत्रहीन व्यक्तियों का एक संगठन है। यह विभिन्न राज्य स्तरीय संघों/संगठनों से बना है, जो जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। देशभर में इसके 25 सहयोगी हैं। कई राज्यों में अपनी समुदाय आधारित पुनर्वास परियोजनाओं के हिस्से के रूप में, एआईसीबी बुजुर्ग नेत्रहीन व्यक्तियों को पेंशन के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। इस वित्तीय वर्ष में, चेन्नई, मुंबई, दिल्ली और तेलंगाना में लगभग 48 बुजुर्ग नेत्रहीन व्यक्तियों को पेंशन प्रदान की गई है। तेलंगाना राज्य में 10 बुजुर्ग नेत्रहीन व्यक्तियों को पेंशन प्रदान की गई और प्रत्येक को 12,000 रुपये की पेंशन राशि 18 मार्च को उनके संबंधित बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई है। पिछले साल भी हैदराबाद में आयोजित एक समारोह में एआईसीबी के संस्थापक और महासचिव पद्मश्री जवाहर लाल कौल द्वारा व्यक्तिगत रूप से इन बुजुर्ग नेत्रहीन व्यक्तियों को पेंशन चेक सौंपे गए थे। वे हैं: एम. भरत राज, जी. नागेंदर, पोलम वेंकटेश्वरलु, जनापल्ली राममोहन, जी प्रभु, जे. अशोक कुमार, वहीदा बेगम, जैकब पदीशाला, एस राजैया और मइयाला रघु रामुलु है। पूरे समुदाय ने तेलुगु भाषी राज्य में लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करके और हैदराबाद में अपने पंजीकृत कार्यालय के माध्यम से सहायता प्रदान करके दृष्टिहीन समुदाय की मदद करने के लिए एआईसीबी और इसके संस्थापक और महासचिव पद्म श्री जवाहर लाल कौलजी का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया।

मल्लारेड्डी विश्वविद्यालय में छात्रों का विरोध प्रदर्शन; कांग्रेस ने दिया समर्थन

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मल्लारेड्डी कृषि विश्वविद्यालय में आज तनावपूर्ण माहौल रहा। कुछ दिन पहले यूनिवर्सिटी ने कम उपस्थिति और तय सीमा से अधिक उपस्थिति वाले विषय में फेल होने वाले 60 छात्रों को हिरासत में लिया था। इसके चलते छात्रों ने यूनिवर्सिटी के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इसकी जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता मयनामपल्ली हनमंथा राव वहां पहुंचे और छात्रों को अपना समर्थन दिया। छात्रों ने नारेबाजी की और पूर्व मंत्री व बीआरएस पार्टी विधायक मल्ला रेड्डी का पुतला फूंका। इससे तनावपूर्ण माहौल बन गया। पुलिस वहां पहुंची और छात्रों को समझाने की कोशिश की।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.STCVSKP-7EI-Alt-OT112, दिनांक : 07.03.2024

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में जेयपुर, मानाबार, करकवलसा, जरति, पाडुआ, बोड़वारा एवं सुकु स्टेशन में उपयोगिता स्थानांतरण (समपार फाटक, केबल, लोकेशन बॉक्स एवं स्टेशन सेक्शन में नयी लाइन को बाधा पहुंचाने वाले अन्य सिग्नलिंग एवं टेलीकम्युनिकेशन गियर) के साथ KK लाइन में कोत्तवलसा (KTV)-किरन्डुल (KRDL) सेक्शन के बीच दोहरीकरण से संबंधित सुकु (SXV) स्टेशन में मेसर्स Kyosan इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पाडुआ (PFU) एवं बोड़वारा (BDVR) स्टेशन में मेसर्स Siemens रेल ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड, मानाबार (MVF) एवं जरती (JRT) स्टेशन में मेसर्स Medha Servo Drives प्राइवेट लिमिटेड (केन्द्रीकृत), जेयपुर (JYP) एवं करकवलसा (KVLS) स्टेशन में मेसर्स Medha Servo Drives प्राइवेट लिमिटेड की प्रचलित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (डिस्ट्रीब्यूटेड) में परिवर्तन की आपूर्ति, संस्थापन, डिजाइन एवं शुरुआत।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 10,95,21,889.25, EMD/बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 6,97,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 08.04.2024 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उल्लिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं निविदा दस्तावेज के पैरा 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

डिप्टी चीफ सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर (निर्माण), कोरापुट

PR-130/CG/23-24

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 19 मार्च- 2024

चुनाव के सात चरणों पर आपत्ति क्यों?

चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की घोषणा क्या की कि विपक्षी दल फिर उस पर राशन पानी लेकर निशाना साधने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। विपक्षी दलों को अब लोकसभा चुनाव के सात चरणों से भी दिक़्क़त हो रही है। कह रहे हैं- इतने फेज में चुनाव करवाने का मतलब है कि सत्तापक्ष को जीतने का मौका देना है। अब तक तो चार-पाँच चरणों में ही चुनाव होते रहे हैं। जबकि वे यह भूल जाते हैं कि पिछला लोकसभा चुनाव ही छह चरणों में हुआ था। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि ज़्यादा लम्बा चुनाव होने से बड़ी पार्टियों को फ़ायदा होता है। बड़ी पार्टी से उनका मतलब है, ज़्यादा चंदा पाने वाली और धनवान पार्टी। देखा जाए तो तृणमूल कांग्रेस की बात तर्कसंगत नहीं लगती। आख़िर आप कहना क्या चाहते हैं? चुनाव के लम्बा खिंचने से केवल बड़ी या पैसे वाली पार्टियों का भला होता है, इसका लॉजिक क्या है? जहां तक चंदा की बात है तो जो इलेक्ट्रोरल बांड उजागर हुआ है उसके अनुसार उनके खाते में भी बडा चंदा गया है। इसलिए उनके पास भी चंदे की कमी नहीं है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है तो उसके नेता राहुल गांधी ने मुंबई में अपनी न्याय यात्रा का समापन कर दिया है। इस न्याय यात्रा को वो क्यों कर रहे थे, कैसे कर रहे थे? प्रयोजन क्या था, इस देश के लोग तो अभी तक नहीं जान पाए। कांग्रेसी नेता जो उनके आस पास मंडराते रहते हैं, उन्हें ज़रूर मालूम होगा। उनकी न्याय यात्रा का खर्च भी कम तो नहीं होगा। देखने में तो यह भी आया कि राहुल गांधी के इर्द-गिर्द रहने वाले ज्यादातर नेता राज्यसभा के सांसद ही हैं। लोकसभा चुनाव के ज़रिए चुनाव लडने वाले नेताओं का कांग्रेस में कितना बड़ा टोटा है, यह तो खुद कांग्रेसी भी जानते व समझते हैं। इस बीच कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है कि चुनाव को लम्बा इसलिए खींचा गया है ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ज़्यादा से ज़्यादा दिन तक चुनाव प्रचार कर सकें। खरगे जी पढ़े-लिखे नेता हैं, इसके बाद भी ये बात उनकी समझ में क्यों नहीं आती कि चुनाव लम्बा खिंचने से केवल प्रधानमंत्री को ही ज़्यादा दिन तक प्रचार का मौक़ा नहीं मिलेगा बल्कि सभी दलों के बड़े नेताओं को ज़्यादा समय तक प्रचार का मौका मिलेगा। इसका लाभ कांग्रेस के बडे नेता से लेकर स्वयं खरगे व राहुल गांधी भी ले सकते हैं। कांग्रेस की लचर और ढीली- ढाली कार्यशैली को देखते हुए यह अनुमान लगाना कठिन है कि प्रियंका गांधी इस बार भी चुनाव लडेंगी या सिर्फ मंच तक ही सीमित रहेंगी। उन्हें किसी सीट से लड़ना है अभी तक यह भी तय नहीं हो सका है। ऊपर से पहली बार सोनिया गांधी ने भी लोकसभा की राह छोड़कर राज्यसभा की गली पकड़ ली है! मध्यप्रदेश के क़द्दावर कांग्रेसी नेता एवं लगातार दस साल तक सीएम रह चुके दिग्विजय सिंह पहले ही लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर चुके हैं। स्वयं कांग्रेस के आलाकमान कहे जाने वाले खरगे साहब भी खुद चुनाव लड़ने की बजाय अपने दामाद को टिकट दिलाने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। जहां तक कमलनाथ का मामला है, वे भाजपा में जाने की चर्चाओं के चलते पहले ही अपनी इज़्ज़त पर बट्टा लगना चुके हैं। उनके बेटे नकुलनाथ को कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के छिन्दवाड़ा से टिकट तो दे दिया है लेकिन अब तक यह तय नहीं है कि चुनाव बाद वे कितने दिन तक कांग्रेस में रह पाएँगे! उन पर तो अब कार्यकर्तातक भरोसा नहीं जता पा रहे हैं कि वे कितने दिन कांग्रेस में रहेंगे या जाएंगे। कुल मिला कर पूरे देश में कांग्रेस की हालत खस्ता नज़र आ रही है, जबकि दूसरी ओर भाजपा का परचम चारों दिशाओं में लहराते दिखने लगा है। यहां तक कि दक्षिण भारत के राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु तक में लहराते दिखने लगा है।

अनुकूलता के खतरों से सचेत रहे भाजपा

राकेश सैन

एक कहानी है, देवराज इन्द्र के गजराज अक्सर गन्ने खाने के लिए पृथ्वीलोक पर एक खेत में आते थे। उस खेत का मालिक बहुत परेशान था, क्योंकि फसल का नुक्सान तो होता परन्तु उसे चोर के कहीं पदचिन्ह नहीं मिलते। एक रात गुस्साया किसान चोर को पकडने के लिए खेत में छिप कर बैठ गया. जब गजराज धरती पर उतरे तो किसान ने उस एरावत की पूंछ पकड़ ली। गजराज घबरा गए और जान बचाने के लिए तुरन्त इन्द्रलोक की ओर उड़ लिए और उसके साथ -साथ किसान भी पूंछ पकड़े उड़ चला। गजराज को चिन्ता हो गई कि जीवित व्यक्ति स्वर्गलोक पहुंचा तो सारी मर्यादा भंग हो जाएगी, तो उसने अपनी पूंछ मुक्त करवाने के लिए खूब मेहनत की। गजरात उड़ते-उड़ते कभी उल्टा-पुल्टा हुए तो कभी शरीर को झटकाया लेकिन ज्यों-ज्यों झटके लगें किसान की पकड़ त्यों-त्यों मजबूत होती जाए। अब गजराज ने युक्ति से काम लिया और रणनीति बदली। उसने किसान से बातचीत करनी शुरू कर दी। एरावत ने पूछ लिया कि तुम इतने मीठे गन्ने उगाते कैसे हो? अपनी बड़ाई सुन फूल कर कुप्पा हुए किसान ने सारी तकनीक बता दी। बातचीत करते-करते दोनों में मित्रता हो गई। मौका देख कर एरावत ने कहा, आज तक जितने गन्ने मैने तुम्हारे खेत के खाए हैं चलो मैं महाराज इन्द्रदेव से बोल कर उतना सोना तुम्हे पुरस्कार में दिलवा देता हूं। सोने का नाम सुनते ही किसान इतना खुश हुआ कि ताली बजाने लगा, उसने जैसे ही ताली बजाने के लिए हाथ खोले तो धड़ाम से धरती पर आ गिरा और गजराज महोदय स्वर्गलोक को प्रस्थान कर गए। जो किसान हाथी के साथ संघर्ष के समय विकट परिस्थितियों में भी उसकी पूंछ पकड़े रहा, वह अनुकूल परिस्थिति होते ही धड़ाम से धरती पर आ गिरा। प्रतिकूल परिस्थितियों के खतरे तो सर्वज्ञात हैं परन्तु कहानी बताती है कि अनुकूल हालात भी खतरे से खाली नहीं होते, प्रतिकूल हालातों में इंसान संघर्ष करता है परन्तु माहौल बदलते ही अक्सर असावधान हो जाता है और यही चूक कर जाता है। देश में आज लोकसभा चुनावों का शंखनाद हो चुका है। आज परिस्थितियां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठजोड़ के पक्ष में बताई जा रही हैं। वर्तमान में द्रुत गति से हो रहा विकास, कुलांचे भरती अर्थव्यवस्था, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को लक्ष्य बना अग्रसर हो रहा भारत व विदेशी कूटनीतिक मोर्चों पर देश को मिलती सफलता या बात करें सांस्कृतिक उत्थान और साम्प्रदायिक सौहार्द की, तो थोड़ी बहुत नुक्ताचीनी के बाद कमोबेश हर विरोधी भी मान रहा है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल अच्छा रहा है।

इन परिस्थितियों से ही तो उत्साहित हो कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार चार सौ पार का उत्साही नारा दिया है, सत्ताधारियों की दृष्टि से हर कहीं बम-बम है, बस यहीं से शुरू हो सकता है अनुकूल परिस्थिति के खतरे पैदा होने का क्रम। अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था, अर्थव्यवस्था व विकास तब भी मृगझुण्डों के साथ चुंगियां भरने की स्पर्धा कर रहे थे परन्तु पार्टी की दृष्टि से परिणाम निराशाजनक रहे। छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्षा सोनिया गान्धी ने राजग को ऐसी पटकनी दी कि अगले दस साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में रही।

चुनावी चंदा एक राजरोग-निदान के उपाय

राज सक्सेना

सभी जागरूक नागरिक जानते हैं कि सभी राजनैतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं। अब फर्क इतना आया है कि पहले सीधे कैश लेते थे, अब बॉन्ड ले रहे हैं। वस्तुतः देश में चुनाव हो ही इतने खर्चीले गए हैं कि चुनाव जीतने के लिए पैसा पानी की तरह बहाना पड़ता है। जो कांग्रेस आज खुद को इस सम्बन्ध में गंगाजल बता रही है, अतीत में उसने ही चुनावों को इतना खर्चीला बनाने का खेल शुरू किया था।

कम से कम अब चुपचाप सूटकेस तो नहीं आ रहे, बॉन्ड आ रहे हैं। अब बताना कांग्रेस और तृणमूल को भी वह सब पड़ेगा जो वह सरकार से पूछ रही है। जब इस बेशुमार चुनावी खर्च को सीमित करने के लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' की बात आती है तो हमारा विपक्ष विरोध करने लगता है। जब पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वन नेशन वन इलेक्शन संबंधी कमेटी की रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी तो जयराम रमेश और अन्य विपक्षी नेता विरोध में उतर आये। चुनावी चंदा हो या इलेक्टोरल बॉन्ड, दोनों का एक ही इलाज है, कम से कम खर्चीले चुनाव। इसका रास्ता भी एक ही है। वह है वन नेशन वन इलेक्शन। अच्छा है की इसकी शुरुआत हो चुकी है। यही सरकार यदि एक बार फिर लौटी तो नेहरू काल तक चला 'एक देश एक चुनाव' वाला युग फिर लौटकर आ सकता है। कहा जा रहा है कि चुनावी चंदा देने वाली टॉप 10 कंपनियां काफी विवादित रही हैं। इस बीच चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड का पूरा डेटा अपनी वेबसाइट पर जारी कर दिया है। इसमें ब्यौरेवार बता दिया गया है कि किन किन दलों को कितना कितना चंदा मिला है।

सूची के अनुसार इन पांच सालों में भाजपा को 6060 करोड़ चंदा मिला है। यह अन्य सभी दलों से अधिक है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस नहीं अपितु तृणमूल कांग्रेस है। तृणमूल कांग्रेस को 1609 करोड़, कांग्रेस को 1421 करोड़ और बीआरएस को 1214 कर का चंदा मिला है।

इनके अलावा बीजू जनता दल, डीएमके, वाईएसआर कांग्रेस, तेलगुदेशम पार्टी, शिवसेना तथा राजद वे अन्य दल हैं जिन्हें इलेक्टोरल बॉन्ड से भरपूर चंदा मिला है। दिल्ली स्थित थिंक टैंक, एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) के अनुसार वर्ष 2004-05 से 2014-15 के दौरान राजनैतिक दलों को अज्ञात स्रोतों से 7,833 करोड़ प्राप्त हुए थे जो कि उनकी कुल आय का 69 प्रतिशत था।

कांग्रेस और भाजपा को इस तरह के अज्ञात स्रोतों से अधिकतम आय हुई थी। ध्यान रहे यह वही एडीआर है जिसके केस करने पर सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड की जानकारी उपलब्ध कराने का आदेश दिया था। एडीआर प्रमुख अनिल वर्मा ने एक प्रेसकांफ्रेंस में बताया कि हमने कोर्ट में याचिका दाखिल की तो इस विषय को प्रमुखता को रखा। इस मामले में चुनाव आयोग और आरबीआई का भी यही मानना था। एडीआर के याचिका दाखिल करने के बाद लेफ्ट पार्टियों और कांग्रेस ने भी कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। एडीआर ने कोर्ट के फैसले और उसके समय को लेकर दिए निर्देशों की भी तारीफ़ की है। केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 से इस योजना को लागू किया था। इस योजना के तहत भारत का कोई भी नागरिक स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के ब्रांच से बांड खरीद सकता था। इसके साथ ही कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से भी चुनावी बॉण्ड खरीद सकता था। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत ऐसे राजनीतिक दल चुनावी बॉण्ड के पात्र हैं।

शर्त बस यही है कि उन्हें लोकसभा या विधानसभा के पिछले चुनाव में कम से कम एक प्रतिशत वोट मिले हों। चुनावी बॉण्ड को किसी पात्र राजनीतिक दल द्वारा केवल अधिकृत बैंक के खाते के माध्यम से भुनाया जाएगा।

एसबीआई इन बॉन्ड को निर्धारित सममूल्य पर बेचता था। दानकर्ता दान की राशि पर 100% आयकर की छूट पाता था। इसके साथ ही इस नियम में राजनीतिक दलों को इस बात की अनुमति दी गई थी कि वे दानकर्ता के नाम और पहचान को गुप्त रख सकते हैं। इसके साथ ही जिस भी दल को यह बॉन्ड मिले होते हैं, उसे एक तय समय के अंदर कैश कराना होता था।

एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार इन 11 वर्षों के दौरान कांग्रेस की कुल आय का 83 प्रतिशत हिस्सा 3,323 करोड़ रुपये अज्ञात स्रोतों से था जबकि भाजपा की कुल आय का 65 प्रतिशत हिस्सा 2,126 करोड़ रुपये अज्ञात स्रोतों से था। समाजवादी पार्टी की कुल आय का 766 करोड़ रुपये का 94 फीसदी और शिरोमणि अकाली दल का 88 करोड़ रुपये यानी 86 फीसदी अज्ञात स्रोतों से प्राप्त हुआ था। यह आंकड़े इसलिए आवश्यक है जिससे पता चल सके कि चुनावी बॉन्ड के पूर्व राजनैतिक दलों की फंडिंग कैसे होती थी और उस फंडिंग में अज्ञात सोर्स की क्या स्थिति थी।

क्या यह संभव है कि इतनी भारी रकम गरीब लोगो से दस रूपये के चंदे से मिली होगी? यह धन राजनैतिक दलों को कॉर्पोरेट जगत से ही मिलता था लेकिन मेज के नीचे या पिछले दरवाजे से?। प्रश्न यह है कि इस समस्या से निपटने का क्या उपाय है? क्या कड़े कानून बनाकर? कौन करवाएगा उन कानूनों का पालन? पुलिस, आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय या फिर मीडिया? क्या पहले तीन विभाग सरकार के अन्तर्गत नहीं आते? सरकार कौन बनाता है? राजनैतिक दल।

मीडिया किसकी जेब में है? कॉर्पोरेट हाउस की? क्यों नहीं उन कॉर्पोरेट घराने को कानूनी तौर पर राजनैतिक दलों को धन देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए तथा राजनैतिक दलों को मिलने वाले बेनामी धन की सीमा को कम किया जाए। संसद में एक बिल के द्वारा मोदी सरकार ने असीमित दानों को केवल डिजिटल और चेक मार्ग के माध्यम से ही अनुमति दी है जिसका अर्थ यह है कि 2000 रुपये से ऊपर का चंदा केवल पार्टी के खातों में स्थानांतरित किया जा सकता है। यद्यपि कॉर्पोरेट घराने चंदे दिए जाने वाले राजनैतिक दलों का नाम गुप्त रख सकते है, फिर भी उन्हें इस धन को अपनी बैलेंस शीट या अकाउंट बुक में दिखाना होगा तथा उस चंदे के लिए कॉर्पोरेट बोर्ड से स्वीकृति लेनी होगी। इस कदम का उद्देश्य राजनीतिक व्यवस्था को अज्ञात स्रोतों से मिलने वाले बेहिसाब धन को रोकने के लिए है।

यही चंदे की व्यवस्था विकसित देशो में व्याप्त है। कई कम्पनियाँ राजनैतिक दलों को दिए जाने वाले धन को सार्वजनिक नहीं करना चाहती है क्योकि उन्हें भय है कि विरोधी दल के समर्थक उनके उत्पाद का बायकाट ना कर दें। भारत में ही कई फिल्मो एवं कंपनियों के उत्पाद का बायकाट कई राजनैतिक कारणों से किया गया था। तथाकथित किसानो ने रिलायंस एवं जिओ का बहिष्कार किया था, उनकी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया था। जरा सोचिये, क्या आपको नहीं लगता? कि अगर अडानी या अंबानी का नाम चुनावी बॉन्ड की लिस्ट में होता तो राहुल की क्या प्रतिक्रिया होती जबकि स्वयं राहुल पार्टी एवं इंडी अलायन्स के दलों ने इन्हीं बॉन्ड से चंदा लिया है? पूरा विवाद केवल इसलिए उत्पन्न किया गया था क्योकि उन्हें अडानी, अंबानी के चुनावी बॉन्ड मिले नहीं थे और उन्हें पूर्ण विश्वास था कि अडानी अंबानी ने भाजपा के लिए चुनावी बॉन्ड खरीदे हैं ।

धर्मनिरपेक्षता की व्यापक संवैधानिक मीमांसा

संजीव ठाकुर

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है। जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित है। धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है1 पर भारत में धर्मनिरपेक्षता संविधान की लकीरों तक सीमित होकर रह गया है1 मणिपुर और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में धर्म विशेष के आपसी झगड़ों के कारण धर्मनिरपेक्षता की आत्मा को गहरी चोट लगी है और धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक अस्तित्व में प्रश्नचिन्ह लगने लगा है। धर्मनिरपेक्षता एक व्यापक अवधारणा है इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है।इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है।

भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना भी है1 पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए है1 धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है 1 भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है1 प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है।

भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है1 भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें। भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है1 धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता है1 भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है1 हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें1 आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था1 स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं।

और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती है1 भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का है1 भारत में अल्पसंख्यक भी इसी देश के निवासी हैं और इनको विश्वास दिलाने तथा इनकी रक्षा करने का मार्ग प्रशस्त धर्मनिरपेक्षता के अस्त्र के रूप में किया गया है1 भारत देश निरंतर विकास के सोपान की तरफ अग्रसर है और एक वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में प्रशस्त भी है।इन परिस्थितियों में विश्व के समक्ष धर्मनिरपेक्ष था की एकता का आदर्श स्थापित करने की परम आवश्यकता है1 भारतीय संविधान की प्रस्तावना के 42 वें संशोधन 1976 के अंतर्गत पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा गया है, जिसका मतलब राज्य सभी मतों को समान रूप से रक्षा करेगा एवं स्वयं भी किसी मत को राज्य के धर्म के रूप में नहीं अपनाएगा।

भारत का संविधान हमें विश्वास दिलाता है कि उसके साथ धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा1 भारत का संविधान पूर्ण रूप से भारतीय जनमानस की व्यक्तिगत, जातिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए ही निर्मित किया गया है1 न्यायपालिका तथा कार्यपालिका इस हेतु संपूर्ण रुप से प्रतिबद्ध भी हैं। किंतु भारतीय संदर्भ में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राजनीतिक दलों पर लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ पर राजनीति के लिए मुद्दों को चुनावी हथियार बनाते हैं जिसका शिकार आम जनता को होना पड़ता है । इसके कारण समाज का माहौल बिगड़ जाता है1 यह संपूर्ण रूप से एक चिंता का विषय है । भारत में स्वतंत्रता के बाद से लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत बड़े ही मजबूत रहे हैं और इसकी स्वस्थ परंपरा भी भारत देश में रही है। इसे हमेशा मजबूत एवं शाश्वत बनाने की आवश्यकता वर्तमान में प्रतीत होती है।

क्या आगामी लोकसभा चुनाव में होगी गारंटी - गारंटी की लड़ाई ?

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। राजनीतिक दल इस चुनाव में कई मुद्दों और 'गारंटी' के सहारे जनता के बीच आक्रामक चुनाव अभियान चलाने की तैयारी में हैं। ऐसे में उन प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं जिन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान उठाए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका स्पष्ट संकेत दिया है कि इस चुनाव में उनके प्रचार अभियान का मुख्य विषय 'मोदी की गारंटी' रहने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी के अनुसार 'मोदी की गारंटी' युवाओं के विकास, महिलाओं के सशक्तिकरण, किसानों के कल्याण और उन सभी हाशिए पर पड़े और कमजोर लोगों के लिए एक गारंटी है जिन्हें दशकों से नजरअंदाज किया गया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के राज्य चुनावों में कुछ हद तक फायदा होता दिखा जब उसने लोगों को 'गारंटी' दी। अब लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी ने युवाओं, किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और आदिवासी समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करने के साथ-साथ 'भागीदार न्याय' के उद्देश्य से अपनी 5 'न्याय गारंटी' की बात की है। मणिपुर से मुंबई तक राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान लोगों के सामने 'न्याय की गारंटी' पेश की गई है। कांग्रेस का घोषणापत्र इन गारंटी के इर्द-गिर्द तैयार किए जाने की संभावना है और पार्टी अपना अभियान इन्हीं गारंटी के इर्द-गिर्द तैयार करेगी।

कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन में शामिल विपक्षी पार्टियां बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठाती रही हैं। उन्होंने बार-बार कहा है कि नौकरियों की कमी सबसे बड़ा मुद्दा है और इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की गई। वहीं पेट्रोल-डीजल के दाम हो या फिर रोजमर्रा का सामान, इनकी कीमतों को लेकर भी मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर रही है हालांकि भाजपा ने रोजगार वृद्धि और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का हवाला देते हुए पलटवार भी किया है। चुनावी मौसम में बेरोजगारी और महंगाई भी बड़े मुद्दे हैं। अनुच्छेद ३७० , सीएए और समान नागरिक संहिता भाजपा के लोगों के बीच किए गए वादों में से हैं। भाजपा ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के कार्यान्वयन और जम्मू-कश्मीर के लिए अनुच्छेद 370 को निरस्त करके अपने वादे पूरे कर दिए हैं, वहीं सीएए को भी लागू कर दिया गया है। इन्हें पार्टी ने समय समय पर मुद्दा बनाया है और इस चुनाव में भाजपा इन मुद्दों को भुनाने में जुटी है। उत्तराखंड में समान नागरिक संहित लागू हो चुका है। अन्य राज्यों पर बातचीत जारी है।

22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह को भाजपा ने जबरदस्त उत्साह के साथ मनाया। समारोह का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतीकवाद किसी से भी छिपा नहीं था। भाजपा नेताओं ने सदियों पुराने सपने को साकार करने का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया है। इस अवसर पर हिंदी भाषी क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में भगवा झंडे फहराए गए, इसका प्रभाव हर किसी पर महसूस किया जा सकता है। यहां तक कि विपक्षी नेता भी मानते हैं कि राम मंदिर से भाजपा को उत्तर भारत में फायदा हुआ है। विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा को कम से कम 370 सीटें मिलने का ज्यादातर भरोसा इसी 'राम मंदिर लहर' से उपजा है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एसबीआई द्वारा उपलब्ध कराए जाने पर चुनाव आयोग ने चुनावी बॉन्ड पर डेटा सार्वजनिक कर दिया है। कांग्रेस ने चुनावी बॉन्ड योजना में कथित भ्रष्टाचार के लिए सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से उच्च स्तरीय जांच और उसके बैंक खातों को फ्रीज करने की मांग की है। चुनाव से ठीक पहले यह मुद्दा सामने आया है और विपक्ष ने इसे लपक लिया है लेकिन यह जमीनी स्तर पर काम करेगा या नहीं, यह अभी भी देखना बाकी है हालांकि यह निश्चित रूप से अभियान के दौरान चर्चा के बड़े विषयों में से एक होगा। चुनावी मौसम के दौरान एक बड़ा मुद्दा है अमृत काल बनाम अन्य काल। भाजपा का दावा है कि मोदी सरकार ने सुशासन, तेज गति से विकास और भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण का आश्वासन दिया है। दूसरी ओर कांग्रेस ने मोदी सरकार के 10 वर्षों को 'बेरोजगारी, बढ़ती कीमतें, संस्थानों पर कब्जा, संविधान पर हमला और बढ़ती आर्थिक असमानताओं' वाला 'अन्य काल' करार दिया है।

एक अदद बस की तलाश में

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

"भैया यह ओरुगल्लू की बस कब आएगी ?" "जब आएगी तब आएगी। आप वहाँ नए बने विश्राम गृह में जाकर बैठिए। थोड़ा राज्य सरकार का विकास कार्य भी तो देखिए। बस यूँ ही बस में बैठे फुर्र हो जायेंगे तो राज्य के विकास के बारे में कैसे पता चलेगा?""अरे भैया! आप भी कमाल करते हैं। हमें बस की पड़ी है और आप हमें जबरन विश्राम गृह दिखाने पर तुले हैं। हमें सीधे-सीधे बस के समय की जानकारी क्यों नहीं दे देते?"बस काउंटर वाला मन ही मन बड़बड़ाने लगा – "अगर मैं तुम्हें यह बता दूँ कि बस दो घंटे लेट है तो तुम मुझे इतना गरियाओगे कि हमारी हालत खराब हो जाएगी।।" दो मिनट झेंपने के बाद काउंटर वाले ने जैसे-तैसे मुझे विश्राम गृह में बैठने के लिए मना लिया। झक मारकर मैं विश्राम गृह में जाकर बैठ गया। अभी मैं बैठा ही था कि एक बंदा वहाँ आया और कहने लगा – "भैया! दो दिन से भूखा हूँ। गाँव जाने के लिए भी पैसे नहीं हैं। इस गरीब की कुछ सहायता कर दो। भगवान आपको बरकत देगा।" मुझे उस बंदे से अधिक विश्राम गृह पर गुस्सा आ रहा था। खाक विकास हुआ है। दो-चार टाइल लगाकर एक-दो रिचार्ज प्वाइंट लगाने को विकास कहते हैं? बस अड्डे में कुछ भी बदलाव नहीं आया। पहले भी भिखमंगे भीख माँगने आते थे और आज भी आते हैं। यदि इसी को विकास कहते हैं तो ऐसा विकास सरकार को ही मुबारक।

मैंने जैसे-तैसे उस बंदे को वहाँ से भगाया। घुम-फिरकर वह बंदा फिर से मेरे पास आया। इस बार मैंने उसे इतनी जोर से झिड़की दी कि वह अगली बार आने से पहले दो-चार बार अवश्य सोचेगा। बस अड्डे पर बस की प्रतीक्षा करने के बहाने लोग क्या-क्या सीख जाते हैं। संयमता, तपस्या करना, खीझ नियंत्रित करना, गुस्से का पारा अधिक होने पर झिडकी देना आदि-आदि। बस अड्डा न हुआ बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र हो गया। बैठे-बैठे प्यास लगने लगी। अड्डे से पानी की बोतल खरीदने लगा तो दुकानदार ने किनली के बदले सिनली की बोतल थमा दी। ऊपर से तय कीमत से पाँच रुपए अधिक वसूल रहा था। पूछने पर गुटके की पीक मेरे बगल से दूर थूकते हुए मेरी ओर ताकते हुए कहा – "देखिए साहब ज्यादा तीन-पाँच मत कीजिए। यहाँ का कानून ऐसा ही है। किनली में 'के' होता है सिनली में 'सी' है। इसमें ज्यादा अतंर क्या है। एक ही अक्षर का अंतर तो है।

इसके लिए सिर पर पहाड़ उठाने की क्या आवश्यकता है? पाँच रुपए की शिकायत आप जहाँ करना चाहते हैं कीजिए। यह गीदड़ भभकी आप किसी और को सुनाना।" मेरे गुस्से का पारा सातवें आसमान को छू रहा था। मैंने उसकी बोतल लौटानी चाही। लेकिन दुकानदार बड़ा ही कमीना और धूर्त किसिम का था।

400 साल से हथखोह गांव में नहीं जली होलिका माता

बुंदेलखंड के सागर जिले के हथखोह स्थित झारखंडन माता का मंदिर

होलिका दहन के साथ रंगों के पर्व की शुरुआत होती है। सारे देश में होली को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। लेकिन बुंदेलखंड के एक गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। यहां होलीका दहन के नाम पर लोग कांप जाते हैं। पिछले 400 साल से गांव में होलिका दहन नहीं किया गया है। एक बार गांव के लोगों ने जिद करके होली का दहन किया, तो पूरे गांव और खेतों में आग लग गई थी। इसके बाद कभी किसी ने होलिका दहन करने के बारे में सोचा भी नहीं है। मान्यता है कि होलिका दहन करने से गांव के बाहर बिराजी माता नाराज हो जाती हैं। ग्रामीणों को आज भी डर रहता है कि अगर होलिका दहन किया तो गांव में आग लग सकती है।

दरअसल, सागर मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित देवरी ब्लॉक में हथखोह गांव है। यहां घने जंगल के बीचो-बीच नदी किनारे झारखंडन माता का मंदिर बना हुआ है। इस अंचल के आदिवासी झारखंडन माता को बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ पूजते हैं। किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले माता का आशीर्वाद लेने जरूर पहुंचते हैं। गांव के छोटेलाल आदिवासी बताते हैं कि मेरी उम्र 60 साल से ज्यादा हो गई है। लेकिन कभी होलिका दहन होते हुए नहीं देखा है। हम लोग रंग भरी होली तो खेलते हैं लेकिन होली का दहन नहीं करते हैं।

देवी के नाराज होने से गांव और खेतों में लगी थी आग

हमारे गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि ऐसा करने से देवी कुपित हो जाती हैं। एक बार कभी गांव के कुछ लोगों ने होली का दहन किया तो अचानक तेज हवा चली, जिससे आज उड़कर फैल गई गांव के हर घर में आग लग गई ऊंची ऊंची लपटे उठने लगी, गांव से होते हुए आज खेतों तक जा पहुंची फसले भी राख होने लगी।

तब एक बार फिर लोगों को माता की याद आई और गांव के सभी लोग माता के दरवाजे पर पहुंचे। उनसे प्रार्थना की पूजा की, अब आगे से ऐसी गलती कभी नहीं होगी, इसके बाद आज शांत हो गई, उसके बाद से कभी होलिका दहन नहीं किया गया है।

माता जहां से आई वापस जा सकती हैं!

चेतू आदिवासी बताते हैं कि हमारे गांव की आबादी ढाई सौ परिवार की है, ऐसी मान्यता है कि अगर गांव में होली का दहन या गांव का हांका किया गया तो माता का रूद्र रूप देखने को मिलेगा वह नाराज हो जायेंगी और फिर कुछ भी हो सकता है या फिर माता जहां से आई है वहां वापस चली जाएगी इसलिए होलिका दहन नहीं होता।

मंदिर का विस्तार होता जा रहा

हथखोह गांव चिरचिटा ग्राम पंचायत में आता है चिरचिटा पंचायत गौरझामर और देवरी से निकले नेशनल हाईवे 44 से करीब 4 किलोमीटर अंदर जंगल में है। मंदिर तक पहुंचने के लिए डामर और सीसी रोड बना हुआ है। पहले यहां पर छोटी सी मडिया थी लेकिन माता की महिमा की वजह से लोगों के मनोरथ पूर्ण होते गए और अब इस मंदिर ने भव्य रूप ले लिया है। नवरात्रि के समय पर यहां मेला भी लगता है।

होली से पहले क्यों लगता है होलाष्टक?

होलाष्टक होलिका दहन से 8 दिन पहले से लग जाता है। इस बार होलाष्टक 17 मार्च से 24 मार्च तक लगेगा। ऐसा कहा जाता है कि इस के चलते किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। होलाष्टक के दिन से होली की तैयारी आरम्भ हो जाती है। ऐसे में होलाष्टक के चलते लोग शुभ काम नहीं करते और करने से बचते हैं।

होलाष्टक क्यों लगते है?

धार्मिक मान्यता:

एक मान्यता के अनुसार, होलाष्टक भगवान विष्णु के शयन काल का प्रतीक है। कहा जाता है कि होलाष्टक के दौरान भगवान विष्णु शेषनाग पर शयन करते हैं और इस दौरान सभी देवता कमजोर हो जाते हैं।

दूसरी मान्यता के अनुसार, होलाष्टक प्रह्लाद को हिरण्यकश्यप द्वारा दी गई यातनाओं का प्रतीक है। कहा जाता है कि हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को आठ दिनों तक लगातार यातनाएं दीं थीं।

ज्योतिषीय मान्यता:

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, होलाष्टक ग्रहों की चाल से संबंधित है। इस दौरान सूर्य कुंभ राशि में प्रवेश करता है और शनि मकर राशि में होता है। ज्योतिषियों का मानना है कि यह ग्रहों की स्थिति नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है, जिसके कारण शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं।

होलाष्टक में क्या करना चाहिए:

होलाष्टक के दौरान मांगलिक कार्य जैसे शादी, मुंडन, गृह प्रवेश आदि नहीं किए जाते हैं।

इस दौरान दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु और हनुमान जी की पूजा करना भी शुभ माना जाता है।

होलाष्टक में क्या नहीं करना चाहिए:

होलाष्टक के दौरान नया घर या दुकान खरीदना नहीं चाहिए। कोई भी नया व्यापार शुरू नहीं करना चाहिए। यात्रा करना भी मनाही होता है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये सभी मान्यताएं और परंपराएं लोकप्रिय धारणाओं पर आधारित हैं। ज्योतिष शास्त्र में भी इनके लिए कोई ठोस प्रमाण नहीं है।

- मुकेश ऋषि

वॉल पोस्टर घर में ला सकता है सकारात्मक ऊर्जा, डेकोरेशन में ध्यान रखें दिशा

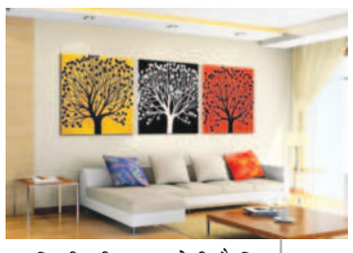

हर किसी की इच्छा होती है कि उसका घर सबसे अलग और ख़ूबसूरत दिखाई दे। इसके लिए सभी अपने घर के प्रत्येक हिस्से को सजाते हैं। कुछ लोग अपने घर की दीवारों को भी अलग-अलग तरह के वॉल डेकोर

1. लकड़ी से बने शोपीस

आजकल बहुत से लोग अपने घर की दीवारों पर लकड़ी के शोपीस लगवा रहे हैं। यह चलन काफ़ी बढ़ गया है। बाज़ारों में कई ऐसे शोपीस मौजूद हैं, जिन्हें सीधे दिवार पर टांगा जा सकता है। यदि आप भी लकड़ी के बने इन शोपीस को वॉल डेकोर की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इन्हें हमेशा पूर्व दिशा की दीवार पर ही लगाना उचित होता है।

2. वॉल पोस्टर

लोग अपने घरों में वॉल पेंटिंग या फिर वॉल पेपर का इस्तेमाल करते हैं। वैसे तो वॉल पेपर या वॉल पेंटिंग को घर की किसी भी दीवार पर लगाया जा सकता है, लेकिन आप इसे घर की उत्तर दिशा की दीवार पर लगाएं, जिसमें एक बड़ा समुद्र या नदी हो तो यह आपके घर और जीवन में पॉज़िटिविटी और धन मार्ग खोल सकता है।

3. धातु से बने आइटम

लकड़ी के अलावा आज कल घरों में धातु से बने अर्टिफैक्ट और सजावटी सामान भी दीवार पर टांगे जाते हैं। यदि आप भी धातु से बने आइटम को अपने वॉल डेकोर में शामिल कर रहे हैं, तो इसे अपने घर की पश्चिम दिशा की दिवार पर लगाएं। इस बात का ख़ास ख्याल रखें, कि इस दिशा की तरफ़ किसी भी हिंसात्मक चीज़ या हिंसक पशु के चित्र का इस्तेमाल न किया जा रहा हो।

4. फूलों के पोस्टर

यदि आप अपने वॉल डेकोर के लिए फूलों की पोस्टर या पेंटिंग का इस्तेमाल करने जा रहे हैं, तो इसे आप अपने घर की किसी भी दीवार पर आसानी से लगा सकते हैं। ध्यान रखें कि आप इसे दीवार के अंतिम सिरे पर ना लगाएं, इसके अलावा इसे दीवार के मध्य में ही लगाना उचित रहता है।

चमत्कारी फूल! होली पर पानी में डालकर नहाने से बदलेगी किस्मत

शनि की साढ़ेसाती-ढैय्या में मिलेगी राहत

कहते हैं कि पेड़-पौधों में ईश्वर का वास होता है। हिंदू धर्म में पेड़-पौधों की पूजा का विधान बहुत पुराना है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ऐसे ही कुछ पेड़-पौधे हैं जो विशेष अवसर पर इंसानों की जिंदगी में चमत्कार कर सकते हैं। ज्योतिषाचार्य का दावा है कि पलाश एक चमत्कारी फूल है, जो आपकी किस्मत बदल सकता है। मान्यता है कि इस फूल का इस्तेमाल होली पर करने से जीवन पर बड़ा प्रभाव पड़ता है।

सनातन धर्म में हर एक वृक्ष और पुष्प का अलग महत्व है। पलाश का पुष्प अपने आप में एक चमत्कारी फूल है। यह औषधीय गुणों से युक्त खूबसूरत फूल है। पलाश दो प्रकार के पाए जाते हैं एक सफेद और एक लाल। सफेद पलाश भगवान शंकर का प्रतिक है, जबकि पलाश का लाल पुष्प देवी को अति प्रिय है। इस पुष्प की मदद से नवग्रहों की शांति भी कर सकते हैं,

मात्र पलाश के पुष्प से शनि की साढ़ेसाती व ढैय्या का प्रभाव कम कर सकते हैं।

होली पर यदि कोई इंसान पलाश के पुष्प को पानी में डालकर स्नान करता है तो उसकी कुंडली में ग्रह दोषों का नाश होता है। इस पुष्प का जो व्यक्ति अपने घर में उपयोग करता है, उसे सुख, समृद्धि और आनंद की प्राप्ति होती है। जो इस पुष्प को धन की देवी मां लक्ष्मी के चरणों में अर्पित करता है, उसे धन की प्राप्ति होती है।

चिकित्सा में भी उपयोगी है ये पुष्प

यह पुष्प चिकित्सा में भी काफ़ी उपयोगी है। जो पेट के दर्द से परेशान हो, उसे इस पुष्प का सेवन करना चाहिए। साथ जिसको स्किन से संबंधित परेशानी हो, उसे इस पुष्प का पेस्ट बनाकर उपयोग में लाना चाहिए।

शुक्रवार को नहीं तोड़ना चाहिए पलाश

इस पुष्प का एक नियम है। इसे शुक्रवार को नहीं तोडना चाहिए। गुरुवार को इस पुष्प (सफ़ेद पलाश) को तोड़कर शुक्रवार माता लक्ष्मी को चढ़ा सकते हैं। एकादशी को जो भक्त इस पुष्प से भगवान श्री कृष्ण को होली खिलता है, उसे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यह फूल आकर्षण का केंद्र माना गया है। इससे हर एक प्रकार की बीमारियों और समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

परमात्मा के पहले पदचिह्न दिखाई पड़े थे

मुझसे लोग आकर पूछते हैं कि यहां आश्रम में इतना संगीत, इतना नृत्य—ऐसा तो हम किसी आश्रम में नहीं देखते।

वे आश्रम ही न होंगे। जहां संगीत न हो, जहां नृत्य न हो, जहां गीत न उठ रहे हों, जहां प्रेम की सुवास न उठ रही हो, वे आश्रम ही न होंगे—मरघट होंगे। लेकिन इस देश में मरघट ही आश्रम बन गए हैं। और मरे-मराए लोग वहां इकट्ठे हो गए हैं। हरि-नाम जपते रहना! अमरीका के एक विश्वविद्यालय में एक सर्वे किया गया कि ऐसे कितने लोग हैं जिनके जीवन में कोई ऐसा एकाध भी अनुभव हुआ हो जिससे उन्हें परमात्मा का प्रमाण मिलता है। हजारों लोगों से पूछताछ की गई। सकुचाते, क्योंकि यह बात ऐसी हो गई है आज की दुनिया में। आज की दुनिया में तुम किसी से कहो कि मुझे परमात्मा का अनुभव हुआ है, तो लोग समझेंगे तुम पागल हो गए। होश की बातें करो! किसको बुद्धू बना रहे हो? आज तो तुम्हें अगर अनुभव भी हो जाए कुछ, तो तुम कह न पाओगे, अपनी पत्नी से भी कहते डरोगे। और आज ही ऐसा नहीं है कुछ, पहले भी ऐसा था। मोहम्मद को जब पहली दफा परमात्मा का अनुभव हुआ, तो वे घर भागे आए—बुखार चढ़ गया उनको, हाथ-पैर कंपने लगे, पसीना-पसीना! थर्मामीटर तो था नहीं उन दिनों, लेकिन एक सौ दस डिग्री से कम नहीं रहा होगा। अनुभव ऐसा था! एकदम पत्नी से कहा कि जितनी दुलाइयां घर में हैं, सब मेरे ऊपर डाल दे, मैं कंप रहा हूं।

पत्नी ने पूछा, अचानक हुआ क्या? घर से तो ठीक-ठाक गए थे। उन्होंने कहा, अभी तू पूछ मत! या तो मैं कवि हो गया हूं या पागल हो गया हूं।

दो बातें कहीं, कि या तो मैं कवि हो गया हूं या पागल हो गया हूं। जो दोनों बराबर, एक ही मतलब रखती हैं; पर्यायवाची। जब दोत्तीन घंटे के बाद थोड़ी सी राहत मिली, पत्नी ने पूछा, कुछ कहो तो, बात क्या है? तुम आंखें फाड़े-फाड़े देखते हो! तुम कुछ नये-नये मालूम पड़ते हो! तो मोहम्मद ने कहा, मैं तुझसे कहता हूं, किसी और को मत कहना...वह पहली मुसलमान थी, मोहम्मद की पत्नी। वह मोहम्मद से उम्र में बड़ी थी। मोहम्मद छब्बीस साल के थे, वह चालीस साल की थी। अनुभवी भी थी। मोहम्मद को उसने सम्हाला। वह घड़ी सम्हालने की थी। एक नया जन्म हुआ था। मोहम्मद द्विज हो गए। उसने मां का काम किया। मोहम्मद ने कहा, तुझसे मैं कहता हूं, क्योंकि मैं सोचता हूं तू हंसेगी नहीं, तू समझ सकेगी।

कुछ हुआ। मैंने आवाज सुनी। अपने ही भीतर से आती और फिर भी बाहर से आती!...कुरान की पहली आयत उतरी थी। परमात्मा के पहले पदचिह्न दिखाई पड़े थे।... मोहम्मद ने कहा, मैं मानता नहीं कि यह सच हो सकता है। मैंने सपना देखा हो, मैं किसी विभ्रम में पड़ गया हूं, या मुझे बुखार चढ़ा है, सन्निपात है, कुछ भी हो सकता है। लेकिन पत्नी ने कहा, मैं तुम्हें देख रही हूं, तुम्हारे चेहरे पर ऐसी आभा है, ऐसा तेज जैसा मैंने कभी नहीं देखा; तुम्हारी आंखों में ऐसी गहराई है जैसी मैंने कभी नहीं देखी; और तुम्हारे पास ऐसी सुगंध है जैसी मैंने कभी नहीं पाई; तुम एक नई ही लयबद्धता में बंधे हो।**(क्रमशः)**

इंद्र ने अमृत बरसाकर वानर-भालुओं को जिला दिया

हे सुजान देवराज! इन सबको जिला दो। काकभुशुण्डिजी कहते हैं- हे गरुड़! सुनिए प्रभु के ये वचन अत्यंत गहन (गूढ़) हैं। ज्ञानी मुनि ही इन्हें जान सकते हैं। प्रभु श्रीरामजी त्रिलोकी को मारकर जिला सकते हैं। यहां तो उन्होंने केवल इंद्र को बड़ाई दी है। इंद्र ने अमृत बरसाकर वानर-भालुओं को जिला दिया। सब हर्षित होकर उठे और प्रभु के पास आए। अमृत की वर्षा दोनों ही दलों पर हुई। पर रीछ-वानर ही जीवित हुए, राक्षस नहीं। क्योंकि राक्षस के मन तो मरते समय रामाकार हो गए थे। अतः वे मुक्त हो गए, उनके भवबंधन छूट गए। किंतु वानर और भालू तो सब देवांश (भगवान की लीला के परिकर) थे। इसलिए वे सब श्रीरघुनाथजी की इच्छा से जीवित हो गए।

श्रीरामचंद्रजी के समान दीनों का हित करने वाला कौन है? जिन्होंने सारे राक्षसों को मुक्त कर दिया! दुष्ट, पापों के घर और कामी रावण ने भी वह गति पाई जिसे श्रेष्ठ मुनि भी नहीं पाते। फूलों की वर्षा करके सब देवता सुंदर विमानों पर चढ़-चढ़कर चले। तब सुअवसर जानकार सुजान शिवजी प्रभु श्रीरामचंद्रजी के पास आए- और परम प्रेम से दोनों हाथ जोड़कर, कमल के समान नेत्रों में जल भरकर, पुलकित शरीर और गद्गद् वाणी से त्रिपुरारी शिवजी विनती करने लगे - हे रघुकुल के स्वामी!

सुंदर हाथों में श्रेष्ठ धनुष और सुंदर बाण धारण किए हुए आप मेरी रक्षा कीजिए। आप महामोहरूपी मेघसमूह के (उड़ाने के) लिए प्रचंड पवन हैं, संशयरूपी वन के (भस्म करने के) लिए अग्नि हैं और देवताओं को आनंद देने वाले हैं। आप निर्गुण, सगुण, दिव्य गुणों के धाम और परम सुंदर हैं। भ्रमरूपी अंधकार के (नाश के) लिए प्रबल प्रतापी सूर्य हैं। काम, क्रोध और मदरूपी हाथियों के (वध के) लिए सिंह के समान आप इस सेवक के मनरूपी वन में निरंतर वास कीजिए। विषयकामनाओं के समूह रूपी कमलवन के (नाश के) लिए आप प्रबल पाला हैं, आप उदार और मन से परे हैं। भवसागर (को मथने) के लिए आप मंदराचल पर्वत हैं। आप हमारे परम भय को दूर कीजिए और हमें दुस्तर संसार सागर से पार कीजिए। हे श्यामसुंदर-शरीर! हे कमलनयन! हे दीनबंधु! हे शरणागत को दुःख से छुड़ाने वाले! हे राजा रामचंद्रजी!

आप छोटे भाई लक्ष्मण और जानकीजी सहित निरंतर मेरे हृदय के अंदर निवास कीजिए। आप मुनियों को आनंद देने वाले, पृथ्वीमंडल के भूषण, तुलसीदास के प्रभु और भय का नाश करने वाले हैं।

हे नाथ! जब अयोध्यापुरी में आपका राजतिलक होगा, तब हे कृपासागर! मैं आपकी उदार लीला देखने आऊंगा। जब शिवजी विनती करके चले गए, तब विभीषणजी प्रभु के पास आए और चरणों में सिर नवाकर कोमल वाणी से बोले- हे शार्ङ धनुष के धारण करने वाले प्रभो! मेरी विनती सुनिए- आपने कुल और सेना सहित रावण का वध किया, त्रिभुवन में अपना पवित्र यश फैलाया और मुझ दीन, पापी, बुद्धिहीन और जातिहीन पर बहुत प्रकार से कृपा की। अब हे प्रभु!

इस दास के घर को पवित्र कीजिए और वहां चलकर स्नान कीजिए, जिससे युद्ध की थकावट दूर हो जाए। हे कृपालु! खजाना, महल और सम्पत्ति का निरीक्षण कर प्रसन्नतापूर्वक वानरों को दीजिए। हे नाथ! मुझे सब प्रकार से अपना लीजिए और फिर हे प्रभो! मुझे साथ लेकर अयोध्यापुरी को पधारिए। विभीषणजी के कोमल वचन सुनते ही दीनदयालु प्रभु के दोनों विशाल नेत्रों में (प्रेमाश्रुओं का) जल भर आया। श्री रामजी ने कहा- हे भाई! सुनो, तुम्हारा खजाना और घर सब मेरा ही है, यह सच बात है। पर भरत की दशा याद करके मुझे एक-एक पल कल्प के समान बीत रहा है। तपस्वी के वेष में कृश (दुबले) शरीर से निरंतर मेरा नाम जप कर रहे हैं। हे सखा! वही उपाय करो जिससे मैं जल्दी से जल्दी उन्हें देख सकूं। मैं तुमसे निहोरा (अनुरोध) करता हूं।**(जारी)**

होली के दिन करें ये उपाय

होलिका दहन के समय अपने घर की नज़र उतार कर और शरीर से उबटन लगाकर निकालें, उसके बाद उसे होलिका में जलाने से नकारात्मकता दूर होती है। घर, दुकान, कार्यालय की नज़र उतार कर होलिका में दहन करने से लाभ प्राप्त होता है।

यदि आप कर्ज़ या किसी अज्ञात भय से पीड़ित हैं, तो होलिका दहन के दिन नरसिंह स्तोत्र का पाठ करना आपके लिए लाभदायक होगा।

यदि आपको नौकरी में लगातार बाधाएं आ रहीं हैं, तो होलिका दहन की रात्रि जलती हुई होलिका में नारियल का दहन करें। ऐसा करने से नौकरी में आ रही बाधाएं जल्द दूर हो जाएंगी।

यदि आप लंबे समय से ही किसी बीमारी से पीड़ित हैं। तो होलिका दहन के बाद बची हुई राख को मरीज़ के सोने वाले स्थान पर छिड़क दें, ऐसा करने से ही जल्द लाभ प्राप्त होगा।

किसी कार्य में सफलता की प्राप्ति के लिए होली दहन वाले स्थल पर होलिका में नारियल पानी और सुपाड़ी भेंट करें।

यदि आप अनावश्यक खर्चों से परेशान हो गए हैं। तो होलिका दहन के दूसरे दिन होलिका की राख लेकर, उसे लाल रंग के रुमाल में बांध दें और इसे अपने घर के धन स्थान पर रख दें। ऐसा करने से अनावश्यक खर्चे रुक जाएंगें।

होलिका दहन के दिन, गोमती चक्र लेकर शिवलिंग पर चढ़ाने से ही व्यापार में लाभ प्राप्त होता है।

होलिका दहन की रात 12 बजे मध्यरात्रि में किसी पीपल के वृक्ष के नीचे घी का दीपक जलाएं, और इसकी सात बार परिक्रमा करें। ऐसा करने से जीवन में आ रही बाधाएं दूर हो जाएंगी।

निखिल सिद्धार्थ ने किया 'कार्तिकेय 3' का एलान दर्शकों को मिलेगा रोमांच का फुल डोज

टॉलीवुड अभिनेता निखिल सिद्धार्थ की फिल्म कार्तिकेय 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया था। साउथ के साथ इस फिल्म ने हिंदी पट्टी में भी अच्छा बिजनेस किया था। इस फ्रेंचाइजी को पसंद करने वाले फैंस को लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल, अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर इस एक्शन थ्रिलर फिल्म के तीसरे भाग की घोषणा कर दी है। अभिनेता ने इस बात को कंफर्म किया है कि निर्देशक चंदू मोंडेती फिल्म के तीसरे भाग की पटकथा पर काम कर रहे हैं। फिल्म को लेकर अपडेट देते हुए निखिल ने एक्स पर लिखा, डॉ. कार्तिकेय जल्द ही एक बिल्कुल नए साहसिक कार्य की तलाश में...। इस पोस्ट में उन्होंने फिल्म के निर्देशक को भी टैग किया है।

अभिनेता की इस पोस्ट के बाद फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं। उनके बयान से लोग अनुमान लगा रहे हैं कि आगामी फिल्म में उन्हें जबर्दस्त सिनेमाई अनुभव प्राप्त होगा। सोशल मीडिया पर फैंस तरह तरह के कमेंट कर अपनी खुशी व्यक्त कर रहे हैं।

उम्मीद जताई जा रही है कि इस फिल्म का स्केल पिछली दो फिल्मों से अधिक होगा। फिलहाल इस फिल्म के कथानक और कलाकारों के बारे में कोई भी अपडेट सामने नहीं आया है, फिर भी लोग इस फिल्म का उत्सुकता के साथ इंतजार कर रहे हैं।

निखिल सिद्धार्थ को आखिरी बार 2023 की एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'स्पाई' में देखा गया था, जिसे गैरी बीएच ने निर्देशित किया था। वहीं, उनकी फिल्म कार्तिकेय 2 की बात करें तो कम बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ दिए थे। घरेलू टिकट खिड़की पर फिल्म ने 86.75 करोड़ का कारोबार किया था। फिल्म ने केवल हिंदी भाषा में ही 31.35 करोड़ रुपये बटोर डाले थे।

अजय देवगन की फिल्म 'फूल और कांटे' की फेमस एक्ट्रेस का 32 सालों में नहीं बदला लुक

अजय देवगन की फिल्म 'फूल और कांटे' तो याद होगी। इससे एक्टर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था और पहली ही फिल्म से हिट हो गए थे। उनके साथ इसमें एक्ट्रेस मधू थीं। उन्होंने भी इसके जरिए काफी लाइमलाइट चुराई थी। इसके बाद उन्होंने राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रोजा' 1992 में बवाल मचाया था। इसमें उन्हें काफी पसंद किया गया था। फिर कुछ समय के बाद वो पर्दे से दूर हो गईं। ऐसे में अब मधू एक बार फिर से चर्चा में हैं वो भी अपने लुक को लेकर। 54 साल की उम्र में वो गजब ढा रही हैं।

दरअसल, मधू का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें उन्हें इवेंट में रैंप के पास खड़े होकर पोज देते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में देख सकते हैं कि पीछे से कुछ लोग रैंप की सफाई कर रहे हैं। एक्ट्रेस के इस वीडियो के सामने आने के बाद लोग इस पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और खूब रिएक्शन दे रहे हैं। अगर लोगों की प्रतिक्रिया की बात की जाए तो इस पर एक ने लिखा, 'OMG अभी तक वैसे ही दिख रही हैं।' दूसरे ने लिखा, 'ये पीछे सफाई चल रही है और मैडम पोज देने में लगी हुई हैं।' तीसरे ने लिखा, 'ये अभी भी 90s के जैसी ही हैं।' इसके साथ ही एक अन्य ने लिखा, 'क्या है वो वही हैं, शाम है धुआं-धुआं की एक्ट्रेस।' इसी तरह से लोग इस पर खूब रिएक्शन दे रहे हैं।

अब अगर वीडियो में 90 के दशक की एक्ट्रेस के लुक की बात की जाए तो उन्होंने इसमें चमकीली पेंट और ब्लैक कलर का टॉप कैरी किया है। इसमें उनका लुक देखते ही बन रहा है। उन्होंने लाइट मेकअप, सिर पर चश्मे को लगाए और बंधे बालों के साथ लुक को कंप्लीट किया है।

हिंदी से साउथ में किया काम, अभी भी हैं एक्टिव

आपको बता दें कि फिल्म 'रोजा' और 'फूल और कांटे' से हिट होने वाली एक्ट्रेस मधू ने केवल हिंदी में बल्कि साउथ में भी काम किया है। वो अब आज एक बार फिर से पर्दे पर एक्टिव हो गई हैं। उन्हें आखिरी बार 2023 में तमिल मूवी 'Sweet Kaaram Coffee' में देखा गया था। इसमें उन्होंने कावेरी का रोल प्ले किया था।

"बुरे वक्त में श्री देवी मेरे साथ चट्टान की तरह खड़ी रही" : बोनी कपूर

फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने कई हिट फिल्में दी हैं। इसके साथ ही उनकी कई फिल्में फ्लॉप भी रही हैं। बीते दिनों बोनी ने अपने करियर के उतार-चढ़ाव से लेकर अपनी दिवंगत पत्नी श्री देवी के बारे में बात की। अपने बुरे दिनों को याद करते हुए बोनी कपूर ने कहा- 'मुझे पता था कि मैंने गलती की है तो मुझे खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा। मैं उन दिनों बेहद तनावग्रस्त था, लेकिन मुझे यकीन था कि एक न एक दिन मैं इन हालात से बाहर निकल जाऊंगा। आखिर असफलता से कौन नहीं गुजरता है।'

बोनी ने आगे कहा- 'जब मैंने खुद पर भरोसा करना छोड़ दिया था तब श्री ने मुझ पर विश्वास दिखाया था। वे एक चट्टान की तरह मेरे साथ खड़ी थीं। उन्हें पता था कि मैंने गलत काम में पैसे नहीं खर्च किए थे। मुझे उनके भरोसे से हौसला मिलता रहा और मैं उस कठिन दौर से बाहर निकल ही आया। मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मुझे एक ऐसा परिवार मिला जिसने बुरे वक्त में मेरा साथ दिया।'

गुस्से में राखी सावंत ने आदिल को दी गालियां, बोलीं- कितना इस्तेमाल करेगा मेरा

राखी सावंत और आदिल खान एक बार फिर खबरों में आ गए हैं. दरअसल, आदिल ने बिग बॉस 12 फेम सोमी खान संग शादी कर ली है. इसके बाद से आदिल और सोमी लगातार अपनी लवी-डवी फोटोज और वीडियो शेयर कर रहे हैं. साथ ही आदिल ने कई इंटरव्यू दिए जिसमें उन्होंने राखी के दुबई में होने के पीछे के कारण के बारे में बताया. आदिल ने राखी पर आरोप लगाए. अब राखी ने इन खबरों पर रिएक्ट किया है. राखी का एक वीडियो खबरों में हैं, जिसमें वो आदिल को गालियां देती नजर आ रही हैं.

इसके अलावा राखी सावंत ने वीडियो शेयर करते हुए गुस्से में कहा- 'पहली पत्नी को तलाक दिए बिना, तुमने दूसरी शादी कर ली. तू मीडिया में जाकर गंदगी फैला रहा है. तुझे क्या लगा तू फेमस है. तू राखी सावंत को और कितना इस्तेमाल करेगा. जा तुझे मैंने रोजी-रोटी दे दी. तू मेरे नाम से खबरों में हैं. आ रही हूं मैं हिंदुस्तान बहुत जल्द. इंतजार कर.'

आदिल खान ने क्या कहा था?

आदिल ने बॉलीवुड बबल में कहा था- 'बहुत सारी FIR की है मैंने राखी के खिलाफ. वो दुबई में क्यों हैं? क्योंकि उसके ऊपर जो हमने केस किए हैं, उसकी वजह से उसको बेल नहीं मिल रही है. वो 4-5 महीने से भाग रही है. इसी वजह से वो दुबई में है. अगर वो इंडिया आई तो, दो घंटे के अंदर जेल में होगी.'बता दें कि आदिल और राखी लंबे समय से विवादों में हैं. पहले राखी और आदिल ने सीक्रेट मैरिज करके चौंका दिया था, फिर कुछ दिन बाद दोनों के बीच लड़ाई-झगड़े की खबरें आने लगीं. राखी और आदिल अलग हो गए और उन्होंने एक-दूसरे पर संगीन आरोप लगाए. राखी ने आदिल पर संगीन आरोप लगाए थे और आदिल को जेल भिजवाया था. अब जब राखी को आदिल और सोमी की शादी का पता चला था तो उन्होंने कहा था कि कोई सोमी को बचाओ.

मरते-मरते बचीं "देवों के देव महादेव" फेम आर्या वोरा

स्ट्रैपलेस ब्लैक गाउन पहन -22 डिग्री तापमान में कर रही थी शूट

'देवों के देव महादेव' फेम एक्ट्रेस आर्या वोरा अपने ब्वॉयफ्रेंड रंजीत के साथ शादी के बंधन में बंध चुकी है। शादी से ज्यादा एक्ट्रेस का प्री वेडिंग शूट सुर्खियां बटोर रहा है। हाल ही में आर्या वोरा ने इंस्टाग्राम पर स्पीति वैली में अपने प्री-वेडिंग शूट का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि बहुत ज्यादा ठंड होने के कारण आर्या बेहोश होने की कगार पर आ जाती हैं। लेकिन फिर भी हिम्मत न हारते हुए वह स्ट्रैपलेस ब्लैक गाउन पहनकर कम तापमान में शूटिंग जारी रखती हैं। इसके साथ ही आर्या ने खुलासा किया कि वह हाइपोथर्मिया से मरते-मरते बची थीं।

बहुत रिस्क लेते हुए शूटिंग पूरी की गई थी। उन्हें अपना ड्रीम शॉट चाहिए था, जिसके लिए वह करीब एक साल से प्लानिंग कर रही थीं। आर्या के इस वीडियो को देख यूजर्स ने उनकी तारीफ की, तो कुछ ने उन्हें खरी खोटी भी सुनाई।

'सैम बहादुर' और एनिमल' के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर विक्की ने तोड़ी चुप्पी

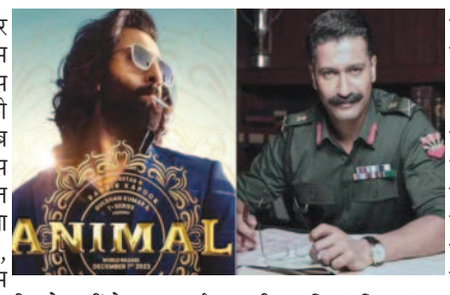

मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित फिल्म 'सैम बहादुर' बॉक्स ऑफिस सफल रही है। विक्की से जब फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो 'सैम बहादुर' ने हमारी उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। हमारी फिल्म जनवरी तक सिनेमाहॉल में टिकी हुई थी। साल 2023 में आई फिल्म 'सैम बहादुर' विक्की कौशल की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। दर्शकों को इस फिल्म में विक्की का किरदार काफी पसंद आया था। 'सैम बहादुर' भारत के पहले फील्ड मार्शल 'सैम मानेकशॉ' के जीवन पर आधारित फिल्म थी। विक्की की यह फिल्म जिस दिन रिलीज हुई उसी दिन बॉक्स ऑफिस पर रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' भी रिलीज हुई थी। 'सैम बहादुर' ने कमाई के मामले में 'एनिमल' को जबर्दस्त टक्कर दिया था। हाल ही में विक्की कौशल 'सैम बहादुर' और 'एनिमल' के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर बात करते दिखाई दिए।

टेस्ट मैच थी हमारी फिल्म

विक्की कौशल बॉलीवुड में अलग तरह की फिल्में करने के लिए मशहूर हैं। उन्होंने अपने छोटे से करियर में बॉलीवुड को कई बड़ी फिल्में दी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने कहा, 'देखिए हमें पहले से पता था कि हमारी फिल्म 'सैम बहादुर' और 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर एक ही दिन रिलीज होने जा रही है, लेकिन इन दोनों फिल्मों की आप तुलना नहीं कर सकते हैं। 'सैम बहादुर' एक टेस्ट मैच जैसी फिल्म थी जबकि 'एनिमल' मसाला फिल्म थी।'

'एनिमल' थी मसाला फिल्म

विक्की कौशल अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, 'हमें अपनी फिल्म पर भरोसा था। हम जानते थे कि जब दर्शक हमारी फिल्म देखने आएंगे तब वे दूसरे लोगों को भी इस फिल्म को देखने के लिए कहेंगे और यही हुआ। हमारी फिल्म को प्रचार से भी काफी फायदा मिला। जब फिल्म अच्छी होगी तब लोग उसे देखने आएंगे ही चाहे उसके साथ कोई भी फिल्म क्यों न रिलीज हुई हो।'

'सैम बहादुर' की सफलता से हैं खुश

मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित फिल्म 'सैम बहादुर' बॉक्स ऑफिस सफल रही है। विक्की से जब फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो 'सैम बहादुर' ने हमारी उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। हमारी फिल्म जनवरी तक सिनेमाहॉल में टिकी हुई थी। इससे ज्यादा खुशी की बात और क्या हो सकती है हमारे लिए।'

6 करोड़ की रेंज रोवर एसवी खरीदने के बाद साइकिल चलाते दिखे कार्तिक आर्यन तो यूजर्स बोले- इतना पैसा लेकर कहां जाओगे?

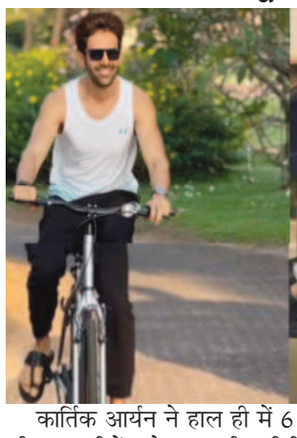

कार्तिक आर्यन ने हाल ही में 6 करोड़ की कीमत वाली रेंज रोवर एसवी खरीदी है। इसके बाद भी वह साइकिल पर शूट पर जाने का विचार कर रहे हैं। जिसके बाद फैंस उनसे पूछने को मजबूर हो गए हैं कि इतनी महंगी गाड़ी खरीदने का क्या फायदा है जब साइकिल ही चलानी है। दरअसल 'भूल भुलैया 2' एक्टर ने साइकिल चलाते हुए एक वीडियो शेयर किया है, जिसके बाद ये सवाल खड़े हो रहे हैं।

शनिवार की सुबह कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह पार्क में साइकिल चलाते नजर आ रहे हैं। कैप्शन में कार्तिक ने लिखा,"अब सोच रहा हूं सेट पर भी साइकिल से ही जाऊं।" जबकि गुरुवार को कार्तिक ने अपनी नई कार की तस्वीरे शेयर की थी। ऐसे में फैंस उनसे सवाल कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा,"फिर रेंज रोवर का क्या होगा?" अन्य यूजर ने लिखा,"इतना पैसा लेकर कहा जाओगे।" वीडियो में कार्तिक साइकिल चलाते हुए कोल्हापुरी चप्पल और दोनों हाथों में घड़ी पहने दिख रहे हैं। जिसे लेकर लोग कह रहे हैं कि साइकिल चलाते वक्त चप्पल क्यों? कुछ ने लिखा,"दो-दो घड़ियां क्यों?"

कार्तिक आर्यन ने अपनी कार की तस्वीर शेयर की है। जिसमें कार्तिक अपनी कार की डिक्की में अपने पेट के साथ लेटे हैं और कैप्शन में लिखा है, "हमारी रेंज थोड़ी सी बढ़ गई है।" बता दें कि ये कार्तिक की पहली गाड़ी नहीं है, उनके पास इससे पहले भी कई लग्जरी गाड़ियां हैं।

लड़कियां भी कॉमेडी कर सकती हैं : कृति सेनन

कृति सेनन बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। पिछले दिनों उनकी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब रही। दर्शकों को इस फिल्म में कृति का अभिनय काफी पसंद आया था। अब अभिनेत्री की आगामी फिल्म 'क्रू' रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में कृति, करीना कपूर खान और तब्बू के साथ नजर आने वाली हैं। हाल ही में कृति सेनन अपनी इस फिल्म के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं।

'क्रू' में काम करना रहा ताजगी भरा अनुभव

कृति सेनन पहली बार 'क्रू' में तब्बू और करीना कपूर के साथ काम कर रही हैं। पिछले दिनों एक साक्षात्कार के दौरान कृति से पूछा गया कि उन्हें इन अभिनेत्रियों के साथ काम करते हुए कैसा महसूस हुआ। इस सवाल के जवाब में कृति कहती हैं, 'हम आमतौर पर अभिनेताओं के साथ काम करते हैं। ऐसा बहुत कम होता है कि हम सिर्फ अभिनेत्रियों के साथ काम कर रहे हों। मेरे लिए 'क्रू' में काम करना ताजगी से भरा अनुभव रहा है। तब्बू और करीना से काफी कुछ सीखने को मिला है।'

महिलाएं भी कर सकती हैं कॉमेडी

कृति सेनन की आने वाली फिल्म 'क्रू' स्त्री प्रधान फिल्म है। कृति इस विषय में बात करती हुए बोलती हैं, 'लोगों को लगता है कि अभिनेत्रियां कॉमेडी नहीं कर सकती हैं, लेकिन यह सही नहीं है। 'क्रू' में हमने कॉमेडी किया है और हमारी टाइमिंग जबर्दस्त है। दर्शक अक्सर सोचते हैं कि महिला प्रधान फिल्म किसी सीरियस मुद्दे पर ही बनती है, हमने इस फिल्म के जरिए इसी स्टीरियोटाइप को तोड़ने की कोशिश की है।' कृति अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, 'हमने पुरुषों को कोसने के लिए इस फिल्म का निर्माण नहीं किया है। यह एक अलग विषय पर बनी हुई फिल्म है जो दर्शकों को गुदगुदाएगी और सोचने पर भी मजबूर करेगी।'

कृति सेनन पहली बार 'क्रू' में तब्बू और करीना कपूर के साथ काम कर रही हैं

'जो नेता देवी-देवताओं के खिलाफ बोलें उन्हें जेल में डाल दें'

राहुल के 'शक्ति के विरुद्ध' बयान पर भड़के आचार्य सत्येंद्र दास

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पूरा होने के बाद मुंबई में हुई सभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'शक्ति के विरुद्ध' बयान पर सियासी आलोचना शुरू हो गई है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना में राहुल गांधी पर हमला बोले तो अयोध्या में संतों ने भी राहुल गांधी की कड़ी आलोचना की। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने सोमवार को कहा कि पार्टी नेताओं के इस तरह के बयान की वजह से ही उनका पतन हो रहा है।

कांग्रेस सांसद के बयान की निंदा करते हुए आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा, "यही कारण है कि पार्टी की हालत खराब हो रही है, क्योंकि यह एक हिंदू विरोधी पार्टी है। भारत एक हिंदू बहुसंख्यक राज्य है, अगर वे इस प्रकार की टिप्पणी करते हैं, तो क्या उनके साथ कोई खड़ा होगा?" आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा, "नारी शक्ति हिंदू धर्म, सनातन धर्म का गौरव है। जो नेता हमारे देवी-देवताओं के खिलाफ बोलता है उसे जेल भेजा जाना चाहिए। यह निंदनीय है।" राहुल गांधी ने रविवार को महाराष्ट्र में की गई अपनी टिप्पणियों में राज्य की ताकत के खिलाफ विपक्ष के संघर्ष पर जोर देने के लिए हिंदी शब्द 'शक्ति' का इस्तेमाल करते हुए ईवीएम के संचालन पर चिंता जताई थी। राहुल गांधी ने मुंबई की सभा में कहा, "हिंदू धर्म में एक शब्द 'शक्ति' (शक्ति) है।

कांग्रेस को फिर झटका : कमलनाथ के करीबी सैयद समेत 65 नेता भाजपा में शामिल, पार्टी छोड़ने पर क्या बोले जाफर?

भोपाल, 18 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में नेताओं के कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को छिंदवाड़ा से पूर्व सीएम कमलनाथ के करीबी और कांग्रेस प्रवक्ता सैयद जाफर समेत 64 नेता भाजपा में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पार्टी के लोकसभा चुनाव के सह प्रभारी सतीष उपाध्याय एवं न्यू ज्वॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समक्ष प्रदेश कार्यालय में सोमवार को कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सय्यद जाफर, पथरिया के वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश श्रीधर, कांग्रेस महामंत्री डॉ. मनीषा दुबे, रतलाम जिला पंचायत सदस्य संतोष पालीवाल, बसपा के प्रदेश प्रभारी व प्रदेश महासचिव डॉ. रामसखा वर्मा, पूर्व प्रचारक अभयराज सिंह, रतलाम के मध्यप्रदेश आई.टी.सेल महामंत्री अंकित पोरवाल, जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री विरेन्द्र नायमा, आलोट विधानसभा युवक कांग्रेस के अध्यक्ष सुरेश डागी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश मैनूखेड़ी, ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गालाल अटोलिया, एनएसयूआई के जिला प्रभारी गोपाल सिसोदिया सहित 64 से अधिक जनपद सदस्य, सरपंच, पूर्व सरपंच,

कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकास कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष चिंतामणि मालवीय, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल एवं छिदंवाड़ा लोकसभा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू उपस्थित रहे।

सीएए को लेकर मुस्लिम लीग और केजरीवाल जैसे नेता भ्रम फैला रहे

बता दें इससे पहले सीएए को लेकर मुस्लिम लीग और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया था। सैयद जाफर ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि सीएए को लेकर भारत की मुस्लिम लीग सुप्रीम कोर्ट क्यों गई है? क्या मुस्लिम लीग यह चाहती है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश या अफगानिस्तान के मुस्लिम को हिन्दुस्तान की नागरिकता दे दी जाए? सीएए को लेकर मुस्लिम लीग और केजरीवाल जैसे नेता भ्रम फैला रहे है।

भारत का मुस्लिम आजादी के बाद से सुरक्षित

जाफर ने पोस्ट में आगे लिखा कि हकीकत तो यह है कि इस कानून से भारतीय मुस्लिम का कोई नुकसान नहीं होने वाला है। भारत के मुस्लिम लीग के हिसाब से क्या पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में मुसलमान प्रताड़ित हैं? और अगर प्रताड़ित हैं, तो भारत के मुस्लिम लीग को इस पर यह विचार करना चाहिए कि क्यों मुस्लिम मुल्क के नाम पर बने देशों में ही मुस्लिम प्रताड़ित हैं। अगर, मुसलमान मुस्लिम देशों में प्रताड़ित है तो फिर सवाल वहां की मुस्लिम सरकारों पर उठाना चाहिए ना कि हिंदुस्तान की सरकार से? मुस्लिम मुल्कों में प्रताड़ित मुस्लिमों के मामले में मुस्लिम लीग को 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) से मुसलमानों के हित में न्याय की मांग करना चाहिए।

भारत का मुस्लिम तो आजादी के बाद से आज तक भारत में सुरक्षित है। हिन्दुस्तानी मुसलमान पूरे ईमान के साथ अपने वतन की मिट्टी के साथ है और पूरे भरोसे के साथ इस मुल्क के साथ खड़ा है। मुस्लिम लीग सुप्रीम कोर्ट में सीएए पर सवाल खड़ा करके हिन्दुस्तानी मुस्लिमों में भ्रम फैलाने की कोशिश बंद करे।

कूनो में गामिनी ने पांच नहीं 6 शावकों को दिया जन्म, केंद्रीय मंत्री ने पोस्ट किया

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में अफ्रीकी मादा चीता 'गामिनी' ने पांच नहीं बल्कि छह शावकों को जन्म दिया है। यह जानकारी सोमवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने दी। 10 मार्च को उन्होंने जानकारी साझा की थी कि पांच वर्षीय मादा चीता ने कूनो नेशनल पार्क में पांच शावकों को जन्म दिया है। गामिनी से पांच शावकों के जन्म की खबर के एक सप्ताह बाद यह अब पुष्टि हो गई है कि दक्षिण अफ्रीकी चीता मां गामिनी ने छह शावकों को जन्म दिया है, जो पहली बार मां बनने वाली मादा चीता के लिए एक तरह का रिकॉर्ड है।'

क्या बोले भूपेन्द्र यादव?

सोमवार सुबह अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए मंत्री भूपेन्द्र यादव ने लिखा— 'गामिनी की विरासत आगे बढ़ रही है! खुशी का कोई अंत नहीं है, यह पांच नहीं, बल्कि छह शावक हैं! उन्होंने छह शावकों की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। अब कूनों राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है, जिसमें 14 शावक भी शामिल हैं।

पिछले साल भी आए थे नन्हें मेहमान

पिछले साल मार्च में मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था लेकिन उनमें से केवल एक ही जीवित बच पाया था। ज्वाला ने इस साल जनवरी में अपने दूसरे चार शावकों को जन्म दिया। इसके बाद चीता आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था। 2022 में 17 सितंबर को आठ नामीबियाई चीतों को कूनों राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया था, इनमें पांच मादा और तीन नर शामिल थे। फरवरी 2023 में अन्य 12 चीतों को दक्षिण अफ्रीका से पार्क में लाया गया था। पिछले साल मार्च से अब तक ज्वाला से जन्मे तीन शावकों समेत 10 चीतों की मौत हो चुकी है। यह चीते महत्वाकांक्षी चीता पुनरुत्पादन परियोजना के तहत भारत लाए गए थे।

एक अप्रैल से शुरू होंगे पुनर्निर्माण कार्य

यात्रा मार्ग पर लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

देहरादून, 18 मार्च (एजेंसियां)। मौसम ने साथ दिया तो आगामी एक अप्रैल से केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण कार्य फिर से शुरू हो जाएंगे। पुनर्निर्माण कार्य फिर से शुरू हो जाएंगे। लोक निर्माण विभाग के 70 मजदूरों का दल गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर बर्फ को साफ करते हुए रास्ता बनाने में जुटा है और दल के 25 मार्च तक धाम पहुंच जाएगा। इस यात्राकाल में केदारनाथ में सरस्वती नदी पर पुल, बीकेटीसी भवन और अस्पताल का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

आगामी 10 मई से केदारनाथ यात्रा शुरू होनी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा केदारनाथ तक पहुंच के लिए गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर बर्फ सफाई का काम किया जा रहा है। विभाग का 70 सदस्यीय मजदूर बीते एक मार्च से रामाबाड़ा से लिनचोली के बीच बर्फ को काटकर रास्ता बनाने में जुटा है। केदारनाथ में सभी पुनर्निर्माण कार्य स्थल बर्फ से ढके हुए हैं। साथ ही एमआई-26 हेलिपैड पर भी चार फीट से अधिक बर्फ जमी है। सरस्वती नदी से मंदिर मार्ग व मंदिर परिसर भी बर्फ से लकदक है। लोनिवि ने एक सप्ताह में पैदल मार्ग से बर्फ हटाकर केदारनाथ पहुंचने का लक्ष्य रखा है। ईई विनय झिक्वांण ने बताया कि मौसम ने साथ दिया तो 25 को मजदूर केदारनाथ पहुंच जाएंगे और बर्फ की सफाई के साथ ही आगामी एक अप्रैल से प्राथमिकता से पुनर्निर्माण कार्य भी पुनः शुरू कर दिए जाएंगे।

रुद्रप्रयाग। आगामी 10 मई से शुरू होने वाली केदारनाथ यात्रा में बेहतर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के संचालन के लिए रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग को सीसीटीवी कैमरा से लैस किया जाएगा। यहां हाईवे कुंड से गौरीकुंड तक 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। सीसीटीवी कैमरा संचालन के लिए तीन कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे, जिसमें दो रुद्रप्रयाग और एक सोनप्रयाग में होगा।

राहुल गांधी के 'शक्ति से लड़ रहे हैं' वाले बयान के समर्थन में उतरे पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के शक्ति पर दिए बयान पर मचे घमासान के बीच अब पार्टी उनके बचाव में आ गई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनाव दैवी शक्ति और आसुरी शक्ति के बीच होगा और जीत दैवी शक्ति की होगी। राहुल गांधी की भी जीत होगी। इसके अलावा पवन खेड़ा ने कठुआ, उन्नाव, हाथरस कांड का जिक्र कर केंद्र सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो भी शेयर किया है। दरअसल, 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के मौके पर मुंबई में राहुल गांधी ने कहा था कि हिंदू धर्म में एक शब्द होता है 'शक्ति', और हम एक शक्ति से लड़ रहे हैं।

पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा, "अब यह देश आसुरी शक्ति से नहीं, दैवी शक्ति से चलेगा। 10 साल जब कठुआ, उन्नाव, हाथरस में आपकी पार्टी बलात्कारियों के पक्ष में मोर्चे निकाल रही थी, तब शक्ति की उपासना याद नहीं आई?, जब मणिपुर में महिलाओं को नंगा दौड़ाया जा रहा था, तब कौन सी शक्ति आपको चुप रख रही थी?, जब महिला पहलवान सड़क पर थी और बृजभूषण शरण सिंह भीतर आपके घर में, तब कौन सी शक्ति की उपासना कर रहे थे?, यह चुनाव दैवी शक्ति और आसुरी शक्ति के बीच होगा और जीत दैवी शक्ति की होगी। जीत राहुल गांधी की होगी। जीत इंडिया गठबंधन की होगी। जीत इस देश के नौजवान की होगी। जीत इस देश के किसान की होगी। जीत भारत मां की होगी।" इससे पहले तेलंगाना के जगतियाल में पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी के शक्ति से लड़ाई वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मेरे लिए हर मां और बेटी शक्ति का प्रतीक है और मैं भारत मां का पुजारी हूं, मैं शक्ति के प्रत्येक रूप की रक्षा के लिए अपना जीवन खपा दूंगा।

हिमाचल विधानसभा में हुडदंगबाजी का मामला

भाजपा विधायकों को आज देना है नोटिस का जवाब, 9 एमएलए पर कार्रवाई की तैयारी

शिमला, 18 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 9 विधायकों पर कार्रवाई की तैयारी है। विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा ने इन विधायकों को प्रिवलेज और कंटेंप्ट का नोटिस जारी कर रखा है।

भाजपा विधायकों को आज इस नोटिस का जवाब देना है। इस बीच नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भी आज भाजपा विधायक दल की मीटिंग बुलाई है।

भाजपा विधायकों को यह नोटिस विधानसभा के रूल्स आफ बिजनेस के रूल 79 के तहत प्रिवलेज कमेटी की शिकायत पर दिया गया है। ये शिकायत कांग्रेस के नाहन से विधायक अजय सोलंकी ने की है। शिकायत में कहा गया कि विधानसभा में 27 फरवरी को इन विधायकों ने स्पीकर चैंबर में हुडदंग मचाया। 28 फरवरी को इन्होंने सदन के बीचो-बीच बैठने वाले विधानसभा रिपोर्टर से

कागज छीनकर सदन में फाड़े और स्पीकर चेयर की ओर फेंके। जब मार्शल के माध्यम से इन्हें सदन से बाहर करने के आदेश दिए गए, तो मार्शल के साथ भी विधायकों ने धक्का मुक्की की। इस सारे प्रकरण के वीडियो भी मौजूद होने का विधानससभा सचिवालय प्रशासन दावा कर रहा है।

सदन की गरिमा को पहुंची ठेस

शिकायतकर्ता अजय सोलंकी के अनुसार, बीजेपी के इन विधायकों के व्यवहार से सदन की उच्च परंपराओं को क्षति पहुंची है, इसलिए इन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इन नियमों के तहत विधानसभा अध्यक्ष के पास विधायकों की सस्पेंशन का अधिकार है। वहीं जयराम ठाकुर कुछ देर में भाजपा के उन विधायकों की मीटिंग लेंगे, जिन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। मीटिंग में चर्चा के बाद नोटिस का जवाब दिया जाएगा। भाजपा के 9 विधायक व्यक्तिगत तौर पर भी स्पीकर के सामने पेश होंगे।

इन विधायकों को दिए गए नोटिस

बीजेपी के जिन विधायकों को नोटिस दिए गए हैं, उनमें ऊना से विधायक सत्तपाल सत्ती, नाचन से विनोद सुल्तानपुरी, चुराह से हंसराज, बंजार से सुरेंद्र शौरी, सुलह से विपिन सिंह परमार, बिलासपुर से त्रिलोक जम्वाल, बल्ह से इंद्र सिंह गांधी, आनी से लोकेंद्र कुमार और करसोग से दीपराज शामिल है।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष की चिट्ठी को मुख्य न्यायाधीश ने बताया पब्लिसिटी स्टंट, की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एससीबीए (सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन) के अध्यक्ष की चिट्ठी को पब्लिसिटी स्टंट बताकर खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम इस मामले में नहीं पड़ना चाहते। दरअसल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधीश अग्रवाल ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर उनसे इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को लेकर दिए फैसले की समीक्षा करने की अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

सोमवार को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अधीश अग्रवाल की चिट्ठी पर कहा कि 'वरिष्ठ वकील होने के साथ ही आप सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। आपने एक चिट्ठी लिखकर स्वतः संज्ञान लेने की बात कही थी। ये सब पब्लिसिटी संबंधी है और हम इसमें नहीं पड़ना चाहते। मुझसे ज्यादा मत बुलवाइए क्योंकि ये बुरा लग सकता है।'

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने दिया था ये तर्क

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के चीफ अधीश अग्रवाल ने मुख्य न्यायाधीश को लिखी चिट्ठी में लिखा था कि इलेक्टोरल बॉन्ड के मामले में संविधान पीठ ने जो आदेश दिया है, उसमें दानदाता और उनके चंदे की जानकारी देने वाले निर्देश की समीक्षा की जानी चाहिए। अधीश अग्रवाल ने दावा किया कि दानदाता और उनके चंदे की जानकारी सार्वजनिक होने से उद्योगपतियों को नुकसान हो सकता है क्योंकि राजनीतिक पार्टियां उनका उत्पीड़न कर सकती हैं। ऐसे में उनके नामों और चंदे की रकम का खुलासा न किया जाए। हालांकि अदालत ने इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिनों अपने ऐतिहासिक फैसले में सरकार की इलेक्टोरल बॉन्ड योजना पर रोक लगा दी थी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोलर बॉन्ड की खरीद के लिए अधिकृत एकमात्र बैंक एसबीआई से दानदाताओं, राजनीतिक पार्टियों और चंदे की रकम का खुलासा करने का निर्देश दिया था। जिस पर एसबीआई ने निर्वाचन आयोग को यह जानकारी उपलब्ध करा दी थी और निर्वाचन आयोग द्वारा अपने वेबसाइट पर यह जानकारी सार्वजनिक की गई।

बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज के बाहर प्रदर्शन

प्रोफेसर सलीम शेख पर यौन उत्पीड़न का आरोप

दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज की 13 महिला एमबीबीएस छात्रों ने सहायक प्रोफेसर सलीम शेख पर शारीरिक शोषण और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। मामले को लेकर लोगों में भारी गुस्सा और आक्रोश है।

कॉलेज के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है जिसको लेकर पुलिस की तैनाती की गई है। मेडिकल कॉलेज के बाहर यौन शोषण के खिलाफ छात्रों ने प्रदर्शन किया। फिलहाल प्रशासन के साथ बातचीत चल रही है। मेडिकल कॉलेज के प्रमुख ईश्वर सिंह का कहना है कि ऐसा कोई मामला नहीं है। अंबेडकर कॉलेज से संबंधित मेडिकल कॉलेज में एक असिस्टेंट प्रोफेसर पर मेडिकल की छात्राओं ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। इसी मामले में आज कई संगठनों ने प्रशासन के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर पुलिस ने प्रशासन से मिलकर छात्रों को समझाया फिलहाल बातचीत चल रही है।

कसमें खिलवाईं, कपड़े उतरवाए, टीचर के टॉर्चर से टूट गई 14 साल की मासूम

बेंगलुरु, 18 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के बागलकोट में 14 साल की बच्ची ने फांसी लगा ली। वह स्कूल में हुए अपने अपमान से दुखी थी। जिस स्कूल में वह शान से पढ़ती थी, वहां के टीचरों ने ही उसके सपने छीन लिए। बच्ची पर स्कूल में 2 हजार रुपये चोरी का इल्जाम लगा दिया। उससे दुर्गा मंदिर में कसम खिलाई गई। इससे भी जी नहीं भरा तो कपड़े उतारकर तलाशी ली गई। रुपये तो नहीं मिले मगर लोगों के बीच निर्वस्त्र होते ही बच्ची के मन क्षुब्ध हो गया। यह कैसी अनहोनी थी, जिंदगी में हौसला का पाठ सिखाने वाले टीचरों ने जीने की उम्मीद छीन ली। चोरी के आरोप और निर्वस्त्र होने पर जगहंसाई सदमा इस कदर लगा कि उसने घर में आत्महत्या कर ली।

सतरंगी सपनों पर बिखेर दिए बदनामी के स्याह रंग ने

बागलकोट की घटना ने उन अभिभावकों के लिए चिंता पैदा कर दी है, जिनके स्कूल जाने वाले बच्चे बड़े हो रहे हैं। अपने आसपास की दुनिया को देखकर अपने भविष्य के सपने गढ़ रहे हैं। 14-15 साल की उम्र का किशोर मन में दुनियादारी के लिए सवाल भरे पड़े हैं। घर में मां-बाप के साथ स्कूल के टीचर भी उन्हें अनुशासन के साथ जिम्मेदार बनाने पर तुले हैं, मगर यह नहीं जानना चाहते कि उनके कोमल मन में क्या चल रहा है? बड़े हो रहे बच्चे समाज के ताने-बाने में गर्व, शर्म, लोकलाज को समझ रहे होते हैं। एक थप्पड़ और डांट उनके दिलोदिमाग में बसी रंगभरी दुनिया को काली बना सकती है। एग्जाम रिजल्ट के दौर में किशोरों की आत्महत्या की खबरें आती हैं। एग्जाम, मार्क्स के प्रेशर के दौर में बच्चों को किस-किस से बचाएं और बचाएगा कौन? हम गौर करें, जिस समाज में बच्चे पल रहे हैं, उनमें बच्चों और किशोरों की मन की बात सुनने का वक्त किसके पास है?

अगर किशोर कुछ हासिल कर लें तो उनकी तारीफ का दायरा छोटा होता है। जब किसी के साथ बुरा होता है तो बदनामी हवा के साथ मीलों यात्रा कर लेती है। बदनामी का डर अच्छे-अच्छे समझदारों को बैकफुट पर ला देता है, कर्नाटक में जान देने वाली बच्ची तो अभी दुनियादारी सीख ही रही थी।

कौन है बच्ची की खुदकुशी का जिम्मेदार?

14 साल की बच्ची की आत्महत्या के लिए कौन जिम्मेदार है? चोरी का आरोप लगाने वाला लैंग्वेज टीचर या बच्ची को मंदिर में कसम खिलाने वाला प्रिंसिपल। कपड़े उतरवाने वाले टीचर या वे लोग, जो चुपचाप पूरी घटना को देखते रहे। ऐसे अभिभावक को जिम्मेदार नहीं माना जाना चाहिए, जिन्होंने घटना के बाद स्कूल में अपना विरोध दर्ज नहीं कराया। उस स्कूल में लड़की की बड़ी बहन भी पढ़ती है, उसने ही घर में पूरा वाकया सुनाया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद से ही बच्ची गुमसुम रहने लगी थी। सार्वजनिक अपमान से दुखी होकर वह स्कूल नहीं गई। बागलकोट के एसपी अमरनाथ रेड्डी ने बताया कि पुलिस ने उसकी मौत की परिस्थितियों के बारे में सुनने के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की। बागलकोट में सार्वजनिक शिक्षा के उप निदेशक इस केस में खामोश हैं। पुलिस ने आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया है मगर यह केस कई सवाल छोड़ गया है। वैसे तो हर राज्य से स्कूलों में बच्चों के साथ मारपीट की खबरें आती रही हैं। बच्चों को टॉर्चर करने में प्राइवेट स्कूल पीछे नहीं हैं। फीस के लिए धूप में बैठाने, बच्चों से मारपीट करने और एग्जाम नहीं देने के किस्से इंटरनेट पर भरे पड़े हैं। सरकारी स्कूलों में मिड डे मील में चोरी और टॉयलेट साफ कराने की शिकायतों से हर राज्य का शिक्षा विभाग चिंतित है। शारीरिक उत्पीड़न की घटना भी पैरेंटस की नींद उड़ाने के लिए काफी है। कर्नाटक के स्कूलों में स्टूडेंट्स के कपड़े उतरवाने के कई मामले पहले भी चुके हैं। दो महीने पहले ही कलबुर्गी के एक स्कूल में छात्र के साथ मारपीट की गई थी। आंबेडकर पूजा नहीं करने के कारण उसे नंगा कर हॉस्टल में घुमाया गया था। मांड्या के सरकारी स्कूल में 100 रुपये की तलाशी के लिए 12 छात्राओं के कपड़े उतरवाए गए थे। यह मामला पांच साल पुराना है। करीब एक साल पहले मांड्या जिले के गणनगुरु गांव के सरकारी स्कूल में मोबाइल लेकर आई छात्रा को प्रिंसिपल ने सहपाठियों के सामने बेरहमी से पीटा था और कपड़े उतरवाकर घंटों बैठाए रखा था। प्रिंसिपल इतनी कठोर थी कि उसने बच्ची को घंटों पानी तक नहीं पीने दिया था। अब चोरी के इल्जाम में 14 साल की लड़की के साथ दुर्व्यवहार और फिर बच्ची की खुदकुशी हैरान कर रहा है।

भारत ने दिखाई चीन को औकात, हर घंटे यूएस को किए 4.43 करोड़ के स्मार्टफोन निर्यात

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग में चीन आज भी काफी मजबूत है, लेकिन इसी मोनोपॉली को तोड़ने के लिए अमेरिकी कंपनियां चीन से बाहर निकलकर भारत आईं और मैन्युफैक्चरिंग शुरू की। अब भारत ने कुछ ही सालों में चीन को उसकी औकात दिखानी शुरू कर दी है। जी हां, एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अब हर घंटे अमेरिका को 4.43 करोड़ रुपए के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट कर रहा है। खास बात तो ये है कि यह एक्सपोर्ट मौजूदा वित्त वर्ष की पहले 9 महीनों में पिछले साल के कुल एक्सपोर्ट के मुकाबले 253 फीसदी तक बढ़ चुका है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर स्मार्टफोन एक्सपोर्ट को लेकर किस तरह की रिपोर्ट सामने आई है।चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान स्मार्टफोन के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 7.76 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दो प्रतिशत थी। एक अधिकारी ने कहा कि स्मार्टफोन विनिर्माण में वृद्धि से निर्यात को बढ़ावा मिला।

आंकड़ों से समझने का करें प्रयास

इसके साथ ही भारत, अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्यातक बन गया है। पहले स्थान पर चीन और दूसरे स्थान पर वियतनाम हैं। चालू वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों के दौरान अमेरिका को किए जाने वाले स्मार्टफोन निर्यात में चीन और वियतनाम की हिस्सेदारी घटी है।टॉप पांच सप्लायर्स से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-दिसंबर 2023 में घटकर 45.1 अरब डॉलर रह गया, जो अप्रैल-दिसंबर 2022 में 49.1 अरब डॉलर था।चीन ने समीक्षाधीन अवधि में अमेरिका को 35.1 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 38.26 अरब डॉलर था।

इसी तरह वियतनाम का अमेरिका को निर्यात घटकर 5.47 अरब डॉलर रह गया।

खास बात तो ये है कि भारत के अमेरिका को किए एक्सपोर्ट को हर घंटे में डिवाइड करें तो पहले 9 महीनों में भारत ने अमेरिका को 4.43 करोड़ रुपए के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की ओर से अमेरिका को हर घंटे 94.42 लाख रुपए के स्मार्टफोन का निर्यात किए जा रहे रहे थे। इसका मतलब है कि काफी कम समय में भारत ने अमेरिका को किए जाने वाले स्मार्टफोन के एक्सपोर्ट में जबरदस्त इताफा किया है।

सुप्रीम कोर्ट से अडानी की इस कंपनी को लगा तगड़ा झटका, 13 हजार करोड़ का है मामला

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है. दरअसल, गौतम अडानी की कंपनी अडानी पावर को सुप्रीम कोर्ट से 1300 करोड़ के मामले में फटकार लगी है. कोर्ट ने राजस्थान डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों (डिस्कॉम) से 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा के लेट पेमेंट सरचार्ज मामले में विचार करने से मना कर दिया है. कोर्ट ने एलपीएस की मांग करने वाली अडानी पावर की अर्जी पर विचार करने से इनकार कर दिया. यही नहीं, कोर्ट ने अडानी पावर पर 50000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है.अडानी ग्रुप की अडानी पावर को कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि विविध आवेदन उचित कानूनी सहारा नहीं है. कोर्ट ने कहा कि स्पष्टीकरण मांगने वाले आवेदन में इस तरह की राहत नहीं मांगी जा सकती। इसके बाद कोर्ट अडानी ग्रुप की अडानी पावर पर विचार से इनकार करते हुए 50 हजार का जुर्माना लगा दिया है. बता दें कि अडानी पावर की ओर से राज्य डिस्कॉम से एलपीएस के रूप में 1,300 करोड़ रुपये से ज्यादा की मांग की गई थी. यह राजस्थान सरकार के स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनी जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीन है.

बता दें कि जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल) के नेतृत्व वाली डिस्कॉम ने मामले की लिस्टिंग पर संदेह जताया और अगस्त 2020 में तय किए गए एलपीएस के भुगतान पर स्पष्टीकरण मांगा. अडाणी पावर एप्लिकेशन ने मुआवजे का तर्क देते हुए जेवीवीएनएल से 1,376.35 करोड़ रुपये के और भुगतान की मांग की. अगस्त 2020 के फैसले में कानून में बदलाव और कैरिंग कॉस्ट का फैसला किया गया था. उसने तर्क दिया कि यह जनवरी 2010 में जेवीवीएनएल के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत एलपीएस से अलग था।

दिमाग की नहीं घर की 'बत्ती' जलाने के लिए सरकार दे रही 78 हजार की सब्सिडी, ऐसे मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। तारीख थी 13 फरवरी 2024। जब पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट करते हुए देश को बताया था कि 75 हजार करोड़ के खर्च के साथ केंद्र सरकार 1 करोड़ घरों को फ्री बिजली का लाभ देगी। इसके लिए फ्री बिजली की तय सीमा 300 यूनिट की गई थी। जिस योजना के तहत सरकार ने इसके फायदे गिनाए थे, अब पीएम ने उसको लेकर एक बड़ी जानकारी दी है। पीएम मोदी ने एक रैली में जनता को संबोधित करते हुए कहा है कि अभी तक पीएम सूर्य घर स्कीम के तहत 1 करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिए हैं। आइए जानते हैं कि जो लोग इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं, वह किन प्रोसेस को फॉलो कर रहे हैं? ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सोलर सिस्टम के कौन से फायदे हैं?

क्या है सरकार का प्लान?

पीएम-सूर्य घर योजना भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही एक स्कीम है, जिसके तहत 1 करोड़ घरों के छत पर सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है, जिससे मुफ्त बिजली की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। अगर आप इस योजना के तहत अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाते हैं तो सरकार लाभार्थियों को अलग-अलग कैटेगरी में 78,000 रुपए तक की सब्सिडी प्रदान करेगी। इसका मकसद यह है कि लोग सोलर पैनल की स्थापना कर सकें और अपनी ऊर्जा की जरूरतों को पूरा कर सकें। इससे आम जनता को सालाना 18 हजार रुपए की बचत होगी और सरकार के ग्रीन एनर्जी का सपना जल्द पूरा हो जाएगा।

कैसे कर सकते हैं अप्लाई?

सबसे पहले पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करें। उसके बाद अपना स्टेट चुनें। इलेक्ट्रीसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को सेलेक्ट करें। उसके बाद इलेक्ट्रीसिटी कंज्यूमर नंबर डालें। अपना मोबाइल नंबर और ईमेल डालें। पोर्टल में दिए गए डायरेक्शन का पाजने करें। कंज्यूमर नंबर और मोबाइल नंबर के साथ लॉगिन करें। फॉर्म के अनुसार रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन करें।डिस्कॉम से फिजिबिलिटी अप्रूवल का वेट करें। एक बार जब आपको फिजिबिलिटी अप्रूवल मिल जाए तो अपने डिस्कॉम में किसी भी रजिस्टर्ड वेंडर से प्लांट लगवाए। एक बार इंस्टॉलेशन पूरा हो जाने पर, प्लांट की डिटेल डिपॉजिट करें और नेट मीटर के लिए आवेदन करें।

अंबानी और मस्क को टक्कर देंगे एयरटेल वाले मित्तल

सेटेलाइट ब्रॉडबैंड की रेस में हुए शामिल

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। टेक्नोलॉजी की दुनिया में आगे निकलने की रेस अब जमीन से बढ़कर स्पेस तक पहुंच चुकी है. अभी तक इस रेस में दुनिया के सुपर रिच एलन मस्क की कंपनी स्टार लिंक और जियो थे. अब एयरटेल ने भी एंट्री मार दी है, जिस तेजी से एयरटेल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइड करने की प्लानिंग कर रहा है, जल्द ही वह भारत में ब्रॉडबैंड-फ्रॉम-स्पेस सर्विस की पेशकश करने वाली पहली ग्लोबल सैटेलाइट कंपनी बन जाएगी।

एयरटेल ने एडमिनिस्ट्रेटिव रूट के माध्यम से 90 दिनों की अवधि के लिए 'का' एंड 'कू' बैंड का डेमो सैटेलाइट स्पेक्ट्रम हासिल किया है, जो उसको स्टारलिंक से अलग करता है, जो रीटेल ग्राहकों को सीधे टार्गेट करता है. यूटेलसैट वनवेब का फोकस बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) मॉडल पर है. बता दें कि 'का' बैंड स्पेक्ट्रम अर्थ स्टेशनों के संचालन के लिए महत्वपूर्ण है, जबकि 'कू' बैंड यूजर्स एक्सेस टर्मिनलों का समर्थन करता है.

यूटेलसैट वनवेब पूर्ण रूप से कमर्शियल लॉन्चिंग की तैयारी कर रहा है, जिसके लिए वह भारत की रक्षा और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं में प्रमुख ग्राहकों के साथ अपने सैटेलाइट ब्रॉडबैंड नेटवर्क पर परीक्षण भी कर रहा है. कंपनी को जल्द ही कमर्शियल सैटेलाइट स्पेक्ट्रम आवंटन मिलने की उम्मीद है, जो दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा निर्धारित नियामक ढांचे का अनुपालन करने के लिए प्रतिबद्ध है.

डीओटी सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के एडमिनिस्ट्रेटिव आवंटन को अंतिम रूप देने और रेगुलेटरी गाइडलाइन के आधार पर मूल्य निर्धारण करने की प्रक्रिया में है. 2023 का न्यू टेलीकम्युनिकेशन एक्ट अब एडमिनिस्ट्रेटिव चैनलों के माध्यम से सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के आवंटन की सुविधा प्रदान करता है. यूटेलसैट रेवेन्यू के लिए एंटरप्राइजेज, रक्षा, विमानन, समुद्री क्षेत्रों और सरकारों को पूरा करेगा. कंपनी उन ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल ब्रॉडबैंड कवरेज का समर्थन करने के लिए सैटेलाइट कनेक्टिविटी की पेशकश करने की योजना बना रही है जहां स्थलीय बैकहॉल लिंक सीमित हैं. यूटेलसैट ग्रामीण भारत में कार्यरत किसी भी टेलीकॉम कंपनी को बैकहॉल सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है.

इसका लक्ष्य जेआईओ, स्टारलिंक, अमेज़ॅन कुइपर और Tatas जैसे कंपीटिटर को पछाड़ना है।

इंफोसिस के फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति की दिग्गज टेक कंपनी में हिस्सेदारी अब सिर्फ 0.36 फीसदी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। रह गई है। उन्होंने इंफोसिस में अपनी 0.04 फीसदी हिस्सेदारी अपने पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को दे दी है। रोहन मूर्ति के बेटे एकाग्र की उम्र सिर्फ 4 महीने है। इस हिस्सेदारी की फिलहाल मार्केट वैल्यू लगभग 240 करोड़ रुपये बैठती है।

एकाग्र के पास इंफोसिस के 15,00,000 शेयर होंगे

इंफोसिस की एक्सचेंज फाइलिंग से पता चला है कि नारायण मूर्ति ने लगभग 240 करोड़ रुपये के शेयर एकाग्र को दे दिए हैं। इस ट्रांसफर के बाद एकाग्र के पास देश की दूसरी सबसे बड़ी टेक कंपनी इंफोसिस के 15,00,000 शेयर होंगे। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, अब इस ऑफ मार्केट ट्रांसफर के बाद नारायण मूर्ति के पास लगभग 1.51 करोड़ शेयर बचे हैं, जो कि लगभग 0.36 फीसदी हिस्सदारी बनती है।

नवंबर, 2023 में माता-पिता बने थे रोहन और अपर्णा

रोहन मूर्ति और अपर्णा कृष्णन नवंबर, 2023 में माता-पिता बने थे। एकाग्र के जन्म के साथ ही नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति दादा-दादी बन गए थे। उनकी बेटी अक्षता मूर्ति की शादी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से हुई है। इनको दो बेटियां हैं।

1999 में हुई नैस्डेक में लिस्ट हुई थी इंफोसिस

नारायण मूर्ति ने 1981 में इंफोसिस की शुरुआत की थी। कंपनी की नैस्डेक में लिस्टिंग मार्च, 1999 में हुई। मूर्ति ने कहा था कि इस लिस्टिंग से उन्हें दुनिया का बेस्ट टैलेंट हासिल करने में आसानी होगी।हाल ही में उन्होंने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव के दौरान नैस्डेक लिस्टिंग को अपने जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पल बताया था। उन्होंने कहा था कि जब मैं उन चमकती लाइट के सामने बैठा तो बहुत गर्व महसूस कर रहा था। इंफोसिस नैस्डेक में लिस्ट होने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी थी।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 100 अंक चढ़कर 72,750 के पास, निफ्टी 22 हजार के ऊपर बंद

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए आज का दिन अच्छी तेजी वाला रहा। दिनभर सेंसेक्स और निफ्टी उतार-चढ़ाव के साथ ट्रेड करते दिखे। कारोबार के आखिर में सेंसेक्स 100 अंक उछलकर 72700 के ऊपर बंद हुआ है।

किन लेवल पर बंद हुआ बाजार

बीएसई का सेंसेक्स 104.99 अंक या 0.14 फीसदी चढ़कर 72,748.42 पर बंद हुआ है और एनएसई का निफ्टी 32.35 अंक या 0.15 फीसदी की मामूली तेजी के साथ 22,055.70 के लेवल पर क्लोज हुआ है।

सेंसेक्स के शेयरों का हाल

बीएसई सेंसेक्स के 30 में से 14 शेयरों में उछाल के साथ कारोबार बंद हुआ है और 16 शेयरों में गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई है। सबसे ज्यादा तेजी टाटा स्टील के शेयरों में उछाल देखा गया जो 5.69 फीसदी की उछाल के साथ कारोबार क्लोज कर पाया है। एमएंडएम 3.05 फीसदी, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.98 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.75 फीसदी और सन फार्मा 1.47 फीसदी की उछाल के साथ बंद हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.45 फीसदी की अच्छी बढ़त के साथ कारोबार बंद हुआ है।

सेक्टरवार शेयरों का हाल

बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार बंद हुआ जबकि ऑटो, रियल्टी, ऑयल एंड गैस, मीडिया, मेटल और फार्मा शेयरों में अच्छी तेजी के साथ कारोबार बंद हुआ है।

मार्केट कैप का कैसा रहा हाल

बीएसई का मार्केट कैपिटलाइजेशन 378.79 लाख करोड़ रुपये पर आकर ठहरा है और आज बीएसई का बाजार मूल्यांकन इसी लेवल पर है।

निफ्टी के शेयरों की तस्वीर

निफ्टी के 50 में से 21 शेयरों में तेजी के साथ कारोबार बंद हुआ है और 29 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई है।

सबसे ज्यादा चढ़ने वाले यानी निफ्टी के टॉप गेनर्स में टाटा स्टील 5.01 फीसदी, एमएंडएम 3.31 फीसदी की मजबूती पर बंद हुए हैं। जेसडब्ल्यू स्टील 2.81 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.76 फीसदी और अपो हॉस्पिटल्स 2.63 फीसदी की अच्छी तेजी के साथ बंद होने में कामयाब रहे हैं।

होली से एक हफ्ता पहले 1200 रुपए सस्ता हुआ सोना

आपके शहर में अब कितने हो गए दाम

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। जो लोग गोल्ड खरीदने का मन बना रहे हैं, उनके लिए बड़ी खबर सामने आ गई है। देश के वायदा बाजार में गोल्ड के दाम में होली से करीब एक हफ्ता पहले 1200 रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है। ये गिरावट बीते एक हफ्ते में देखने को मिली है। जानकारों की मानें तो फेड की ओर से रेट कट को लेकर संशय की वजह से गोल्ड की कीमतों में गिरावट देखी गई है। वहीं दूसरी ओर डॉलर इंडेक्स का लेवल भी 103 के ऊपर चला गया है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में गोल्ड की कीमत में और भी ज्यादा गिरावट देखने को मिल सकती है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर वायदा बाजार के साथ आपके शहर में गोल्ड के दाम कितने हो गए हैं।

सोने के दाम में गिरावट

आज देश के वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर गोल्ड की कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर गोल्ड के दाम 274 रुपए की गिरावट के साथ 65,268 रुपए पर कारोबार कर रहा है। जबकि आज सुबह 9 बजे गोल्ड के दाम 65,348 रुपए प्रति दस ग्राम पर ओपन हुए थे। कारोबारी सत्र के दौरान गोल्ड की कीमत 65,180 रुपए के दिन के लोअर लेवल पर भी पहुंच गई। वैसे शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद गोल्ड की कीमत 65,542 रुपए प्रति दस ग्राम पर थी।

एक हफ्ते में टूटे 1200 रुपए दाम

वहीं दूसरी ओर बीते एक हफ्ते की बात करें तो गोल्ड के दाम में करीब 1200 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट देखने को मिल चुकी है। 8 मार्च को गोल्ड के दाम 66,356 रुपए प्रति दस ग्राम के साथ लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गए थे। उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार आज गोल्ड की कीमत 65,180 रुपए के साथ दिन के लोअर लेवल पर गई। इसका मतलब है कि बीते करीब 7 कारोबारी दिनों में गोल्ड की कीमत में 1,176 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट आ चुकी है।

लंदन से न्यूयॉर्क तक गोल्ड की कीमत

वहीं दूसरी ओर विदेशी बाजारों की बात करें तो गोल्ड की कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। न्यूयॉर्क के कॉमेक्स बाजार में गोल्ड के दाम 11.20 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट के साथ 2,150.30 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं दूसरी ओर गोल्ड स्पॉट के दाम में 8.62 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट देखने को मिल रही है और दाम 2,147.28 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। लंदन के बाजार में गोल्ड के दाम 6.86 पाउंड प्रति ओंस की गिरावट के साथ 1,686.44 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं यूरोपीय मार्केट में गोल्ड 8.22 यूरो प्रति ओंस की गिरावट के साथ 1,972.34 यूरो प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है।

7 सरकारी बैंकों ने एक साल में छाप डाले 7 लाख करोड़, अब आगे क्या होगा?

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। पिछले एक साल में पीएसयू बैंकों के शेयर ने शानदार प्रदर्शन किया है। इनमें से सात सरकारी बैंकों ने 100% से भी ज्यादा रिटर्न दिया है। डाटा के मुताबिक, पिछले एक साल में सात सरकारी बैंकों ने 7 लाख करोड़ रुपए छाप डाले हैं। लेकिन, अब इन पीएसयू बैंकों के शेयर की रैली में एक महत्वपूर्ण मोड़ आने वाला है। दरअसल, एसईबीआई ने सरकार से कहा था कि मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग यानी एमपीएस नियमों के तहत उन्हें इन शेयरों में अपनी हिस्सेदारी को 75 फीसदी घटाना होगा। बता दें, एसईबीआई ने एमपीएस के लिए अगस्त तक की डेडलाइन तय की है जो अब नजदीक आ रही है। ऐसे में देखना ये होगा कि एसईबीआई के एक फैसले से इस रैली पर क्या असर होता है।ज्यादातर सरकारी बैंकों में सरकार की पर्याप्त हिस्सेदारी है, पंजाब एंड सिंध बैंक (पीएसबी)) और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) में 98.25% और 96.38% सरकारी हिस्सेदारी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन में	मीन --	06-09 बजे
चंद्र-	मिथुन में	मेष--	07-45 बजे
मंगल	कुंभ में	वृष--	09-30 बजे
बुध-	मीन में	मिथुन..	11-31 बजे
गुरु-	मेष में	कर्क...	13-43 बजे
शुक्र-	कुंभ में	सिंह...	15-56 बजे
शनि-	कुंभ में	कन्या..	18-02 बजे
राहु-	मीन में	तुला.....	20-07 बजे
केतु-	कन्या में	वृश्चिक..	22-16 बजे
		धनु.....	00-30 बजे
		मकर...	02-37 बजे
		कुंभ....	04-27 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-24**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. - **18-23**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - **00:22** - तक उपरान्त एकादशी
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , मंगलवार **19 March**
नक्षत्र - पुनर्वसु- **20 - 09** - तक उपरान्त पुष्य
योग - शोभन - **16 - 36** - तक उप अतिगण्ड
करण- तैतिल - **11 - 31** - तक उप- गर
विशेष:- पूर्ण रवि योग
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:24 - 07:52 अशुभ	काल	18:23 - 19:55 अशुभ
उत्पात	07:52 - 09:23 अशुभ	लाभ	19:55 - 21:25 शुभ
चंचल	09:23 - 10:53 शुभ	उत्पात	21:25 - 22:54 अशुभ
लाभ	10:53 - 12:24 शुभ	शुभ	22:54 - 24:23 शुभ
अमृत	12:24 - 13:54 शुभ	अमृत	24:23 - 01:53 शुभ
काल	13:54 - 15:25 अशुभ	चंचल	01:53 - 03:22 शुभ
शुभ	15:25 - 16:55 शुभ	रोग	03:22 - 04:52 अशुभ
रोग	16:55 - 18:23 अशुभ	काल	04:52 - 06:24 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

अपने प्रति ईमानदार रहें क्योंकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं ।इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे । इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे । यह अच्छा होगा या बुरा,यह आज आपको सोचना है ,हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें । व्यवहार कुशलता का परिचय दें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

27 मार्च को चाईबासा कोर्ट में राहुल की पेशी

6 साल पहले शाह पर की थी टिप्पणी, एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहत वाली याचिका खारिज की

चाईबासा, 18 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 27 मार्च को चाईबासा एमपी एमएलए कोर्ट ने तलब किया है। उन्हें कोर्ट की ओर से नोटिस जारी किया गया है। कोर्ट ने उन्हें 27 मार्च को सशरीर हाजिर होने को कहा है। शनिवार को एमपी-एमएलए कोर्ट के जस्टिस ऋषि कुमार ने राहुल गांधी की गैर जमानती वारंट से राहत देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। अमित शाह पर विवादित टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी को नोटिस जारी किया गया है। मामला छह साल पुराना है। यह याचिका भाजपा नेता प्रताप कटिहार ने 2018 में दायर की थी। चाईबासा के मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी की अदालत में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें राहुल पर होम मीनिस्टर अमित शाह को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप था। एडवोकेट केशव प्रसाद ने बताया कि अप्रैल 2022 में कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया था लेकिन वह नहीं आए। फिर इस साल 27 फरवरी को गैर जमानती वारंट जारी किया गया। इस पर राहुल ने अपने वकील के माध्यम से उन्हें पेशी में छूट देने का आग्रह किया था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जिसके बाद उन्हें सशरीर हाजिर होने का आदेश दिया। मामला साल 2018 का है। उस दौरान चाईबासा में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में राहुल ने कहा था कि भाजपा में कोई भी हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। उस वक्त भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह थे। राहुल की इस बयानबाजी के खिलाफ भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रताप कटियार ने चाईबासा के सीजीएम कोर्ट में केस दर्ज कराया था। चाईबासा में दायर मामले को सुनवाई के लिए रांची के एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर किया गया था। बाद में चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट शुरू होने के बाद इसे फिर से चाईबासा ट्रांसफर कर दिया गया था। यहीं सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से दायर याचिका को जस्टिस ऋषि कुमार ने खारिज करते हुए हाजिर होने का नोटिस दिया है। राहुल गांधी के खिलाफ झारखंड में तीन मामले चल रहे हैं। पहला मामला नवीन झा का है। उन्होंने रांची की निचली अदालत में अमित शाह पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। अमित शाह के मामले में एक और मुकदमा भाजपा नेता प्रताप कुमार ने चाईबासा कोर्ट में दायर किया। चाईबासा कोर्ट ने जमानती वारंट भी जारी किया था, जिसे रद्द करने के लिए राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद निचली अदालत के फैसले पर अमल करने को कहा था।

बिलासपुर से हफ्ते में 2 दिन दिल्ली-कोलकाता के लिए फ्लाइट

28 मार्च से चलेगी, हैदराबाद के लिए भी जल्द शुरू होगी उड़ान

बिलासपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से अलायंस एयर की फ्लाइट हफ्ते में दो दिन दिल्ली और कोलकाता के लिए उड़ान भरेगी। कंपनी ने 28 मार्च से नियमित उड़ान शुरू करने के लिए राज्य सरकार से एमओयू किया है। इसके लिए बुकिंग भी शुरू हो गई है। इसके साथ ही अब जल्द ही जगदलपुर से होकर हैदराबाद के लिए भी फ्लाइट शुरू करने की योजना है। शेड्यूल के मुताबिक कोलकाता से फ्लाइट सुबह 7.5 बजे उड़ान भरकर 8.55 बजे चकरभाठा एयरपोर्ट पहुंचेगी। यही फ्लाइट 9.35 बजे उड़ान भरकर 11.25 बजे कोलकाता पहुंचेगी। इसी तरह दिल्ली की फ्लाइट वहां से 7 बजे उड़ान भरकर 9.30 बजे पहुंचेगी और 10.10 बजे उड़ान भरकर 12.40 बजे दिल्ली लौटेगी। लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने की सुगबुगाहट चल रही थी, जिसके कारण राज्य सरकार और अलायंस कंपनी ने एमओयू होने के बाद 12 मार्च को दिल्ली और कोलकाता की फ्लाइट की औपचारिक शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्चुअली फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई थी। वहीं कार्यक्रम में डिप्टी सीएम अरूण साव कई नेता शामिल हुए थे। बिलासपुर से कोलकाता और बिलासपुर से दिल्ली सीधी विमान सेवा के लिए अलायंस कंपनी ने बुकिंग शुरू कर दी है। इससे पहले ट्रायल पर एक दिन के लिए टिकट बुक हुआ था। लेकिन अब अलायंस कंपनी ने 28 मार्च से सप्ताह में दो दिन नियमित विमान सेवा शुरू करने के लिए बुकिंग शुरू की है। अलायंस एयर ने अभी बिलासपुर से हैदराबाद के लिए हवाई सुविधा शुरू नहीं की है। लेकिन, राज्य सरकार और अलायंस कंपनी के बीच इसके लिए ओएमयू की प्रक्रिया चल रही है। कहा जा रहा है कि बिलासपुर से हैदराबाद की फ्लाइट जगदलपुर से होकर चलाई जाएगी। इधर, हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा की दिल्ली और कोलकाता के लिए हफ्ते में कम से कम 4 दिन विमान सेवा मिलनी चाहिए।

1200 से अधिक कांग्रेसियों का भाजपा प्रवेश

भाजपा प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में पहुंचे सांसद विजय बघेल, कहा- लोकसभा चुनाव में जुट जाएं कार्यकर्ता

भिलाई, 18 मार्च (एजेंसियां)। भिलाई के एक होटल में आयोजित भाजपा प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में 1200 से अधिक कांग्रेसियों ने भाजपा में प्रवेश किया। दुर्ग लोकसभा सांसद और बीजेपी सांसद प्रत्याशी विजय बघेल के नेतृत्व यह में कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कमर कस ली है। दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक बार फिर से मोदी सरकार का संकल्प लेकर भाजपा के सभी कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में पूरी ताकत से जुट जाएं। भाजपा में प्रवेश करने वाले सभी लोगों का भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया गया। सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद और अबकी बार 400 पार के नारे लगाते रहें। भाजपा जिला अध्यक्ष महेश वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ जन-जन तक पहुंचा है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने 3 महीने के कार्यकाल में जनता से किए वादों व मोदी की गारंटी को पूर्ण रूप देने बड़ा काम किया है। भाजपा के भिलाई जिलाध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने के लिए पार्टी ने भाजपा प्रवेश उत्सव आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे दुर्ग सांसद विजय बघेल पहुंचे।

भाजपा प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में कांग्रेस पार्षद जलंधर सिंह, राम दुलार, सुभाष साव, मंगवेंदर सिंह मंगल, शिवा यादव सहित 1200 कांग्रेसियों ने भाजपा में प्रवेश किया। इस मौके पर जिला महामंत्री प्रेमलाल साहू, विजेंद्र सिंह, संतोष मौर्य, विजय जायसवाल, राहुल परिहार, कन्हैया सोनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहें।

विवादों से भरी है जेपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा

24 साल में आयोग ने 22 एग्जाम लिए, सभी में विवाद, कब-कब हुआ पेपर लीक

रांची, 18 मार्च (एजेंसियां)। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के महज 14 दिन बाद ही 11वीं सिविल सेवा परीक्षा झारखंड लोकसेवा आयोग ने ली। राज्यभर में 834 केंद्रों पर साढ़े तीन लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। अभी पहले शिफ्ट की परीक्षा चल ही रही थी कि इसी बीच पेपर लीक की बात सामने आई। चतरा के उपेंद्र नाथ वर्मा इंटर कॉलेज से हंगामा शुरू हुआ। धीरे-धीरे जामताड़ा और धनबाद से भी हंगामें की खबर आई। इसी बीच सेंटर के बाहर ओएमआर शीट भरते परीक्षार्थियों का वीडियो भी सामने आया। परीक्षार्थियों ने पेपर लीक का आरोप लगाया।

देर रात आयोग ने कहा कि इस तरह की कोई बात नहीं है। पेपर लीक नहीं हुआ है और न ही किसी तरह की गड़बड़ी हुई है। आयोग कुछ भी कहे पर एक बार फिर सिविल सेवा परीक्षा विवाद में आ गया है। झारखंड गठन के बाद से अब तक 11 सिविल सेवा परीक्षा ली जा चुकी है, लेकिन एक भी परीक्षा बिना विवाद के नहीं हो सकी है। पहली और दूसरी सिविल सेवा परीक्षा की तो सीबीआई जांच चल रही है।

पहली सिविल सेवा परीक्षा

जेपीएससी की ओर से पहली सिविल सेवा परीक्षा के लिए साल 2002 के दिसंबर में विज्ञापन निकाला गया था। विज्ञापन 64 पदों के लिए निकाला गया था। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 17 अगस्त 2003 को हुई। परीक्षा में करीब 80 हजार कैंडिडेट्स शामिल हुए। पीटी के परिणाम में 5,245 उम्मीदवार सफल घोषित किए गए। पीटी रिजल्ट घोषित होने के साथ ही विवाद गहरा गया। इस वजह से पीटी को रद्द कर दिया गया। दूसरी बार पीटी 18 जनवरी 2004 को ली गई। जिसका रिजल्ट 27 अप्रैल 2004 को जारी हुआ। इसमें सफल उम्मीदवारों की संख्या बढ़कर 9,488 हो गई। इसी परीक्षा के मेन्स एग्जाम के रिजल्ट पर भी सवाल उठा।

नियम के हिसाब से 92 उम्मीदवारों को लिए इंटरव्यू के लिए बुलाया जाना था, पर मेन्स में 246 सफल उम्मीदवारों की लिस्ट आयोग ने जारी कर दी। इस परीक्षा प्रक्रिया की जांच सीबीआइ कर रही है।

दूसरी सिविल सेवा परीक्षा

यह परीक्षा 175 पदों के लिए ली गई थी। दूसरी सिविल सेवा परीक्षा के मेन्स एग्जाम का रिजल्ट 9 अक्टूबर 2007 को जारी किया गया। मेन्स में क्वालिफाई करने वाले कैंडिडेट्स तैयारियों में जुटे थे कि आयोग ने मेन्स का एडिशनल रिजल्ट जारी कर दिया। इस परीक्षा में उत्तर पुस्तिका में हेरफेर का आरोप लगा। एडिशनल रिजल्ट जारी होने से करीब 250 और कैंडिडेट्स को इंटरव्यू के लिए कॉल लेटर भेजा गया। इस तरह इंटरव्यू देनेवाले कैंडिडेट्स की संख्या काफी बढ़ गई। आयोग द्वारा मेन्स का एडिशनल रिजल्ट जारी करना भी विवादों को जन्म दे गया।

तीसरी सिविल सेवा

तीसरी सिविल सेवा का विवाद संशोधित मेरिट का है। आयोग ने 23 सितंबर 2012 को अंतिम परिणाम जारी किया। यह परिणाम विवादों में आ गया। जिसके बाद आयोग ने संशोधित मेरिट लिस्ट निकाल दी। पहली मेरिट लिस्ट में शामिल सात कैंडिडेट्स दूसरी बार असफल घोषित कर दिए गए। सात नए अभ्यर्थियों को मेरिट लिस्ट में जगह मिल गई।

'महादेव' का सियासी प्रकोप

जिस सट्टा केस में पूर्व सीएम पर एफआईआर, उसे जूस वाले ने शुरू किया था, अब चुनाव में बड़ा मुद्दा

रायपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब महादेव सट्टा ऐप केस बड़ा सियासी मुद्दा बन चुका है। कांग्रेस नेताओं पर भाजपा महादेव के प्रकोप का राजनीतिक तंज कस रही है, तो वहीं कांग्रेस कह रही है प्रदेश की साय सरकार के काल में सट्टे का काम अब भी "सायं-सायं' चल रहा है। सट्टा केस में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के नाम पर एफआईआर दर्ज होने के बाद सियासी बवाल शुरू हो गया।

सट्टा ऐप की शुरुआत कुछ ही साल पहले भिलाई के रहने वाले एक जूस शॉप के मालिक ने की। आज की तारीख में छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा पॉलिटिकल केस महादेव सट्टा ऐप बन चुका है क्योंकि इसमें अफसर से लेकर नेताओं तक के शामिल होने की बात ईडी ने की है। इस रिपोर्ट में समझिए इस पूरे कांड को।

मार्च में ही महादेव सट्टा मामले में ईडी के प्रतिवेदन पर ईओडब्ल्यू ने साजिश, जालसाजी और भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल, शुभम सोनी के साथ अज्ञात पुलिस अधिकारियों पर भी एफआईआर दर्ज की गई है।

ईडी हिरासत में चल रहे गिरीश तलरेजा और सूरज चोखानी नाम के कारोबारी इसी महीने में पकड़े गए और जेल में हैं। 2023 में रायपुर और दुर्ग में छापेमारी कर ईडी ने इस मामले में कहा था कि प्रदेश के कुछ नेताओं और पुलिस अफसरों की मदद से सट्टे का रैकेट चला और विदेशों में पैसे पहुंचाए गए।

भूपेश बघेल को 508 करोड़ देने की बात

ईडी ने बयान जारी कर बताया था कि महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रमोटरों ने छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 508 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। 2023 विधानसभा चुनाव से यह दावा, गिरफ्तार किए गए कैश कूरियर (पैसा पहुंचाने वाले प्यादे) असीम दास के हवाले से किया गया।

2 नवंबर को ईडी ने कूरियर असीम दास उर्फ बप्पा दास के पास से 5.39 करोड़ रुपए बरामद करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था। असीम दास और उसका साथी कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव रायपुर की जेल में बंद है। भूपेश बघेल ने कहा था कि असीम जिस गाड़ी के साथ मिला वो भाजपा नेता की गाड़ी थी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र में महादेव सट्टा ऐप मामला उठा। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा महादेव सट्टा ऐप वालों के घर बुलडोजर से गिराए जाएं, बड़ी मछली नहीं पकड़ी गई हैं, इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मगरमच्छ भी पकड़े जाएंगे।

मूणत के मुताबिक इस केस में संलिप्त अफसरों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने गृहमंत्री विजय शर्मा से विशेष जांच की घोषणा करने की मांग की। इस पर मंत्री शर्मा ने कहा कि जांच ईडी कर रही है। वो खत्म हो जाए, तो प्रदेश सरकार भी देखेगी। ताजा अपडेट ये है कि ईडी ने केस की जानकारी प्रदेश सरकार की एजेंसी एसीबी को दी है इसी के बाद बखेड़ा खड़ा हुआ है।

झारखंड में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का दिखेगा असर

कल से चलेगी तेज हवाएं, ओला गिरने की भी संभावना, कई जिलों में यलो अलर्ट

रांची, 18 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर झारखंड के मौसम पर भी पड़ेगा। ओलावृष्टि, वज्रपात और हवा की तेज रफ्तार की आशंका को देखते हुए मौसम विज्ञान केंद्र ने कई जिलों के लिए यलो तो कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा है कि राज्य के सात क्षेत्रों में मंगलवार को तेज गति से हवा चल सकती है। इस दिन बारिश के साथ ओलावृष्टि का भी अनुमान है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही संबंधित जिला से किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है।

रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वरीय मौसम विज्ञानी डॉ अभिषेक आनंद की ओर से जारी सूचना के अनुसार मंगलवार को कई जिलों में कहीं-कहीं 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से राज्य के दक्षिणी जिलों में मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा। राज्य के दक्षिणी जिलों को छोड़ कर अन्य जिलों के लिए मौसम केंद्र ने यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे हो सकती है। कहीं-कहीं बारिश का अनुमान है। 20 मार्च तक मौसम का मिजाज बदला रह सकता है। इसके बाद मौसम शुष्क रहेगा। मौसम में बदलाव से तापमान भी गिरेगा।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान

19 मार्च : राज्य के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना है। गुमला, खूंटी, रांची, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम जिलों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त गुमला, खूंटी, रांची, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की भी संभावना है। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर हो सकती है।

20 मार्च : मौसम लगभग खराब ही रहने वाला है। राज्य में कहीं-कहीं गर्जन और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वज्रपात भी हो सकता है।

मौर्य एक्सप्रेस से मिली अवैध शराब

देवघर, 18 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव और होली त्योहार को लेकर प्रशासन एक्टिव है। प्राप्त सूचना के आधार पर तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। रेल प्रशासन ने भी रेल खंड में सुरक्षा बढ़ा दिया है । इसी क्रम में रविवार की रात ट्रेन संख्या 15027अप मौर्य एक्सप्रेस ट्रेन से हजारों रुपए के अवैध शराब जप्त किए गए। यह जप्ती उस समय हुई जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंची और रेल प्रशासन ने जांच की। बताया जा रहा है कि शराब को बिहार ले जाया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक ट्रेन जब मधुपुर पहुंची तो टीम ने सर्च अभियान चलाया। जहां ट्रेन के एसी ए/1 बोगी के बाथरूम में लावारिस अवस्था में थैला और पीठठु बैग मिला। उसे रेल थाना लाकर खोला गया। जिसमें में 18 पीस 500 एमएल केन बियर और करीब 31पीस 300 एमएल का छोटा एर्व बड़ा 4 पीस 600 एमएल देसी शराब की बोतलें मिली। जिसका कुल मूल्य 5980 बताया गया। इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है । बरामद शराब को आवश्यक कार्यवाही हेतु देवघर के उत्पाद विभाग को भेज दिया गया है। मधुपुर जीआरपी के एएसआई शाहेब राम के नेतृत्व में हजारों रुपए मूल्य के देशी और विदेशी कैन बियर शराब बरामद किया है । रेल थाना सब-इंस्पेक्टर बीरबलराम ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की शराब धंधेबाज द्वारा ट्रेन से अवैध रूप से मौर्य एक्सप्रेस ट्रेन से शराब बिहार ले जा रहे हैं। ट्रेन में सर्च अभियान के दौरान एएसआई रविंद्र नाथ सिंह, दिवाकर चौधरी, हवलदार तुरतन तिव, आरक्षी दुलाल पांडे, तुलसीदास, रहबर इस्लाम बैग, मुकेश दास ने अवैध शराब बरामद किए हैं।

छोटी-बड़ी जीत

सबसे कम 1445 वोटों से अर्जुन मुंडा और सबसे अधिक 4,86,194 वोटों से जीते थे पीएन सिंह

रांची, 18 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2019 में सबसे कम और सबसे अधिक वोटों से जीतने का रिकार्ड भाजपा का था। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा खूंटी संसदीय क्षेत्र से सबसे कम 1445 वोटों के अंतर से जीते। उन्होंने कांग्रेस के कालीचरण मुंडा को हराया था। वहीं, धनबाद में सबसे अधिक 4,86,194 वोटों के अंतर से भाजपा के पीएन सिंह ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने कांग्रेस के कीर्ति आजाद पर जीत दर्ज की थी। एनडीए ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 14 में से 12 संसदीय क्षेत्रों पर कब्जा किया था। इनमें भाजपा 13 सीटों पर लड़कर 11 सीटें जीती थी, जबकि आजसू ने एक सीट पर उम्मीदवार उतार कर जीत हासिल की थी। कांग्रेस-झामुमो को एक-एक सीट मिली थी। भाजपा के सामने इस बार खूंटी में बेहतर प्रदर्शन की चुनौती है। साथ ही, सहयोगी दल आजसू के साथ पूर्व की 12 सीटों में बढ़ोतरी दर्ज का भी चैलेंज है। लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा को 57 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली थी। जबतक, कांग्रेस को 11, झामुमो को 7 और आजसू को 6 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली थी। हालांकि, भाजपा बढ़त को विधानसभा चुनाव में कायम नहीं रख पाई। झामुमो के दिग्गज नेता रहे हेमलाल मुर्मू ने भाजपा की टिकट पर राजमहल संसदीय लोकसभा चुनाव लड़ा था। हालांकि उनका जादू नहीं चल पाया था। झामुमो के विजय हांसदा ने उन्हें 99 हजार 145 वोटों से हराया था। लगातार हार से खिन्न हेमलाल फिर से झामुमो में शामिल हो चुके हैं। पिछली बार कांग्रेस के कीर्ति आजाद 4 लाख 86 हजार 194 वोटों के भारी अंतर से चुनाव हारे थे। कांग्रेस में सबसे ज्यादा अंतर से हारनेवालों में कीर्ति आजाद पहले नंबर पर रहे थे। भाजपा के पीएन सिंह ने उन्हें हराया था। वर्तमान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेवीएम से चुनाव लड़ा था, जिसमें वे 4 लाख 55 हजार 600 वोटों के भारी अंतर से पराजित हुए। भाजपा की अन्नपूर्णा देवी ने उन्हें हराया था। झारखंड में चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की तैयारी की है।

प्रोफेसर को जान से मारने की धमकी

पहले फोन कर मिलने बुलाया, फिर पास न करने पर किया गाली गलौच, दो गिरफ्तार

कोरबा, 18 मार्च (एजेंसियां)। कोरबा के मानिकपुर चौकी क्षेत्र के तहत ओरिएंटल मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ एसईसीएल सुभाष ब्लॉक निवासी महेश्वर भारती को कुछ युवकों ने फोन किया और एडमिशन लेने संबंधित बातचीत की। प्रोफेसर ने कॉलेज जाकर इस संबंध में जानकारी लेने की बात की लेकिन उसके बाद भी युवक फोन करके परेशान कर रहे थे तब प्रोफेसर ने तंग आकर युवकों से मुलाकात की। प्रोफेसर अपने पत्नी और बच्चों के साथ कार पर गया इस दौरान युवक उनसे मिले और सीधे गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। जब प्रोफेसर की पत्नी कार से नीचे उतर कर मोबाइल में वीडियो बनाने लगी तो सभी मौके से फरार हो गये। प्रोफेसर ने इसकी शिकायत मानिकपुर चौकी पुलिस से की जहां पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मोबाइल नंबर की लोकेशन के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रोफेसर ने बताया कि ओरिएंटल मेडिकल कॉलेज में इससे पहले भी एक प्रोफेसर को धमकी दी जा चुकी है। इस घटना के बाद से वह डरा सहमा हुआ है।

गांजा-ब्राउन शुगर तस्कर देवर-भाभी गिरफ्तार, 4 अब भी फरार

रांची, 18 मार्च (एजेंसियां)। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के विद्यानगर स्थित आनंदपुरी चौक के समीप गांजा व ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए पवन कुमार और कोमल देवी रिश्ते में देवर-भाभी हैं। पुलिस ने रविवार को दोनों को जेल भेज दिया। पवन मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर स्थित राजपुर पतसिया का रहने वाला है। पवन अपनी भाभी कोमल देवी और भाई बबलू यादव समेत 4 अन्य लोगों के साथ मिलकर गांजा-ब्राउन शुगर तस्करी का गिरोह चला रहा था। पवन की निशानदेही पर पुलिस ने जब आनंदपुरी चौक स्थित घर पर छापेमारी की तो उसकी भाभी कोमल देवी के पास से 31 पुड़िया गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने कोमल देवी को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार दोनों आरोपियों ने गांजा व ब्राउन शुगर तस्करी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस को कोमल देवी के पति समेत चार अन्य की तलाश है, छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने पवन को गिरफ्तार करने के बाद हथकड़ी लगाकर उसके मोहल्ले में घुमाया। लोगों को बताया कि देखिए आपके मुहल्ले में ही आपके बच्चों की जिंदगी बर्बाद करने वाला शैतान रहता है।

गिरफ्तार महिला कोमल देवी का पति बबलू और कृष्ण यादव समेत गिरोह के अन्य सदस्य दूसरे जिले से गांजा व ब्राउन शुगर आनंदपुरी चौक स्थित घर तक लाते थे। वहीं आरोपी महिला गांजा और ब्राउन शुगर की पुड़िया तैयार करती थी, जिसे उसका देवर पवन बाइक से अलग-अलग जगह पर डिलीवरी देता था। रविवार को एक बैग में ब्राउन शुगर लेकर पवन बाइक पर निकला। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय और सुखदेवनगर थाना प्रभारी सादे लिबास में खुद ग्राहक बनकर पवन तक पहुंचे। ई-रिक्शा में सवार दोनों पुलिस पदाधिकारी की नजर जैसे ही सड़क किनारे खड़े एक बाइक पर पड़ी, दोनों को संदेह हुआ। इसके बाद ग्राहक बन कर दोनों पवन के पास पहुंचे और उसे गिरफ्तार कर लिया।

खनिज न्यास में भारी गड़बड़ी

फेकल्टी मेंबर की सेवा समाप्ति के खिलाफ याचिका, सीईओ को नोटिस जारी कर किया तलब

बिलासपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा में जिला खनिज न्यास मद में 52 लाख रुपये की गड़बड़ी हुई, यह मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। मामले में जिला पंचायत ने दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने के बजाए एक फेकल्टी मेंबर की सेवा समाप्त कर दी। उनकी याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने जिला पंचायत सीईओ को नोटिस जारी किया था, जिसका जवाब नहीं देने से नाराज हाईकोर्ट ने सीईओ को घोटाले की फाइल के साथ 9 अप्रैल को तलब किया है। इस मामले को लेकर याचिकाकर्ता चंद्रहास जायसवाल ने एडवोकेट प्रतीक शर्मा के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। जिसमे बताया गया है, कि जिला पंचायत जांजगीर-चांपा में मुख्यमंत्री सशक्तीकरण योजना के तहत संकाय सदस्य के पद पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। जिस पर याचिकाकर्ता को मैरिट लिस्ट के आधार पर 25 जनवरी 2017 को नियुक्ति दी गई। इस बीच बिना किसी शिकायत के वह 9 सितंबर 2023 तक काम करता रहा। याचिकाकर्ता के मुताबिक जिला खनिज संस्थान न्यास मद के अंतर्गत कौशल विकास और रोजगार चयन में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण सह टूल्स प्रदाय व अन्य कार्य के लिए 30 मार्च 2021 को 52 लाख 4 हजार 500 रुपए की राशि की प्रशासकीय स्वीकृति मिली। इसके लिए विधिवत टेंडर मंगवा कर काम कराने के बाद भुगतान किया गया। जिसके बाद डीएमएफ के इस काम में गड़बड़ी की शिकायत की गई, तो जांच में 52 लाख रुपए की गड़बड़ी पाई गई, और कलेक्टर के निर्देश पर उनकी सेवा समाप्त कर दी गई। याचिकाकर्ता का कहना है कि जिस काम के लिए उन्हें दोषी बताया गया है, उसमें उनका काम केवल विभाग में प्रस्तुत दस्तावेजों का परीक्षण करना था, लेकिन उन पर ही कार्रवाई की गई।

दावा- रूस पर अमेरिकी हमला हुआ तो चीन सेना भेजेगा

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा था- नाटो को यूक्रेन में सैनिक भेजने चाहिए

बीजिंग, 18 मार्च (एजेंसियां)। चीन की डिफेंस मिनिस्ट्री के एक रिप्रजेंटेटिव ने दावा किया है कि अगर अमेरिका या नाटो देश रूस पर हमला करते हैं तो चीन सेना भेजेगा। यह बात ऐसे समय सामने आई है जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने कहा था कि नाटो को यूक्रेन में सैनिक भेजने चाहिए।

वहीं, पिछले हफ्ते ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अमेरिका को वॉर्निंग देते हुए कहा था- रूस परमाणु जंग के लिए तैयार है और यूक्रेन में अमेरिकी सेना की तैनाती को जंग बढ़ाने के तौर पर देखा जाएगा।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा था- यूक्रेन में ग्राउंड ऑपरेशन चलाने की जरूरत

पिछले महीने फ्रांस के राष्ट्रपति ने यूक्रेन में सेना उतारने की संभावनाओं को खारिज करने से इनकार कर दिया था। शुक्रवार को उन्होंने फिर से ये बात दोहराई। उन्होंने एक फ्रांसीसी अखबार ला पेरिसियन से कहा- मैं भी नहीं चाहता की ऐसा हो। मैं इसकी पहल भी नहीं करूंगा पर हमें रूसी सेना को खदेड़ने के लिए यूक्रेन में ग्राउंड ऑपरेशन चलाने की जरूरत है चाहे वो जैसे भी हो।

इटली भी बोला- यूक्रेन में नाटो सैनिक भेजे तो विश्व युद्ध होगा

मैक्रों के बयान के बाद इटली ने 17 मार्च को चेतावनी दी कि अगर नाटो ने अपने सैनिक यूक्रेन भेजे तो तीसरा विश्व युद्ध छिड़ जाएगा। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा- मुझे नहीं लगता है कि नाटो को अपने सैनिक यूक्रेन भेजने चाहिए। अगर ऐसा हुआ तो ये बड़ी गलती होगी। हमें यूक्रेन की इतनी मदद करनी चाहिए जिससे वो अपनी रक्षा कर सके। यूक्रेन में घुसकर रूस के खिलाफ लड़ने का मतलब तीसरे विश्व युद्ध को न्यौता देना होगा।

न्यूक्लियर पावर से चलने वाला रॉकेट भी बनाएंगे रूस-चीन

इधर, रूस और चीन के बीच नजदीकी बढ़ रही हैं। दोनों देश मिलकर चांद पर परमाणु प्लांट बनाना चाहते हैं। इसके लिए दोनों मिलकर काम भी करेंगे। रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस के सीईओ यूरी बोरिसोव ने कहा था कि 2033-35 में रूस और चीन मिलकर चांद की सतह पर न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाएंगे।

रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस के सीईओ यूरी बोरिसोव ने कहा था- न्यूक्लियर पावर प्लांट को चांद की सतह तक पहुंचाने के लिए रूस न्यूक्लियर पावर से चलने वाला रॉकेट ज्यूस बनाएगा। ये एक कार्गो रॉकेट होगा और पूरी तरह से ऑटोमैटिक होगा। इसे चलाने के लिए इंसान की जरूरत नहीं होगी, सिर्फ लॉन्चिंग पर इंसानों को ध्यान देना होगा।

19 मार्च 2023 को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 2 दिन के दौरे पर रूस पहुंचे थे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात की थी। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने माना था कि न्यूक्लियर वॉर कभी नहीं होना चाहिए। पुतिन ने कहा था कि चीन के पीस प्लान को जंग खत्म करने के आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। चीन के 12 प्वाइंट के पीस प्लान में सिर्फ बातचीत करने और राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करने की बात कही गई। 4 फरवरी 2022 को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन विंटर ओलिंपिक्स की इनॉगरेशन सेरेमनी के लिए बीजिंग पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा था कि रूस 'वन चाइना पॉलिसी' का समर्थन करता है। चीन वन ताइना पॉलिसी के तहत ताइवान को अपना हिस्सा बताता है। वहीं, दोनों देशों ने एक दूसरे के हितों की रक्षा के लिए सहयोग की बात भी कही थी। इसमें उनकी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और घरेलू मामलों में किसी अन्य देश का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करना शामिल है।

खैबर पख्तूनख्वा में एक घर की छत गिरने से छह की मौत

मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल

इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक घर का छत गिरने से उसमें रहने वाले छह लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चा भी शामिल है। यह घटना सोमवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दक्षिणी वजीरिस्तान आदिवासी जिले के रघजई इलाके की है।

इस घटना में 10 लोग घायल हो गए हैं। सभी घायलों को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने बताया कि घायलों की हालत अभी भी गंभीर है। प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की।

इसके साथ ही उन्होंने पीड़ितों के परिवार को सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन को निर्देश भी दिया है।

पुतिन ने पहली बार नवलनी की मौत पर बयान दिया

कहा- यह दुखद, मैंने तो कैदियों की अदला-बदली में एलेक्सी के नाम को मंजूरी दी थी

मास्को, 18 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद व्लादिमिर पुतिन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवलनी की मौत पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने पहली बार अपने सबसे बड़े विरोधी एलेक्सी नवलनी की मौत पर बात की। कहा- उनकी मौत दुख की बात है। मैंने कैदियों की अदला-बदली में एलेक्सी के नाम को मंजूरी दी थी। लेकिन उसके पहले ही उनकी मौत हो गई।

पुतिन ने कई सालों में पहली बार नवलनी को नाम से पुकारा। उन्होंने कई बार एलेक्सी नाम लिया। उन्होंने कहा- एलेक्सी की अदला-बदली पश्चिमी देश के कैदियों से होने वाली थी। मैंने बस एक शर्त रखी थी। कहा था- अदला-बदली तभी होगी जब यह सुनिश्चित किया जाए कि एलेक्सी वापस रूस कभी नहीं आएगे। लेकिन ये सब होने से पहली ही एलेक्सी की मौत हो गई। हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। यही जीवन है।

नवलनी की टीम की एक मेंबर मारिया पेवचिख ने पुतिन की कैदियों की अदला-बदली वाली को नकारा है। उन्होंने कहा- पुतिन ने नवलनी की अदला-बदली को मंजूरी नहीं दी थी। उन्होंने

नवलनी से छुटकारा पाने के लिए ऑर्डर दिए थे। नवलनी की प्रवक्ता किरा यारमाइश ने भी कहा कि था उन्हें पूरा यकीन है कि नवलनी की हत्या की गई है। इसके आदेश खुद राष्ट्रपति पुतिन ने दिए थे। नवलनी की मौत 16 फरवरी को रूस की सबसे खतरनाक जेल पोलर वुल्फ में हुई थी। जेल अफसरों ने कहा था- नवलनी की तबीयत खराब हुई थी। वे टहलकर लौटे थे, जिसके बाद उन्हें अच्छा महसूस नहीं हो रहा था। इसके बाद वे बेहोश होकर गिर गए थे। हालांकि, मौत की असली वजह सामने नहीं आई। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि नवलनी की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई। नवलनी पर 2017 में जानलेवा हमला हुआ था। हमले में उनकी आंख में गंभीर चोट आई थी। साल 2018 में उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में खड़े होने की कोशिश की, लेकिन धोखाधड़ी के आरोप के चलते वे ऐसा न कर सके। एलेक्सी ने इसे सरकार की साजिश बताया था। जुलाई 2019 में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करने के ऐलान के बाद नवलनी को 1 महीने की जेल हुई थी।

उस वक्त जेल में तबीयत बिगड़ने के बाद कहा गया कि नवलनी को जहर देने की कोशिश हुई है। इसके बाद साल 2020 में भी उन्हें जहर देने की कोशिश की गई। वह फ्लाइट में बेहोशी की हालत में पाए गए थे, जिसके बाद फ्लाइट की जर्मनी में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ठीक होने के बाद गिरफ्तारी की खतरे के बावजूद नवलनी 2021 में रूस लौटे। रूस में कदम रखते ही सेना ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

नवलनी ने यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन के खिलाफ जेल से अभियान चलाया था। सीएनएन के मुताबिक, अगस्त में सजा सुनाए जाने के बाद नवलनी ने कहा था कि सालों की ये सजा उनके लिए मायने नहीं रखती। 2022 में रूस के एलेक्सी नवलनी पर बनी डॉक्यूमेंट्री ने ऑस्कर अवॉर्ड जीता था।

द.कोरिया पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री, उ.कोरिया ने मिसाइलें दागीं

आधे घंटे में तीन बैलिस्टिक मिसाइलें फायर की, इनकी रेंज 350 किलोमीटर

प्योंगयांग, 18 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने सोमवार सुबह ईस्ट सी (सी ऑफ जापान) में तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। साउथ कोरिया के डिफेंस मिनिस्ट्री ने इसकी जानकारी दी। डिफेंस मिनिस्ट्री ने एक बयान में कहा- नॉर्थ कोरिया ने सी ऑफ जापान की तरफ मिसाइल फायर की। जापान के कोस्ट गार्ड ने भी इसकी पुष्टि की है। वहीं, जापानी डिफेंस मिनिस्ट्री ने बताया कि मिसाइल 50 किलोमीटर की ऊंचाई तक गई और इनकी रेंज 350 किलोमीटर थी।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया की तरफ से यह मिसाइलें ऐसे समय दागी गई हैं जब अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन साउथ कोरिया के दौरे पर हैं। ब्लिंकन रविवार देर रात साउथ कोरिया की राजधानी सियोल पहुंचे। सोमवार सुबह 7.44 बजे से 8.22 बजे के बीच नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया की तरफ मिसाइलें दाग दीं।

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने नॉर्थ कोरिया की तरफ

से दागी गई मिसाइलों को भड़काऊ हरकत बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 14 मार्च को नॉर्थ कोरिया के राष्ट्रपति और तानाशाह किम जोंग उन ने टैंक चलाया था। वो इन टैंक की मारक क्षमताओं से काफी प्रभावित नजर आए थे। इस टेस्टिंग से एक दिन पहले अमेरिका और साउथ कोरिया ने जॉइंट मिलिट्री ड्रिल की थी।

नॉर्थ कोरिया अक्सर अमेरिका और साउथ कोरिया की मिलिट्री ड्रिल के जवाब में मिसाइल-टैंक या नए हथियारों की टेस्टिंग करता है। अगस्त 2023 में तानाशाह ने कहा था- अमेरिका और साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास हमारे देश पर हमले करने की तैयारी में करते हैं। नॉर्थ कोरिया के परमाणु देश बनने के बाद से उसके साथ जंग लड़ चुके साउथ कोरिया को अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा है। इसे देखते हुए अमेरिका और साउथ कोरिया डिफेंस को-ऑपरेशन बढ़ा रहे हैं। इसके लिए मिलिट्री एक्सरसाइज की जा रही हैं। वहीं, साउथ कोरिया में 27 हजार अमेरिका सैनिक तैनात हैं।

एंटनी ब्लिंकन के सियोल आने की वजह

2022 में राष्ट्रपति जो बाइडेन की पहल से अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच समिट फॉर डेमोक्रेसी शुरू हुई। यह बैठक हर साल होती है। इस बार साउथ कोरिया में हो रही है। समिट फॉर डेमोक्रेसी की तीसरी बैठक में शामिल होने के लिए ही अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सियोल पहुंचे हैं।

एमएच370 के पायलट ने ही गायब की फ्लाइट

10 साल से रहस्य बने मलेशियाई विमान के बारे में चौंकाने वाला दावा

लंदन, 18 मार्च (एजेंसियां)। बोइंग एक यात्री विमान एमएच370 ने 10 साल पहले इसी मार्च महीने में मलेशिया के कुआलालांपुर से बीजिंग के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन आज तक वो फ्लाइट लैंड नहीं हुई। आप ये पढ़कर हैरान हो रहें होंगे कि ये कैसे हुआ होगा, तो बिल्कुल दुनिया भर में लोगों के लिए ये आज तक ये रहस्य बना हुआ है कि उस फ्लाइट का हुआ क्या? उड़ान के कुछ देर बाद ही ये फ्लाइट रडार के मैप से गायब हो गई और फिर इसका कुछ पता नहीं चला। न जाने कितने खोजी अभियान चलाए गए लेकिन फ्लाइट का कुछ पता ही नहीं चला। इस फ्लाइट के बारे में कई दावे किए गए लेकिन असली सच कभी सामने नहीं आ पाया। अब एक ब्रिटिश बोइंग 777 पायलट ने दावा किया है कि एमएच 370 के पायलट ने विमान को गायब करने की योजना बनाई थी। ब्रिटिश पायलट साइमन हार्डी फ्लाइट के टेक-ऑफ दस्तावेज के आधार पर ये दावा किया है।

जयशंकर बोले- अमेरिका ने सीएए को समझे बिना टिप्पणी की

कहा- दुनिया के बयानों से लगता है भारत का कभी विभाजन ही नहीं हुआ

वॉशिंगटन, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के इतिहास को लेकर अमेरिका की समझ पर सवाल उठाए हैं। सीएए पर अमेरिका के बयान को लेकर जयशंकर ने कहा- यह टिप्पणी सीएए को समझे बिना की गई। कानून का मकसद भारत के विभाजन के दौरान पैदा हुई समस्याओं का हल निकालना है।

इंडिया टुडे कॉनक्लेव में विदेश मंत्री ने कहा- मैं अमेरिका के लोकतंत्र की खामियों या उसके उसूलों पर सवाल नहीं उठा रहा हूं। मैं हमारे इतिहास के बारे में उनकी समझ पर सवाल उठा रहा हूं। अगर आप दुनिया के कई हिस्सों से दिए जा रहे बयानों को सुनेंगे, तो ऐसा लगता है जैसे भारत का विभाजन कभी हुआ ही नहीं। जैसे देश में कभी इसकी वजह से कोई ऐसी समस्या नहीं थी, जिसका सीएए ने हल दिया है। कॉनक्लेव में भारत में मौजूद अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- अमेरिका कभी भी अपने सिद्धांतों को नहीं छोड़ेगा। धार्मिक आजादी और समानता लोकतंत्र की

आधारशिला है। अमेरिका सीएए को लेकर चिंतित था और इसे लागू करने के तरीके पर नजर रखे हुए है। गार्सेटी के बयान पर जयशंकर ने कहा- आप एक समस्या ढूंढते हैं और उसके पीछे की वजह, उसके इतिहास को हटा देते हैं। फिर उस पर राजनीतिक तर्क दिया जाता है और इसे सिद्धांत बताया जाता है। हमारे पास भी सिद्धांत हैं। इनमें से एक है उन लोगों की तरफ हमारी जिम्मेदारी जिन्हें विभाजन के समय परेशानियां झेलनी पड़ी थीं।

विदेश मंत्री ने आगे कहा- अगर आप मुझसे पूछें कि क्या दूसरे देश भी जाति या धर्म के आधार पर तेजी से नागरिकता देते हैं, तो मैं आपको कई उदाहरण दे सकता हूं। अगर बहुत बड़े पैमाने पर कोई फैसला लिया जाता है, तो तुरंत उसके सभी परिणामों से निपटा नहीं जा सकता।

दरअसल, 2 दिन पहले व्हाइट हाउस के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था- अमेरिका 11 मार्च को आए सीएए के नोटिफिकेशन को लेकर चिंतित हैं। इस कानून को कैसे लागू किया जाएगा, इस पर हमारी नजर रहेगी। धार्मिक स्वतंत्रता का आदर करना और कानून के तहत सभी समुदायों के साथ बराबरी से पेश आना लोकतांत्रिक सिद्धांत है।

इस पर विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया था। उन्होंने कहा था- नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 भारत का आंतरिक मामला है और इस पर अमेरिका का बयान गलत है। जिन लोगों को भारत की परंपराओं और विभाजन के बाद के इतिहास की समझ नहीं है, उन्हें लेक्चर देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। सीएए नागरिकता देने के बारे में है, नागरिकता छीनने के बारे में नहीं।

सीएए अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के उन अल्पसंख्यकों को सुरक्षित पनाह देता है, जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आ चुके हैं।

केंद्र सरकार ने 11 मार्च को सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए का नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके साथ ही यह कानून देशभर में लागू हो गया। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया।

किसे मिलेगी नागरिकताः 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इन तीन देशों के लोग ही नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे।

पाक फौज की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक

तालिबान ने कहा- 8 लोग मारे गए, पाकिस्तान का जवाब-आतंकी कमांडर मार गिराया

काबुल/इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी फौज ने 17 और 18 मार्च की दरमियानी रात उसके दो इलाकों पर एयरस्ट्राइक की। इसमें आठ लोग मारे गए।

दूसरी तरफ, पाकिस्तान की तरफ से जो बयान जारी किया गया है, उसमें अफगानिस्तान शब्द का इस्तेमाल तक नहीं किया गया। इस बयान में कहा गया- इंटेलिजेंस इनपुट के बेस पर कार्रवाई की गई। वजीरिस्तान के कुछ इलाकों में यह ऑपरेशन हुआ। इसमें एक आतंकी कमांडर समेत 8 लोग मारे गए।

पाकिस्तान के अखबार 'द डॉन' की रिपोर्ट में अफगान हुकूमत के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद के हवाले से इस घटना के बारे में बताया गया है। मुजाहिद ने कहा- रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे हमारे खोस्त और पकतिका प्रांत पर पाकिस्तानी एयरफोर्स के फाइटर

जेट्स ने बमबारी की। यह रिहायशी इलाके थे। 8 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान ने आम अफगान लोगों को निशाना बनाया है। मारे गए लोगों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

शनिवार को पाकिस्तान के नॉर्थ वजीरिस्तान इलाके में आतंकी हमला हुआ था। इसमें दो फौजी अफसर मारे गए थे। प्रेसिडेंट आसिफ अली जरदारी इनको सुपुर्द-ए-खाक किए जाने के वक्त मौजूद थे। उन्होंने कहा था- शहीदों के खून का बदला लिया जाएगा। अगर सीमा पार से हमारे देश पर हमला होता है तो हम माकूल जवाब देंगे।

शनिवार को हुए हमले की जिम्मेदारी हाफिज गुल बहादुर ग्रुप ने ली थी। इसके बाद पाकिस्तानी फौज ने कहा था कि यह ग्रुप अफगानिस्तान में पनाह लेता है और बॉर्डर क्रॉस करके पाकिस्तान में हमले करता है। इसके बाद आतंकी फिर अफगानिस्तान के खोस्त इलाके में छिप जाते हैं।

अगर लोकेशन की बात करें तो अफगानिस्तान का पकतिका प्रांत पाकिस्तान के साउथ वजीरिस्तान से लगा हुआ है। वहीं, खोस्त प्रॉविंस नॉर्थ वजीरिस्तान का बॉर्डर एरिया है।

अफगानिस्तान पर आरोप लगाना बंद करे पाकिस्तान

तालिबान हुकूमत के प्रवक्ता मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर कहा- पाकिस्तान कह रहा है कि उसने आतंकी अब्दुल्लाह शाह को निशाना बनाने के लिए हमला किया। शाह तो पाकिस्तान में रहता है। हम इन हमलों की निंदा करते हैं और पाकिस्तान से कहना चाहते हैं कि यह अफगानिस्तान की आजादी पर हमला है। अच्छा होगा कि पाकिस्तान अब हम पर आरोप लगाना बंद करे। वो अपनी नाकामी का ठीकरा अफगानिस्तान पर फोड़ना चाहते हैं।

मालदीव के भी सगे नहीं मुइज्जू

तुर्की दौरे को लेकर बोला झूठ, एर्दोगन के दामाद से मुलाकात पर बवाल

माले, 18 मार्च (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के झूठ की पोल खुल गई है। उन्होंने तुर्की के दौरे को लेकर अवाम से सफेद झूठ बोला था। दरअसल, मुइज्जू ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद 26 नवंबर को तुर्की की आधिकारिक यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने तुर्की के कई व्यापारियों से मुलाकात की थी, लेकिन उनके नाम को छिपाए रखा। आरोप लगे कि मुइज्जू ने तुर्की के अधिकारियों के साथ सैन्य वार्ता की थी। इन मुलाकातों का दावा करने वाली कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की गई थीं। जब जनता ने मुइज्जू की तुर्की के व्यापारियों से मुलाकात को लेकर सवाल पूछा तो मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय ने झूठा जवाब दिया। इसके बाद से ही मालदीव की जनता ने मुइज्जू के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है।

मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय ने झूठी जानकारी दी

इन तथ्यों का पता लगाने के लिए मालदीव के मीडिया ग्रुप अधाधु ने सूचना के अधिकार कानून के तहत राष्ट्रपति कार्यालय से जानकारी मांगी। जानकारी में उन व्यवसायियों के नाम को बताने का अनुरोध किया गया था, जिनसे मुइज्जू ने तुर्की की यात्रा के दौरान मुलाकात की थी। इस अनुरोध 9 दिसंबर, 2023 को महोअली पोर्टल के माध्यम से राष्ट्रपति कार्यालय को भेजा गया था। 28 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति कार्यालय की प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इसमें लिखा है, हम आपको सूचित करते हैं कि राष्ट्रपति डॉ मोहम्मद मुइज्जू ने अपनी तुर्की यात्रा पर किसी भी व्यवसायी से मुलाकात नहीं की। हालांकि, शुक्रवार रात मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स (एमएनडीएफ) एयर कॉर्प्स के उद्घाटन समारोह के दौरान, मुइज्जू ने तुर्की के व्यापारियों के साथ मुलाकात की बात स्वीकार की। उन्होंने तुर्की कंपनी बायकर के प्रमुखों से मुलाकात की, जो मालदीव की सेना

के लिए लाए गए मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) या ड्रोन का निर्माण करती हैं। इस बात की पुष्टि मालदीव के सरकारी प्रसारक पीएसएम ने भी की थी। इसे पीएसएम द्वारा प्रसारित लाइव इवेंट के वीडियो में 1:35:16 से 1:35:30 तक सुना जा सकता है। इस दौरान मुइज्जू को कहते हुए सुना जा सकता है, तुर्की सरकार के माध्यम से, तुर्की के राष्ट्रपति के साथ घनिष्ठ संबंधों के कारण, बायकर कंपनी के दो वरिष्ठ अधिकारी, सेल्कुक और उनके भाई हलुक ने हमसे मुलाकात की। अभी हमने जो वीडियो देखा, उसमें उस बैठक के कुछ मिनट दिखाए गए हैं। बायकर तुर्की की सबसे बड़ी निजी रक्षा कंपनियों में से एक है जिसका तुर्की सरकार के साथ घनिष्ठ संबंध है। कंपनी यूएवी और ड्रोन निर्माण, सी4आई और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में माहिर है। 44 वर्षीय सेल्कुक बेकरटार, बायकर के बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) हैं। उन्हें तुर्की के पहले सैन्य यूएवी के डिजाइनर के रूप में जाना जाता है। उन्होंने 2002 में इस्तांबुल तकनीकी विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। 2004 में, उन्होंने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री प्राप्त की। 2006 में, उन्होंने एमआईटी - मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एक और मास्टर डिग्री प्राप्त की।

भारत और रूस ने खोज लिया लाल सागर संकट की काट

चीन का सीना चीरकर करेंगे व्यापार

मॉस्को, 18 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत और रूस के बीच व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर है। इस व्यापार में रूस से आ रहे कच्चे तेल का महत्वपूर्ण स्थान है। भारत रूसी तेल आयात के जरिए अपने देश में लगातार बढ़ रहे ऊर्जा की मांग की पूर्ति कर रहा है। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का अनुमान है कि 2024 में भारत की तेल मांग 5.59 मिलियन बैरल प्रतिदिन होगी, जो 2023 में 5.37 मिलियन बैरल प्रतिदिन के मुकाबले ज्यादा है। भारत का तेल आयात जनवरी 2024 में अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया था। भारत के तेल आयात में रूस की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है। लेकिन, लाल सागर संकट और रूसी टैंकर कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने भारत की टेंशन को बढ़ा दिया है। यही कारण है कि भारत और रूस तेल समेत दूसरे वस्तुओं के व्यापार के लिए एक नए रास्ते की खोज की है। भारतीय रिफाइनरियां रूस से और अधिक मात्रा में तेल का आयात करना चाहती हैं, लेकिन लाल सागर में हूती विद्रोहियों के हमलों के कारण टैंकर की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि हुई है। इस संकट ने वैश्विक शिपिंग और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर दिया है। इसका असर वस्तुओं और कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है। केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, दुनियाभर में कच्चे तेल के निर्यात का 10-12% और गैसोलीन और डीजल सहित दूसरे तेल उत्पाद के निर्यात का 14-15% लाल सागर से होकर गुजरता है।

आईएमएफ के लोन से धोखेबाज पाकिस्तान ने खरीदा हथियार?

चीन से मिला पहला जासूसी जहाज

इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना ने चोरी-छिपे चीन से बेहद शक्तिशाली जासूसी जहाज खरीदा है। पाकिस्तापन के इस पहले जासूसी जहाज को चीन की फूजियान मवेई शिपबिल्डिंग लिमिटेड ने बनाया है। यह जहाज 87 मीटर लंबा है और 19 मीटर चौड़ा है। इस जहाज को 48 नाविक चलाते हैं। माना जा रहा है कि इस जहाज के संचालन में चीनी सेना भी पाकिस्तानी नौसेना की मदद कर रही है। इस जहाज का नाम पीएनएस रिजवान रखा गया है और इसे भारत के ध्रुव स्पाई शिप का जवाब माना जा रहा है। इस जासूसी जहाज के अंदर बने रहस्यमय गुंबद के अंदर ट्रैकिंग सिस्टम और रेडॉर लगाए गए हैं जिसे चीनी वैज्ञानिकों ने असेंबल किया है। बताया जा रहा है कि जून 2023 में पीएनएस रिजवान को पाकिस्तान को चीन ने सौंपा था और यह कराची के नेवल यार्ड पहुंचा था। यह जहाज इंडोनेशिया के पास से होकर पाकिस्तान पहुंचा था। दुनिया में केवल 14 ऐसे देश हैं जिनके पास इस तरह का जासूसी जहाज है। इस जासूसी जहाज को अब पाकिस्तानी नेवी के कैप्टन अशफाक अली इस जहाज को संचालित कर रहे हैं।

हाल के दिनों में चीन के जासूसी जहाजों ने भारत की नाक में दम कर रखा है। चीन के जासूसी जहाज जब भारत मिसाइल का परीक्षण करने लगता है तो हिंद महासागर में आ जाते हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले एक्शन मोड़ में सीएम भजनलाल

निर्दलीय विधायकों को साथ लाने की कोशिश

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही प्रदेश के दोनों प्रमुख दल सक्रिय होने लगे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल भी सक्रिय नजर आ रहे है। सीएम शर्मा ने राज्य के निर्दलीय विधायकों से मुलाकात कर उनसे चुनाव में समर्थन मांगा। इसे लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कुछ निर्दलीय विधायकों से मुलाकात की।

बताया जा रहा है कि बैठक में सभी निर्दलीय विधायकों को बुलाया गया था। लेकिन बैठक अचानक बुलाए जाने के चलते ज्यादातर निर्दलीय विधायक नहीं पहुंच सके। ऋतु बनावत, चन्द्रभान सिंह आक्या सहित अन्य कुछ निर्दलीय पहुंचे। जिनसे लोकसभा चुनाव में मदद करने को लेकर बात की गई। इस दौरान कुछ निर्दलीय विधायकों ने अपने कामकाज को लेकर भी चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक निर्दलीयों के गिले शिकवे सुने गए और सरकार की ओर से उनके क्षेत्रों में विकास कार्यों में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।

जहां जिस वर्ग का बाहुल्य, उसे अपने साथ जोड़ रही भाजपा

लोकसभा चुनाव बड़े अंतर से जीतने के लिए भाजपा लगातार कांग्रेस के नेताओं को अपने खेमे में शामिल करने की रणनीति पर काम कर रही है। उन नेताओं को पार्टी में लाया जा रहा है, जिनकी सीटवार जातिगत पकड़ है या फिर जिनके चेहरों को भाजपा चुनावों में भुना सकती है। भाजपा को उम्मीद है कि क्षेत्र के प्रमुख जातिगत चेहरों को साथ लाने से वर्ग विशेष के वोटों में सेंधमारी हो सकती है।

साथ ही जनता में मैसेज देने का प्रयास भी है कि कांग्रेस प्रदेश में कमजोर स्थिति में है और इसके चलते ही वहां भगदड़ मची है। भाजपा ने पहले 1300 से ज्यादा और दूसरे फेज में 82 नेताओं शामिल कर कई सीट पर अपनी सियासी पकड़ मजबूत की है। जाट बाहुल्य वाले क्षेत्र माने जाने वाले चूरू, नागौर, झुंझुनूं, बाड़मेर, सीकर में सियासी मजबूती के लिए पहले नागौर से कांग्रेस की पूर्व सांसद रही ज्योति मिर्धा की शामिल किया।

रिछपाल मिर्धा, विजयपाल मिर्धा सहित कई जाट नेताओं को नागौर सहित आसपास की जाट बाहुल्य सीटों पर जीत के लिए पार्टी में शामिल किया। जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे लालचंद कटारिया को भी पार्टी ने शामिल किया। चूरू से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रहे प्रताप पूनिया, आरएलपी के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व विधायक पुखराज गर्ग भी आ गए।

अलवर और जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट में यादव वोटों की अहमियत पार्टी ने समझी। पहले कोटपूतली से विधायक व पूर्व मंत्री रहे राजेन्द्र यादव को अपने खेमें में शामिल किया। इसके बाद अलवर सीट पर पूर्व सांसद व जाने माने यादव चेहर करण सिंह यादव, जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सुरेश यादव सहित अन्य यादव वर्ग के चेहरों को साथ ले आए।

राजपूत वर्ग में खासा प्रभाव रखने वाले नेताओं को भी साथ लाए। भाजपा से पूर्व विधायक व वर्तमान अजमेर जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा और उनके व्यवसायी पति भंवर सिंह पलाड़ा की भाजपा में वापसी करवा ली।

कृषि मंत्री का पार्टी बदलने वालों पर हमला

बोले- जनप्रतिनिधि रहते हुए पार्टी बदलना दुर्भाग्यपूर्ण

दौसा, 18 मार्च (एजेंसियां)। दौसा पहुंचे राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने पार्टी बदलने वाले नेताओं पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रतिनिधि रहते हुए पार्टी बदलना दुर्भाग्यपूर्ण है। पार्टी बदलने वाले नेताओं को डॉक्टर मीणा ने मौका परस्त भी बताया। उसके बाद डॉक्टर मीणा ने कहा कि सभी पार्टी में कुछ अच्छे लोग भी होते हैं। हमारी पार्टी में आने वाले सब अच्छे लोग हैं।

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा दौसा जिला अस्पताल में अपने परिचित के हाल जानने पहुंचे। वहां कृषि मंत्री डॉ. मीणा ने जिला अस्पताल के डॉक्टरों से खुद का भी चेकअप करवाया।

अस्पताल में मौजूद मीडिया से बात करते हुए कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। दूसरी तरफ पार्टी में आने वाले नेताओं स्वागत भी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी में आने वाले नेता पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर काम करने की दृष्टि से पार्टी में आए हैं। उनका स्वागत है।

मंत्री डॉक्टर मीणा ने कहा है कि देश में भाजपा हैट्रिक लगाएगी और राजस्थान में भी। उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को उन्नत किया है। आज विश्व पटल पर हिंदुस्तान का दबदबा है। अयोध्या में राम मंदिर बनाने से पूरा देश राममय है।

सूबे के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर मीणा ने कहा कि भजनलाल शर्मा का पगफेरा इतना अच्छा है कि पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों के लोगों को चंबल का पानी मिलेगा। वहीं, शेखावाटी के लोगों को यमुना का पानी भी मिलेगा। उन्होंने आगे कहा 1989 से मैंने ईआरसीपी के इस मुद्दे को विधानसभा, राज्यसभा और लोकसभा में उठाया है। सड़क से संसद तक मैंने इस मुद्दे को उठाया है।

पिछली कांग्रेस सरकार के समय भी ईआरसीपी की मांग को लेकर मीना हाईकोर्ट से 50 हजार लोगों के साथ मैंने जयपुर कूच किया था। ऐसे में सरकार ने आश्वासन दिया था। लेकिन पिछली सरकार सिर्फ आश्वासन दे रही थी। वहीं अब डबल इंजन की सरकार ने बनते ही राजस्थान में 21 जिलों में ईआरसीपी को स्वीकृति दे दी।

इधर, डॉ. मीना नेताओं के दलबदल के बारे में कहा कि जनप्रतिनिधि रहते हुए पार्टी बदलना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दलबदल ठीक है, जिसकी जहां इच्छा है, वो वहां जाए, जो हमारे विचारों और सिद्धांतों से खुश है, उनके लिए पार्टी के दरवाजे खुले हैं। उन्होंने कहा कि हमने कभी कांग्रेस ज्वॉइन नहीं की। किसी कारण से पहले पार्टी ने हमें निष्कासित कर दिया था। उस समय टिकट भी काट दिया था, लेकिन हम विचारधारा में बने रहे। अब कांग्रेस डूबता जहाज है। उसमें कोई रुकने वाला नहीं है और अब कांग्रेस विहीन भारत हो गया है।

एसओजी पाताल में पहुंच गई है

कृषि मंत्री ने पेपरलीक मामले को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि 63 थानेदार जेल की सीकचों में है। मैंने पिछली कांग्रेस सरकार में कहा था कि थानेदार फर्जी हैं, जेईएन फर्जी हैं, मास्टर फर्जी हैं, एसडीएम फर्जी हैं, लेकिन मामले को लेकर गहलोत सरकार कुंडली मारकर बैठ गई। प्रधानमंत्री ने विधानसभा चुनाव में कहा था कि पेपरलीक के आरोपियों को पाताल से भी खोज लाएंगे और अब एसओजी पाताल में पहुंच गई।

63 थानेदारों को जेल के कटघरे में डाल दिया है। उन्होंने आगे कहा- पेपरलीक मामले में एसओजी अभी गहराई से जांच कर रही है। जिन मंत्री विधायकों के नाम हमने बताए थे। इसमें चाहे माध्यमिक शिक्षा बोर्ड हो या आरपीएससी के हैड हो, उन सबकी गहराई में एसओजी जा रही है।

मदार में साबरमती-आगरा एक्सप्रेस के 4 डिब्बे इंजन समेत पटरी से उतरे, 5 ट्रेनें रद्द

अजमेर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में एक बड़ा रेल हादसा हो गया। जिले के मदार रेलवे स्टेशन के पास साबरमती-आगरा सुपरफास्ट ट्रेन के चार डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए। हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं। घटना देर रात एक बजे की बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कई यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को इलाज के लिए अजमेर स्टेशन भेजा गया है।

हादसे के बाद इस रूट पर 5 ट्रेनें रद्द की गई हैं और दो का रूट बदला गया है। हादसे के कारणों की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अजमेर के मदार में होम सिग्नल के पास सुपरफास्ट साबरमती एक्सप्रेस डिरेल हो गई थी, जिसके कारण इंजन और चार जनरल कोच पटरी से उतर गए।

रेलवे ने अजमेर जंक्शन पर हेल्पलाइन नंबर 0145-2429642 जारी कर हेल्प डेस्क बनाया है। हालांकि अभी हादसे का कारण सामने नहीं आया है लेकिन जिस ट्रैक पर एक्सप्रेस ट्रेन डिरेल हुई है उसके बगल के ट्रैक पर मालगाड़ी थी। यात्रियों को अजमेर रेलवे स्टेशन भेजा गया है। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर पश्चिम रेलवे, कैप्टन शशिकिरण ने बताया कि ट्रैक रेस्टोरेशन का काम किया जा रहा है। डाउन लाइन पर ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है।

रेल यातायात प्रभावित

गाड़ी संख्या 12548, साबरमती-आगरा कैंट डिरेल होने से रेल यातायात प्रभावित हुआ है।

18 मार्च को रद्द की गई ट्रेनें

1. गाड़ी संख्या 12065, अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला
2. गाड़ी संख्या 22987, अजमेर-आगरा फोर्ट
3. गाड़ी संख्या 09605, अजमेर-गंगापुर सिटी
4. गाड़ी संख्या 09639, अजमेर-रेवाड़ी
5. गाड़ी संख्या 19735, जयपुर-मारवाड़

मार्ग परिवर्तित रेल सेवाएं

1. गाड़ी संख्या 12915, साबरमती-दिल्ली रेल सेवा परिवर्तित मार्ग वाया दोराई, मदार (अजमेर को छोड़कर)
2. गाड़ी संख्या 17020, हैदराबाद-हिसार रेल सेवा परिवर्तित मार्ग वाया आदर्श नगर, मदार (अजमेर को छोड़कर)

वीडियो जारी करके बोलीं प्रिया- मुझसे पूछे बिना लिस्ट में मेरा नाम, मैंने बीजेपी ज्वाइन नहीं की

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डर प्रिया मेघवाल ने भाजपा में शामिल होने की खबरों को सिरे से नकार दिया है। इस बारे में एक वीडियो जारी कर प्रिया ने कहा कि मैं हनुमान बेनीवाल की रालोपा के साथ हूं, मैंने भाजपा ज्वाइन नहीं की है।

लोकसभा चुनावों से पहले बाहरी नेताओं के भाजपा में शामिल होने वालों की सूची में एक नाम अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डर प्रिया मेघवाल का भी था, हालांकि वे मंच पर मौजूद नहीं थीं। अब उन्होंने एक वीडियो जारी कर स्पष्ट तौर पर कहा है कि उन्होंने भाजपा ज्वाइन नहीं की है, उनका नाम उनसे पूछे बगैर ही लिस्ट में डाल दिया गया।

वीडियो में उन्होंने कहा कि मैं हनुमान बेनीवाल की पार्टी के साथ हूं और मैंने भाजपा ज्वाइन नहीं की है। भाजपा ने मेरी अनुमति के बिना ही मेरा नाम अपनी सूची में डाल दिया है। हालांकि इस वीडियो को लेकर बीजेपी की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

गहलोत सरकार में रहे इस मंत्री पर लगा करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप, अब ईडी ने भेजा बुलावा

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस के नेता व गहलोत सरकार में जलदाय मंत्री रहे महेश जोशी को जयपुर जल जीवन मिशन से जुड़े करोड़ों रुपए के घोटाले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन जारी कर तलब किया है। उन्हें सोमवार को सुबह 11 बजे ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। उनके साथ यह समन जोशी के करीबी संजय बड़ाया को भी दिया गया था। संजय बड़ाया से ईडी अधिकारी शुक्रवार से ही पूछताछ कर रहे हैं।

ईडी ने 16 जनवरी को जोशी और उनके करीबियों के यहां छापे मारे थे। इनमें जयपुर व बांसवाड़ा में पीएचईडी के पांच बड़े अधिकारी और ठेकेदारों के अलावा एक प्रॉपर्टी डीलर के यहां भी तलाशी ली गई थी। अब ईडी ने पूछताछ शुरू की है। ईडी जोशी से उनके मंत्री रहने के दौरान दिए गए टेंडर, ठेकेदारों के जरिए अधिकारियों द्वारा लिए गए कमीशन, वर्कऑर्डर और उनके बैंक लेनदेन के बारे में पूछताछ कर सकती है।

कार्रवाई एसीएस सुबोध अग्रवा के यहां छापे डालने के बाद की गई। थी। नवंबर, 2023 के दौरान पीएचईडी के तत्कालीन अति महेश जोशी के ओएसडी संजय, अभियंता सुबाश दीक्षित, तत्कालीन सीई दिनेश गोयल, केडी गुप्ता के कार्यालय और आवास पर तलाशी ली गई।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत का एक और वीडियो

अब चिरंजीवी बीमा योजना पर दिया बड़ा बयान

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चिरंजीवी बीमा योजना को लेकर बड़ा बयान दिया है। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि हम चिरंजीवी को ना ही बंद होने देंगे और ना कमजोर होने देंगे। बता दे कि इससे पहले गहलोत ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड का जिक्र करते हुए भजनलाल सरकार पर हमला बोला था।

पूर्व सीएम गहलोत ने सोमवार को सोशल साइट एक्स पर 40 सेकेंड का वीडियो जारी कर कहा कि मुझे कहते हुए ये गर्व है कि जो हमारी चिरंजीवी योजना थी, जिसमें फ्री मेडिसिन्स, फ्री टेस्ट और फ्री ऑपरेशन हो रहे थे। ये देश ही नहीं दुनिया में कहीं नहीं है। यह इतनी शानदार योजना थी, जिसमें हमनें लोगों का 25 लाख रुपए तक का बीमा कर रखा था। अब सुनते है कि ये लोग वापस लाख का ले आए हैं।

नहीं समझ पा रही ये सरकार

उन्होंने कहा कि इस योजना से लोगों को कितना लाभ मिला है, इसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता है। देश-दुनिया में चिरंजीवी योजना की प्रशंसा हो रही है और ये सरकार समझ नहीं पा रही है। लेकिन, इन तमाम योजनाओं को हम लोग बंद नहीं होने देंगे। बता दे कि प्रदेश की भजनलाल सरकार ने अशोक गहलोत की 'चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' का नाम बदलकर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया है। जिसका सर्कुलर 19 फरवरी को जारी किया गया था।

बीकानेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मोबाइल फोन झपटमार गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार, 45 फोन बरामद

बीकानेर, 18 मार्च (एजेंसियां)। जिला पुलिस ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन छीनने वाली गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 45 कीमती मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन आरोपियों ने शहर के कई इलाकों में से मोटर साइकिल चोरी करने की वारदात भी स्वीकार की हैं।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई 15 मोटर साइकिल के पार्ट्स बरामद किए हैं। प्रशिक्षु आईपीएस और सीओ सदर रमेश ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी जाहिर उर्फ बाबू उर्फ कप्तान निवासी सिक्कों का मोहल्ला, विश्वजीत और सोहिब उर्फ भोमा निवासी मुक्ताप्रसाद कॉलोनी के हैं।

शहर में पिछले कई महीनों से लगातार मोबाइल फोन छीनने की घटनाएं सामने आ रही थीं। आईजी ओमप्रकाश के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा के निर्देशन और उनके स्वयं के सुपरविजन में टीम गठित की गई।

इस टीम ने पूर्व में चोरी करने वालों से पूछताछ की और संदिग्ध लोगों के बारे में सुचनाएं एकत्र कीं। जिस पर आज उक्त तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा गया।

ट्रेलर से भिड़ी कार, चार की मौके पर मौत

तीन गंभीर घायल; जयपुर-अजमेर हाइवे पर दर्दनाक हादसा

शाहपुरा, 18 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर-अजमेर हाइवे पर चंदवाजी थाना क्षेत्र में सेवड़ माता मंदिर के पास हुए भीषण सड़क हादसे में एक इको कार ट्रेलर में जा भिड़ी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। कार सवार बुटाटी धाम में दर्शन करके शाहपुरा लौट रहे थे।

हादसे की सूचना मिलते ही चंदवाजी एसएचओ सुगनसिंह राठौर टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को करीबी निम्स अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसे में शाहपुरा निवासी पवन बुनकर, संजनादेवी बुनकर, नीम का थाना निवासी मोनिका व कपूरी देवी की मौत हो गई। जबकि शाहपुरा के खातेड़ी निवासी सुनील बुनकर, पवन बुनकर व बीरबल बुनकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

महिलाओं के पास से अवैध मादक पदार्थ गांजा, पुलिस ने जाल बिछाकर पकडा

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत ड्रग्स एवं अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ शिवदासपुरा, मानसरोवर एवं ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए चार महिला तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही उनके पास से अवैध मादक पदार्थ गांजा 179 ग्राम, अवैध देशी शराब के 201 पव्वे एवं बिक्री राशि 22 हजार 860 रुपये बरामद किए गए है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने शिवदासपुरा, मानसरोवर एवं ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए रेखा सांसी (27) निवासी दतवास जिला टोंक हाल शिवदासपुरा जिला जयपुर, अनिता सांसी (25) निवासी फतेहपुर सदर जिला सीकर मानसरोवर जयपुर, कमला उर्फ अनारी (60) निवासी मानसरोवर जयपुर और अंगूरी सांसी (70) निवासी आंधी जिला जयपुर ग्रामीण हाल ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपित महिलाओं के पास से अवैध मादक पदार्थ गांजा 179 ग्राम, अवैध देशी शराब के 201 पव्वे एवं बिक्री राशि 22 हजार 860 रुपए जब्त किया है।

राजनीतिक दलों को चुनाव के लिए सहयोग करना चाहिए : दात्रे

आसिफाबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि लोकसभा चुनाव-2024 का एजेंडा जारी होने की पृष्ठभूमि में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत जिले में चुनाव के सुचारू संचालन के लिए सहयोग करें।

जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत जिला कलेक्टोरेट भवन परिसर स्थित कलेक्टर सभाकक्ष में सोमवार को बैठक हुई। जिले के अपर समाहर्ता दीपक तिवारी एवं दसारी वेणु ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव अधिसूचना, नामांकन, व्यय आदि पर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला प्रशासक ने बताया कि लोकसभा चुनाव के तहत जिले के सिरपुर एवं आसिफाबाद विधान सभा क्षेत्र में संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत 2 लाख 676 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। 26 हजार 994 पुरुष, 2 लाख 28 हजार 415 महिलाएं, 28 ट्रांसजेंडर, 404 सर्विस वोटर, 80 साल से अधिक उम्र के 5 हजार 556 वरिष्ठ नागरिक और 6 हजार 931 दिव्यांग हैं। लोकसभा चुनाव के लिए गजट अधिसूचना 18 अप्रैल को जारी होगी, 25 अप्रैल नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन है। 26 को नामांकन की जांच होगी। 13 मई को मतदान, 4 जून को गिनती होगी। नामांकन प्राप्त करते समय सी.सी. उन्होंने कहा कि कैमरे से वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए रिकॉर्डिंग की जाएगी और खाली समय में नामांकन दाखिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि बैठकों एवं बैठकों में उपयोग होने वाली सामग्री, पंपलेट, पोस्टर, फ्लेक्सी, होर्डिंग्स, स्पीकर, विज्ञापन, सोशल मीडिया एवं अन्य प्रकार के प्रचार-प्रसार साधनों की गणना निर्धारित मूल्यों के अनुसार की जायेगी। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में सी-व्हिसल के माध्यम से शिकायत कर सकते हैं, रैलियां, सार्वजनिक बैठकें आयोजित करने की अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बीआरएस नेता कार्तिक रेड्डी ने सांसद रंजीत रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता पटोला कार्तिक रेड्डी ने आज यहां तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि चेवेल्ला सांसद रंजीत रेड्डी का बीआरएस पार्टी छोड़ने और कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का निर्णय एक पाखंड, धोखाधड़ी और पीठ में छूरा घोंपना था। उन्होंने कहा कि रंजीत रेड्डी पहली बार सांसद बने क्योंकि उनकी पार्टी के अध्यक्ष केसीआर ने उन्हें राजनीतिक लाभ दिया और कहा कि बीआरएस पार्टी हर तरह से रंजीत रेड्डी के उत्थान का कारण थी। केसीआर के सत्ता से दूर होने पर क्या रंजीत रेड्डी पार्टी छोड़ देंगे? रंजीत रेड्डी को मुश्किल वक्त में केसीआर का साथ देना चाहिए, लेकिन क्या वह मुंह मोड़ लेंगे? कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता चर्चा कर रहे थे कि रंजीत रेड्डी ने चेवेल्ला एमपी कांग्रेस पार्टी का टिकट खरीदा है। रेड्डी ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के नेता सवाल कर रहे हैं कि वे ध्वजवाहक के साथ अन्याय कैसे करेंगे और रंजीत रेड्डी को टिकट देंगे। केसीआर ने रंजीत रेड्डी पर विश्वास किया जब उन्होंने कहा कि उनका दोबारा सांसद के रूप में चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है और वह बीआरएस पार्टी में बने रहेंगे। रंजीत रेड्डी ने केसीआर के भरोसे को धोखा दिया। रंजीत रेड्डी का इस बार हारना तय है।

चेवेल्ला एमपी सीट पर बीआरएस पार्टी की तीसरी बार जीत तय है।''

चुनाव आयोग के नियमों का पालन जरूरी : सांगवान

निर्मल, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी तथा कलेक्टर आशीष सांगवान ने सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में एमसीसी, सर्विलांस, फ्लाइंग स्क्वायड एवं वीडियो सर्विलांस टीमों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के मद्देनजर जिले में चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों के समाधान के लिए जिले में एमसीसी, निगरानी टीमों, उड़नदस्ता टीमों और वीडियो निगरानी टीमों को प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्यों का पालन करें।

उन्होंने सुझाव दिया कि सुविधा पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने वाले राजनीतिक दलों, नेताओं और उम्मीदवारों को वाहन, चुनाव प्रचार सभाएं और बैठकें आयोजित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। सी-व्हिसल ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की जांच कर 100 मिनट के भीतर फील्ड स्तर पर समाधान किया जाना चाहिए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी कार्यालयों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन पेट्रोल स्टेशन एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों एवं अनाधिकृत निजी स्थानों पर राजनीतिक दलों से संबंधित दीवार लेखन, फ्लेक्सी, होर्डिंग्स एवं फोटो को पूर्णतया हटाया जाए। पत्रक, फ्लेक्सी एवं बैनर छपाई के समय प्रिंटिंग प्रेस का नाम, फोन नंबर, साथ ही प्रकाशक का नाम एवं उनका फोन नंबर अवश्य अंकित करें तथा सभी प्रिंटिंग प्रेस मालिकों को इस बात का पालन करना होगा।

चेक पोस्ट पर प्रत्येक वाहन की गहनता से जांच की जाए और 50 हजार से अधिक नगदी व शराब परिवहन करने पर चुनाव के नियमों के तहत कारवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कारवाई किये जाने की संभावना है, इसे ध्यान में रखते हुए चुनाव संचालन के लिए अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन प्रभावी ढंग से करें। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने पर सख्त कारवाई की जाएगी। इस बैठक में अपर समाहर्ता किशोर कुमार, आरडीओ रत्ना कल्याणी, जेडडीपी सीईओ गोविंद, डीईओ रविंदर रेड्डी, अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा का 5 दिवसीय फिजियोथेरेपी कैंप संपन्न

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा के तत्वावधान में पांच दिन के ए टू जेड हेल्थ एंड वेलनेस ट्रीटमेंट कार्यक्रम का आयोजन शमशाबाद में किया गया।

शाखा अध्यक्ष भाकरराम कुमावत ने बताया कि यह फिजियोथेरेपी कैंप 5 दिन तक चला। इस में फिजियोथेरेपी ट्रीटमेंट किया गया। जिसमें 182 मरीजों ने अपना इलाज करवाया।

डॉ दामोदर चौधरी जोधपुर ने बताया कि वो अपने कैंप में ब्लड प्रेशर, कमर दर्द, हाथ एवं पैरो का सुन रहना, शुगर, सायटिक का दर्द, थायराइड, पुराना सर दर्द, लकवा, नींद आना, गैस, कब्ज, घुटनों का दर्द, सर्वाइकल दर्द, मोटापा का इलाज करते हैं। डॉ. दामोदर चौधरी एवं उनकी टीम कैंप में इलाज किया। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति की निशान यात्रा 20 मार्च को

हैदराबाद, 18 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति, अतापूर, भाग्यनगर के तत्वावधान में श्री श्याम बाबा की निशान यात्रा 20 मार्च को सुबह प्रातः 4:31 बजे शिवालय मंदिर, अत्तापूर से निकाली जाएगी।

तेजस्वी नगर में नलेश अग्रवाल कि अध्यक्षता मेंविशेष सभा का आयोजन किया गया। यात्रा तेजस्वीनगर कालोनी स्थित शिवालय मंदिर से बुधवार 20 मार्च को तेजस्वीनगर से होती हुई किशनबाग, बहादुरपूरा, पूरानापूल, सिटी कालेज, भूलक्ष्मी माता मंदिर, अफजलगंज, चादरघाट, निंबोली अड्डा से होती हुई श्याम मंदिर काचागुडा पहुंचेगी। निशान यात्रा में विक्रम चंदन, किशोर तोष्णिवाल, अंशुल कोठारी भजन प्रस्तुत करेंगे। सभा में विनोद टिबरेवाल, जगदीश जालान, श्रवण केडिया, समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

एसपी ने किया 10वीं के परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

आसिफाबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में कक्षा 10 की परीक्षाओं की शुरुआत के मद्देनजर, कोमुराम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के सुरेश कुमार ने आसिफाबाद शहर में सरकारी प्राथमिक कन्या विद्यालय के परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और परीक्षा केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को उचित सावधानी बरतने की सलाह दी। संबंधित परीक्षा अधीक्षक अधिकारी और पुलिस अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कदम उठाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिले भर के सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस की मजबूत मौजूदगी है और धारा 144 लागू है।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा होली का आयोजन

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी होली के उपलक्ष्य में 24 मार्च को प्रोफ़ेसर्स कॉलोनी स्थित पार्क में डंडा रोपण किया जाएगा तत्पश्चात रात्री 11.45 P.M. पर होली दहन किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के लोगों को उपस्थित रहेने का आव्हान आयोजकोंद्वारा किया गया है।

समस्याग्रस्त मतदान केन्द्रों पर फोकस किया जाए : डी. श्रीनिवास

मदनूर, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता) समस्याग्रस्त मतदान केन्द्रों पर फोकस करने के निर्देश सहायक रिटर्निंग अधिकारी डी. श्रीनिवास ने दिए। जहीराबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत जुक्कल खंड सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी ने स्थानिक तहसील कार्यालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुलिस और राजस्व अधिकारियों को जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों का निरीक्षण करना चाहिए और चुनाव के सुचारू संचालन के लिए सख्त सुरक्षा उपाय करनी चाहिए। इस समीक्षा बैठक में बांसवाड़ा डीएसपी, सीआई जगदम नरेश, एसआई श्रीकांत गौड़, मंडल तहसीलदार और मदनूर मंडल तहसीलदार एमडी मुजीब, के साथ अन्य उपस्थित थे।

बजरंग सेना के नव पदाधिकारियों की नियुक्ति

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना प्रदेश कार्यालय काचीगुड़ा में नव सदस्यों को नियुक्ति दी गई।

प्रदेशाध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में राजशेखर को शहर युवा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अमित जायसवाल, वी चैतन्य कुमार, सोमेश सोमू, एम श्रीधर, अजय, विवेक हिंडोचा को कार्यकारी सदस्य नियुक्त किया गया, जिन्हें टीम ने पारंपरिक कंडवा और नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर महासचिव सूर्या शुक्ला, सलाहकार विनय तिवारी, उपाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष येरम श्रीनिवास, उपाध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता, शहर अध्यक्ष एम मनोज, तरनजीत सिंह, राजाराम, नरेश, संजय कुमार और अन्य उपस्थित थे।

जन सेवा संघ, संगारेड्डी क्षेत्रीय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 18 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ मेडक जोन के अंतर्गत संगारेड्डी क्षेत्र में केंद्रीय समिति के कार्यकारिणी सदस्य बसंत सोलंकी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में होली मिलन कार्यक्रम पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में संगारेड्डी क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय कुमार यादव, उपाध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा, महासचिव संतोष कुमार पांडेय, वरिष्ठ सदस्य पांडेय, गुप्ता, बसंत सोलंकी, श्रीकांत यादव, विनोद यादव, श्याम प्रसाद आदि उपस्थित हुए।

श्री आईजी गौशाला में सम्मान समारोह कार्यक्रम व पीले चावल देने नगर पधारे पाली लोकसभा प्रत्याशी पी.पी.चौधरी का सम्मान कर ज्ञापन सौंपते हुए आयोजक अ.भा.सीरवी महासभा प्रदेशाध्यक्ष हरजीराम काग, सचिव सोहनलाल हाम्बड़, सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, भाजपा किसान मोर्चा पाली मंत्री कालुराम काग, गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपरा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, सीए जस्साराम बर्फा, ओकाराम सोलंकी व अन्य।

निःशुल्क मधुमेह शिविर आज

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आरएनसी अस्पताल में 19 मार्च को मुफ्त मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में शुगरटेस्ट, परामर्श और बीपी जांच सहित मुफ्त जांच की जाएगी। शिविर में डीएनबी कंसल्टेंट जनरल एवं फैमिली फिजिशियन डॉ नवनीता, डीएनबी, एमआरसीजीपी (इंटरनेशनल), कंसल्टेंट जनरल एवं फैमिली फिजिशियन डॉ सुधीर दावाला अपनीं सेवाएं प्रदान करेंगे। चिंतल स्थित आरएनसी अस्पताल में सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच होनेवाले इस शिविर का लाभ उठाने का आव्हान आयोजकों द्वारा किया गया है।

विश्व कल्याण के लिए उडुपी से अयोध्या पदयात्रा

आसिफाबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक के उडुपी के 77 वर्षीय लक्ष्मीपति स्वामी सभी लोगों के कल्याण के लिए उडुपी से अयोध्या की तीर्थयात्रा पर निकलने के बाद सोमवार को आसिफाबाद पहुंचे। इस मौके पर भाजपा नेता खांड्रे विशाल, गणेश व श्रावण गौड़ ने उनका स्वागत किया।

इस मौके पर बोलते हुए लक्ष्मीपति स्वामी ने कहा कि 2016 में वह विश्व कल्याण के लिए पदयात्रा के रूप में उडुपी से अयोध्या के लिए निकले थे। अब तक कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश होते हुए तेलंगाना राज्य में पदयात्रा की जा रही है। उन्होंने कहा कि वह महाराष्ट्र के रास्ते अयोध्या जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पदयात्रा प्रतिदिन 30 किलोमीटर की दर से जारी रहेगी और अब तक 20 हजार किलोमीटर की पदयात्रा पूरी हो चुकी है। स्वामी ने कहा कि वह अगले तीन महीने में अयोध्या पहुंच जायेंगे।

कलेक्टर ने की न्यायाधीश से मुलाकात

आसिफाबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला मुख्य न्यायाधीश एमवी रमेश को सोमवार को जिला केंद्र में जिला न्यायालय भवन परिसर में जिला न्यायाधीश के कक्ष में जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने एक फूल का पौधा भेंट किया।इस अवसर पर जिला अतिरिक्त कलक्टर दीपक तिवारी उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज डोमालगुड़ा शाखा द्वारा होलिका दहन 24 मार्च को

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज की दोमलगुडा शाखा के द्वारा होलिका दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। शाखा की कार्यकारिणी सभा में लिए गए निर्णय के अनुसार होलिका दहन हिमायत नगर स्थित श्री देवी बाला सुंदरी त्रिपुरा मंदिर के सामने संपन्न होगा।

शाखा के सचिव योगेश अग्रवाल ने बताया की 24 मार्च की सुबह डंडा रोपण और रात में होलिका दहन संपन्न होगा। गिरधारी लाल अग्रवाल, श्यामलाल अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न होने वाले इस कार्यक्रम के निरंजन पंसारी और अक्षय अग्रवाल कार्यक्रम संयोजक होंगे जबकि महिला समिति की रश्मि अग्रवाल, सरला अग्रवाल और सीमा अग्रवाल कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करेगी।

घर जले हुए पिडितों को मदद

भैंसा, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी पूर्व विधायक भोसले नारायण राव पटेल ने सोमवार को वाट्टोली गांव का दौरा किया और एग्गम पेद्दा भुमन्ना, नडपी सयाना और चिन्ना सयाना से बात की जिनके घर शॉर्ट सर्किट के कारण जल गए थे। उन्हें आश्वासन दिया गया है कि सरकार की ओर से उन्हें हर तरह से सहयोग दिया जायेगा।

तत्काल राहत के तहत 11000 रूपये 150 किलो चावल उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर हेजा अशोक, भोजाराम पटेल, नारायण रेड्डी, सुदर्शन रेड्डी, ओम प्रकाश लड्डा, शंकर चंद्रा, रामचंदर राव, पंडारी गौड़, सोमा सुधीर रेड्डी , चिन्ना रेड्डी, रवि नरसिंग राव, नरेश, नरसैय्या, सयन्ना, इरन्ना, मुगलाना, शफी, सोमनाथ, राजू रेड्डी, मोडम नरेश, सुधाकर, सुमित रेड्डी, महिपाल, सुधाकर राव, असिप पटेल, सुधाकर और अन्य ने भाग लिया।

गुजराती समाज कल्याण सोसायटी द्वारा महिला दिवस तथा होली कार्यक्रम शमशाबाद में मनाया गया। इस में महिलाओं ने बडी संख्या में भाग लिया।

बैंक अधिकारी नकद लेनेदेन की जांच करें : निर्वाचन अधिकारी

निर्मल, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर आशीष सांगवान ने बैंक अधिकारियों को चुनाव आयोग के नियमानुसार समय-समय पर नकद लेनदेन की जांच करने के निर्देश दिये हैं। सोमवार की शाम उन्होंने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैंकर्स के साथ चुनाव नियमों और अधिक मात्रा में नकद लेनदेन पर आयोजित बैठक में भाग लिया। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के मद्देनजर जिले में चुनाव आचार संहिता लागू हो गयी है। 50 हजार से अधिक के वित्तीय लेन-देन वाले खातों पर विशेष निगरानी रखने की सलाह दी गयी है। बैंकों द्वारा प्रतिदिन लेनदेन रिपोर्ट प्रस्तुत करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के लिए नए बैंक खाते खोले जाने चाहिए क्योंकि वे 18 अप्रैल से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इसके बाद ईडीएम नदीम ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बैंक लेनदेन और क्यूआर कोड के बारे में बताया। इस बैठक में अपर समाहर्ता किशोर कुमार, एलडीएम चन्द्रशेखर, विभिन्न बैंक अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आरसीबी को बेस्ट टीम नहीं मानते सौरव गांगुली

फाइनल खत्म होने के बाद कहा- लीग की तीसरी टीम से चैंपियन बनने का सफर पूरा किया

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। जिधर देखो, जिस जुबां पर देखो अभी आरसीबी क नाम है. हो भी क्यों ना आखिरी इस फ्रेंचाइजी ने काम ही जो ऐसा किया है. पहली बार तो इस टीम का हाथ खिताब लगा है. आईपीएल ना सही आरसीबी की टीम अब डब्ल्यूपीएल की नई चैंपियन है. चैंपियन यानी बेस्ट, जिससे अधिक्तर लोग इत्तेफाक रखना चाहेंगे. लेकिन, सौरव गांगुली को ऐसा नहीं लगता. वो आरसीबी को लीग की बेस्ट टीम नहीं मान रहे. अपनी इस मंशा को भारत के पूर्व कप्तान ने डब्ल्यूपीएल 2024 के फाइनल के बाद एक्स-हैंडल पर जाहिर किया है.

सौरव गांगुली ने एक्स-हैंडल पर जो लिखा, उसे पढ़ने के बाद हो सकता है कि आपको एक सेकंड के लिए मोहम्मद कैफ का वो बयान भी याद आ जाए जो उन्होंने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में कमेंट्री करते हुए तब कहा था, जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हरा दिया था. कैफ ने तब कहा था कि मैं मान ही नहीं सकता कि टूर्नामेंट की बेस्ट टीम ने खिताब जीता है. भारत टूर्नामेंट की बेस्ट टीम है.

आरसीबी को बेस्ट नहीं मानते सौरव गांगुली

डब्ल्यूपीएल 2024 का फाइनल खत्म होने के बाद सौरव गांगुली ने जो कहा है, वो भी तो बिल्कुल ऐसा ही है. उन्होंने अपने ट्वीट में आरसीबी की तारीफ तो की पर चैंपियन बनने के बाद भी उसे टूर्नामेंट की बेस्ट टीम नहीं माना. गांगुली के मुताबिक दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट की बेस्ट टीम है. ऐसा क्यों इसकी उन्होंने वजह भी बताई. गांगुली ने लिखा- वेल डन दिल्ली कैपिटल्स. भले ही खिताब फेवर में नहीं रहा, लेकिन बैक टू बैक फाइनल खेलना भी बड़ी बात है. इसके लिए मेग लैनिंग और उनकी टीम की जितनी तारीफ की जाए कम है.

लीग की तीसरी टीम...

गांगुली ने आरसीबी की भी तारीफ की, खासकर उस अप्रोच के लिए जिसके दम पर उसने लीग की तीसरी टीम से चैंपियन बनने का सफर पूरा किया और इस बीच अंक तालिका में अपने से ऊपर की दो टीमों को 3 दिनों में धूल चटाई.

डब्ल्यूपीएल 2024 के रोमांचक फाइनल में जीती आरसीबी

जहां तक मैच की बात है आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को डब्ल्यूपीएल 2024 के फाइनल में 8 विकेट से हराया. दिल्ली ने पहले खेलते हुए शुरुआत धमाकेदार की थी. उसके ओपनर्स ने मिलकर 64 रन स्कोर बोर्ड में जोड़े थे. लेकिन फिर उसके बाद पूरी बाजी पलट गई. आरसीबी के स्पिनर्स ने ऐसा जाल बुना कि दिल्ली के बाकी 9 बल्लेबाज सिर्फ 49 रन और जोड़कर डगआउट लौट गए. पूरी टीम 20 ओवर भी नहीं खेल सकी और 113 रन पर ऑलआउट हो गई.

हालांकि, कम स्कोर के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने फाइट अच्छा किया और मैच को आखिरी ओवर तक लेकर गए. आरसीबी ने लक्ष्य को 2 विकेट खोकर हासिल किया, जिसमें टॉप के 3 बल्लेबाजों ने 30 प्लस स्कोर किए.

हार्दिक पंड्या की 'दर्दभरी' कहानी पर यकीन करेंगे फैंस?

वर्ल्ड कप और आईपीएल के बीच बहुत कुछ झेला

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 सीजन शुरू होने वाला है और इसमें कुछ ऐसे खिलाड़ी भी एक्शन में लौट रहे हैं, जो पिछले कुछ वक्त से क्रिकेट एक्शन से दूर रहे हैं. इसमें विराट कोहली और हार्दिक पंड्या पर सबसे ज्यादा नजरें रहेंगी. इसमें भी हार्दिक पंड्या की वापसी को लेकर काफी चर्चा होगी क्योंकि वो वर्ल्ड कप 2023 के दौरान चोटिल हो गए थे और उसके बाद से ही मैदान से बाहर हैं. अब वो आईपीएल से वापसी कर रहे हैं. इस दौरान उन्हें लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा लेकिन अब मुंबई इंडियंस के नए कप्तान ने इन सबका जवाब दिया है.

टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में बॉलिंग के दौरान टखने पर चोट लग गई थी. ये टीम इंडिया का चौथा ही मैच था और इसके बाद वो टूर्नामेंट में वापसी नहीं कर पाए. सिर्फ वर्ल्ड कप ही नहीं, बल्कि हार्दिक उसके बाद से किसी भी सीरीज में भी नहीं खेल पाए. इन सबके बीच गुजरात टाइटंस छोड़कर वो मुंबई इंडियंस में वापस लौट आए और फिर रोहित शर्मा की जगह उन्हें

कप्तान बना दिया गया था.

हार्दिक पर लगे कई आरोप

इन सब कारणों से हार्दिक लगातार पिछले 4-5 महीनों से चर्चा में बने हुए थे और सोशल मीडिया पर फैंस से लेकर कई पूर्व क्रिकेटर तक उन पर सवाल उठा रहे थे. हार्दिक पर लगातार आरोप लगते रहे कि वो सिर्फ आईपीएल खेलने के लिए फिट होते हैं लेकिन अब टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले स्टार ऑलराउंडर ने चोट से वापसी की अपनी कोशिशों और संघर्षों के बारे में बताया है. हार्दिक ने बताया कि कैसे वर्ल्ड कप में तुरंत वापसी की कोशिशों के कारण उनकी चोट और गंभीर हो गई.

वापसी की कोशिश में हुई देरी

हार्दिक ने इस इंटरव्यू में कहा कि वो वर्ल्ड कप में खेलने का मौका गंवाना नहीं चाहते थे और इसके लिए उन्होंने अपने टखने से खून निकलवाया, जबकि 3 अलग-अलग जगहों पर इंजेक्शन भी लगवाए लेकिन इसका भी असर नहीं हुआ. हार्दिक ने साथ ही कहा कि जहां उनके लिए चलना भी मुश्किल था, वहां वो दौड़ने की कोशिश कर रहे थे और इसी कोशिश में उनकी चोट दोबारा उभर आई, जिसके कारण वो 3 महीनों के लिए बाहर हो गए. हार्दिक ने टीम इंडिया को 5 दिन में वापसी का भरोसा दिलाया था और इसके लिए पेन किलर दवाइयां भी ले रहे थे लेकिन इन सब कोशिशों के कारण उनकी चोट और गंभीर हो गई.

क्या हार्दिक पर भरोसा करेंगे फैन?

अब हार्दिक की इन बातों पर फैंस को यकीन होगा या नहीं, कहना मुश्किल है. ऐसे में हार्दिक के पास सिर्फ अपने प्रदर्शन और दमदार कप्तानी से ही फैंस का भरोसा वापस जीतने का विकल्प है. खास तौर पर मुंबई इंडियंस के फैंस, जो रोहित शर्मा की जगह उन्हें टीम का कप्तान बनाए जाने से खासे खफा हैं. मुंबई ने 2020 सीजन के बाद से खिताब नहीं जीता है और उसकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स ने भी अब उसके बराबर 5 खिताब जीत लिए हैं. ऐसे में अगर हार्दिक टीम को फिर से चैंपियन बनाते हैं तो शायद फैंस की नाराजगी और गुस्सा कम हो.

बॉयफ्रेंड पलाश मुच्छल के साथ महिला प्रीमियर लीग खिताबी जीत का जश्न, स्मृति मंधाना की तस्वीरें वायरल

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना और उनके बॉयफ्रेंड पलाश मुच्छल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। स्मृति की टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर महिला प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम किया।

भारतीय टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर महिला प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम किया। टीम चैंपियन बनने के बाद जब जश्न में डूबी हुई थी तो मैदान पर एक शख्स दिखा, जिसने गले मिलकर स्मृति

मंधाना को बधाई दी। अब इस कपल की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है...

कहते हैं जीत का जश्न किसी अपने के ही साथ मनाया जाता है। जब टीम चैंपियन बनी तो मैदान पर उनके बॉयफ्रेंड पलाश मुच्छल मौजूद थे। उन्होंने स्मृति पर प्यार लुटाते हुए गले लगकर जीत की बधाई दी।

पलाश अक्सर सोशल मीडिया पर स्मृति मंधाना के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। बता दें कि क्रिकेट के गलियारे में स्मृति सबसे खूबसूरत महिला क्रिकेटरों में शामिल की जाती हैं। उनके चाहने वाले लाखों में हैं।

पलाश और स्मृति के रिलेशन की खबरें उस वक्त सामने आईं, जब सिंगर ने 2023 में एक लाइव कंन्सर्ट में गाना क्रिकेटर को डेडिकेट किया। पलाश ने कहा था- आई लव यू टू स्मृति...। बता दें कि इंदौर के रहने वाले पलाश सिंगिंग के अलावा डायरेक्शन में भी एक्टिव रहते हैं।

इस कपल के बीच गजब की बॉन्डिंग दिखती है। अक्सर जब स्मृति ट्रिप से लौटती हैं तो मुच्छल उनका वेलकम करने के लिए एयरपोर्ट पहुंचते हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की महिला खिलाड़ियों ने नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर खिताब जीता। कोहली ने एक वीडियो कॉल पर आरसीबी महिला कप्तान स्मृति मंधाना के साथ बातचीत की। उन्होंने आरसीबी महिला खिलाड़ियों को 'सुपरवुमेन' करार दिया, साथ ही हजारों फ्रेंचाइजी प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की।

विश्व कप और ओलंपिक चयन ट्रॉयल में शीर्ष पर रहीं तीरंदाज दीपिका

पिछले साल पूरे सत्र में नहीं खेली थीं

सोनीपत, 18 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी ने आगामी विश्वकप और पेरिस ओलंपिक के लिए हुए चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया। तीन बार की ओलंपियन दीपिका ने फरवरी में बगदाद एशिया कप में दो स्वर्ण पदक जीतकर वापसी की। वह दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद पिछले साल पूरे सत्र में खेल से बाहर रही थीं।

दीपिका ने भजन कौर अंकिता भक्त और कोमालिका बारी के साथ चार सदस्यीय टीम में जगह बनाई। विश्व यूथ की पूर्व चैंपियन बारी सिमरनजीत की जगह शामिल हुईं। भारत को अभी महिला वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करना है। अंताल्या में 18 से 23 जून तक होने वाला विश्वकप ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालिफाइंग स्पर्धा है।

भारत के लिए अब तक एकमात्र

पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले धीरज बोम्मदेवरा पुरुष रिकर्व वर्ग में शीर्ष पर रहे। तरुणदीप राय, प्रवीण जाधव और मृणाल चौहान पुरुष रिकर्व टीम के अन्य सदस्य हैं। राष्ट्रीय हाई परफोरमेंस निदेशक संजीव सिंह ने कहा, 'यह टीम अस्थायी है (ओलंपिक के लिए) और हम विश्वकप के पहले दो चरणों में उनके प्रदर्शन के आधार पर एक या दो बदलाव कर सकते हैं।'

टीम : *रिकर्व पुरुषः* धीरज बोम्मदेवरा, तरूणदीप राय, प्रवीण जाधव और मृणाल चौहान।

रिकर्व महिलाः दीपिका कुमारी, भजन कौर, अंकिता भक्त और कोमलिका बारी।

कंपाउंड पुरुषः प्रथमेश फुगे, अभिषेक वर्मा, रजत चौहान और प्रियांश।

कंपाउंड महिलाः ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी, परनीत कौर और अवनीत कौर

गुलवीर ने 10,000 मीटर में 16 साल पुराना कीर्तिमान तोड़ा

2008 में बने रिकॉर्ड को 20 सेकंड से सुधारा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में द टेन प्रतियोगिता में पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने शनिवार को अपनी इस स्पर्धा में 27 मिनट, 41.81 सेकंड का समय लेकर सुरेंद्र सिंह के 2008 में बनाए गए 28 मिनट, 02.89 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा।

उन्होंने पिगुलवीर का यह प्रयास हालांकि ओलंपिक के

क्वालिफिकेशन के लिए पर्याप्त नहीं था। पेरिस ओलंपिक खेलों का क्वालिफिकेशन समय 27 मिनट है और इस तरह से यह भारतीय एथलीट 41 सेकंड के अंतर से इसे हासिल करने से चूक गया। इस स्पर्धा में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी कार्तिक कुमार 28 मिनट, 01.90 सेकंड का समय लेकर नौवें स्थान पर रहे। उनका समय भी सुरेंद्र सिंह के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर है।

भारत के एक अन्य एथलीट अविनाश साबले इसी स्पर्धा में अपनी दौड़ पूरी नहीं कर पाए। वह 15वें लैप में 6000 मीटर की दूरी पूरी करने के बाद हट गए थे। महिलाओं की 10000 मीटर दौड़ में भारत की पारूल चौधरी 32 मिनट, 0 2.08 सेकंड का समय लेकर 20वें स्थान पर रहीं। वह भी पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन समय 30 मिनट, 40.00 सेकंड को हासिल करने में नाकाम रही।

पाकिस्तान की बढ़ी टेंशन, नहीं मिल रहा टीम को हेड कोच

एक और दिग्गज ने किया मना

इस्लामाबाद, पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाक टीम को एक बड़ा झटका लगा है। इन दिनों पाकिस्तान की टीम नए हेड कोच की तलाश में हैं। जिसकी रेस में पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर शेन वॉटसन का नाम सबसे पहले था। इसको लेकर वॉटसन और पीसीबी अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई थी लेकिन बाद में वॉटसन ने पीसीबी के ऑफर को ठुकरा दिया था। जिसके बाद अब एक और पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ने पाक टीम का हेड कोच बनने से मना कर दिया है।

अब इस दिग्गज ने ठुकराया पीसीबी का ऑफर

वनडे विश्व कप 2023 के बाद

से पाकिस्तान की टीम बिना हेड कोच के खेल रही है हालांकि मोहम्मद हफीज को टीम का डायरेक्टर के साथ-साथ कोच भी बनाया था लेकिन बाद में हफीज ने भी इस्तीफा दे दिया था। वहीं शेन वॉटसन के बाद वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डरैन सैमी भी इस रेस में शामिल थे। पाकिस्तान सैमी को टीम को हेड कोच बनाना चाहता था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सैमी ने पाक टीम का हेड कोच बनने से इंकार कर दिया है। सैमी का कहना है कि वे पहले से ही वेस्टइंडीज की सीमित ओवरों की टीम के हेड कोच हैं।

वॉटसन ने इस कारण ठुकराया था पीसीबी का ऑफर

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन लगभग पाक टीम के हेड कोच बनने के लिए तैयार थे। दरअसल वॉटसन और पीसीबी अधिकारियों के बीच इसको लेकर पीएसएल 2024 के दौरान बातचीत हुई थी। वॉटसन ने इसके लिए पीसीबी के सामने 2 मिलियन डॉलर की मांग रखी थी।

जिसके लिए पीसीबी ने हां भी कर दी थी लेकिन बाद में वॉटसन और पीसीबी अधिकारियों के बीच जो बातचीत हुई थी वो मीडिया लीक हो गई थी। जिससे वॉटसन नाखुश थे और उन्होंने फिर पाक टीम के हेड कोच बनने से इंकार कर दिया था। वॉटसन अब भारत में 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2024 में कमेंटरी करते हुए दिखाई देंगे।

चुनाव आयोग की आइकन बनीं पैरा तीरंदाज शीतल

प्रदर्शनी क्रिकेट मैच भी हुआ आयोजित

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय चुनाव आयोग ने भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच प्रदर्शनी क्रिकेट मैच आयोजित कराया। यह मैच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सहयोग से कराया गया। इस दौरान अर्जुन पुरस्कार विजेता पैरा तीरंदाज

शीतल देवी को चुनाव आयोग का पीपल विद डि स ए बि लि टी (पी ड ब्ल्यू डी) श्रेणी का आइकन घोषित किया गया।

जम्मू-कश्मीर की शीतल ने सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी उम्र अभी 17 साल है। वह अगली बार वोटर कार्ड बनवाकर चुनाव के पर्व में हिस्सा लेंगी। उन्होंने पीडब्ल्यूडी आइकन बनाए जाने पर चुनाव आयोग का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू उपस्थित थे जिन्होंने विजेता टीम को सम्मानित किया।

महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में ओडिशा क्वार्टर फाइनल में, हरियाणा की लगातार दूसरी जीत

पुणे, 18 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा, ओडिशा और मिजोरम ने हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। इस जीत की बदौलत हरियाणा और ओडिशा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

हरियाणा अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल डी

मैच में पुडुचेरी को 22-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की। ओडिशा ने पूल ई के मुकाबले में चंडीगढ़ को 6-1 से हराया, जबकि पूल एफ मुकाबले में मिजोरम ने राजस्थान पर 20-2 से जीत हासिल की।

तमिलनाडु और उत्तराखंड ने अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। तमिलनाडु ने पूल एच में गुजरात को 6-0 जबकि उत्तराखंड ने पूल जी मैच में दादर एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव को मात दी।

पत्रकारिता और जनसंपर्क लोगों की आवाज : डॉ शशांक गोयल

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने वियतनाम के मीडिया पेशेवरों का प्रशिक्षण शुरू

हैदराबाद , 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)।डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "वियतनाम के मीडिया पेशेवरों के लिए पत्रकारिता और जनसंपर्क पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम" शुरू किया।

डॉ शशांक गोयल, संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव ने मुख्य अतिथि रूप में कहा कि पत्रकारिता और जनसंपर्क का समाज को आकार देने और वैश्विक चर्चा को चलाने पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अपने संबोधन को जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और जनसंपर्क लोगों की आवाज के रूप में काम करते हैं, जवाबदेह होने की शक्ति देते हैं और सूचित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करते हैं। "वियतनाम के संदर्भ में, जो अपनी रंगीन सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक विकास की रोमांचक यात्रा और समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए जाना जाता है, इसके मीडिया पेशेवरों के कौशल को और अधिक विविधतापूर्ण और समृद्ध करने का महत्व बहुत महत्व रखता है"।

डॉ शशांक गोयल, ने कहा कि पत्रकारिता और जनसंपर्क केवल पेशे नहीं हैं; वे किसी भी लोकतांत्रिक समाज के अपरिहार्य स्तंभ हैं और इस प्रकार लोगों की आवाज़ के रूप में कार्य करते हैं, शक्ति रखते हैं और सूचित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करते हैं। डॉ शशांक गोयल, ने कहा कि अतीत में, दुनिया भर से पारंपरिक मीडिया, यानी समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविजन, सार्वजनिक संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा, "ये चैनल नागरिकों को सामाजिक मुद्दों के बारे में अच्छी तरह से सूचित कर रहे हैं और उन्हें सकारात्मक बदलाव और समावेशी विकास में योगदान देने के लिए सशक्त बना रहे हैं।" हालाँकि, डॉ शशांक गोयल, आईएएस ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, यानी फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम, यूट्यूब, लिंक्डइन इत्यादि के उद्भव ने मीडिया की दुनिया में अपनी गति और अभूतपूर्व बदलाव के साथ गहरा परिवर्तन लाया है। वैश्विक दर्शकों तक पहुंच। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ एक बदलाव नहीं है; यह एक क्रांति है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित नए उपकरणों और तकनीकों से प्रेरित है।" "हालांकि, इन प्रगतियों के साथ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी आती हैं। गलत सूचना और फर्जी खबरों का प्रसार पत्रकारिता की अखंडता और जनता के विश्वास के लिए गंभीर खतरा है। सटीकता, निष्पक्षता और नैतिकता के सिद्धांतों को बनाए रखना मीडिया पेशेवरों पर निर्भर है। सत्य की खोज में आचरण करें। तेजी से विकसित हो रहे इस परिदृश्य में, मीडिया और जनसंपर्क अधिकारियों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। आप केवल समाचार के दूत नहीं हैं; आप निष्पक्ष और जनहित संवाद के सूत्रधार हैं। इस अवसर पर आईएएस डॉ. शशांक गोयल ने पाठ्यक्रम मैनुअल का विमोचन किया।सीएलपी की पाठ्यक्रम निदेशक और प्रमुख डॉ. माधवी रावुलापति ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम देश भर के अत्यधिक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा सत्र और हैदराबाद, दिल्ली और आगरा में कई क्षेत्रीय दौरे प्रदान करता है। वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद अब्बास अली ने सभा का स्वागत किया।

सीआई का बेटा प्रश्नपत्र स्कैन करते हुए पकड़ा गया

ओंगोल, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 17 मार्च को आंध्र प्रदेश के ओंगोल में ग्रुप-1 प्रीलिम्स परीक्षा में नकल करने का प्रयास करते हुए एक उम्मीदवार को पकड़ा गया। उम्मीदवार की पहचान शिव शंकर के रूप में हुई है, जो पलनाडु जिले के एक सर्कल इंस्पेक्टर का बेटा है। कथित तौर पर उसे अपने आई फोन का उपयोग करके प्रश्न पत्र को स्कैन करने की कोशिश करते हुए देखा गया था, जैसा कि एक अन्य उम्मीदवार ने बताया था, जिसने इस कृत्य को देखा था। संयुक्त कलेक्टर गोपालकृष्ण ने शिव शंकर को परीक्षा केंद्र से निष्कासित कर दिया और पुलिस को सौंप दिया। शिव शंकर ने अपने आई फोन पासवर्ड का खुलासा करने से इनकार कर दिया और आईटी टीम के प्रयासों के बावजूद, जानकारी तक नहीं पहुंचा जा सका। यह ज्ञात नहीं है कि सुरक्षा जांच और मेटल डिटेक्टरों के बावजूद शिव शंकर आईफोन में कैसे घुसपैठ करने में कामयाब रहा। ओंगोल के पुलिस उपाधीक्षक एम किशोर बाबू ने कहा कि शिव शंकर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

स्टेडियम में आज तक नहीं लगी राजीव गांधी की प्रतिमा : हनुमंत राव

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद वीएच हनुमंत राव ने कहा कि अंबरपेट क्रिकेट क्लब का अध्यक्ष होने के नाते, 18 फरवरी को आयोजित हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) की पिछली वार्षिक आम बैठक में मैंने आम सभा से भारत के पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय राजीव गांधीजी की प्रतिमा लगाने का अनुरोध किया।

स्टेडियम का प्रवेश द्वार आज तक नहीं बनाया गया, हालांकि उप्पल स्टेडियम का नाम उनके नाम पर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम रखा गया था। मैंने सदन को सूचित किया है कि प्रतिमा के निर्माण का सारा खर्च मेरे द्वारा वहन किया जाएगा और एचसीए से 20 अगस्त, 2024 को स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की अगली जयंती पर प्रतिमा की स्थापना के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्था करने का अनुरोध किया है।

इस अवसर पर शेषनारायण सचिव एचसीए, अमरनाथ, पूर्व ईसी सदस्य, एचसीए पी गणेश्वर गौड़, सदगुरू, शम्बुला श्रीकांत गौड़, अविनाश एचसीए से संबद्ध अन्य क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर भारत का सबसे बड़ा सम्मेलन

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दो हजार से अधिक आईटी पेशेवर, शोधकर्ता, स्टार्टअप और छात्र एआई डेज़ 2024 सम्मेलन में भाग लेंगे। दुनिया भर से 70 वक्ताओं की शानदार श्रृंखला के साथ, यह सम्मेलन हैदराबाद को एआई राजधानी बनने का मार्ग प्रशस्त करता है। स्वेचा कई साझेदारों के साथ मिलकर सम्मेलन का आयोजन कर रही है। एआई डेज़ समाज की भलाई के लिए एआई के निर्माण में आगे बढ़ने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों - सूचना प्रौद्योगिकी, हेल्थकेयर, एग्रीटेक, फिनटेक, सेमी-कंडक्टर, एडुटेक और विभिन्न स्टार्टअप के विशेषज्ञों को एक साथ लाता है। इन चर्चाओं में गूगल, फेसबुक (मेटा), माइक्रोसॉफ्ट, क्वालकॉम, माइक्रोन, ओजोनटेल, टेक वेदिका, डिजीक्वांटा, अर्का मीडियावर्क्स सहित अन्य कंपनियों के वक्ता शामिल होंगे। इसके अलावा, सम्मेलन में एआई के शासन और नीतिगत पहलुओं पर विचार-विमर्श होगा। जेएनटीयू हैदराबाद इस सम्मेलन का आयोजन स्थल होगा। सम्मेलन 30 और 31 मार्च होगा। सम्मेलन में, एक तेलुगु एआई वॉयस असिस्टेंट लॉन्च किया जाएगा। यह एआई सहायक किसानों, अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों, स्वच्छता कर्मियों और अन्य लोगों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चमत्कारों तक पहुंचने में सक्षम बनाएगा। यह परियोजना उन्हें अपनी मातृभाषा में अपनी आवाज का उपयोग करके एआई के साथ बातचीत करने में सक्षम बनाती है।

तेलंगाना में चार दिनों तक बारिश

कुछ जिलों में येलो अलर्ट जारी

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग ने घोषणा की है कि तेलंगाना में अगले चार दिनों तक बारिश हो सकती है। यह खबर उन कई लोगों के लिए राहत लेकर आई है जो मार्च के दौरान तेज धूप का सामना कर रहे हैं। तेलंगाना के कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट की चेतावनी दी गई है। मार्च शुरू होते ही आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में मौसम बदल गया है। पिछले एक सप्ताह से दिन का तापमान अचानक बढ़ गया है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। मौसम विभाग ने कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई है। उत्तर और दक्षिण तेलंगाना दोनों में हैदराबाद,

मेडचल, रंगारेड्डी और अन्य कई जिलों के लिए पीला अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक इन जिलों में मध्यम बारिश हो सकती है। इसी तरह के अलर्ट उत्तर और उत्तर-पश्चिम के करीमनगर, नलगोंडा और विकाराबाद जैसे जिलों के लिए भी जारी किए गए हैं। पूरे तेलंगाना में आज से बादल छाए रहने और मध्यम बारिश की संभावना है। बुधवार से शुक्रवार तक तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है।

पूर्व विधायक शकील को झटका

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने पूर्व विधायक शकील को झटका दिया है क्योंकि उन्होंने दो साल पहले 17 मार्च 2022 को हुए हिट एंड रन मामले को फिर से खोल दिया है। पता चला है कि दो साल पहले एक कार हैदराबाद में जुबली हिल्स रोड नंबर 45 पर सड़क पार कर रहे दो साल के बच्चे को कुचल दिया था। इस घटना में लड़के की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए थे। जिस कार ने लड़के को टक्कर मारी वह कथित तौर पर शकील की थी। पुलिस ने कार की पहचान मीरा इंफ्रा के नाम पर रजिस्टर्ड बताई। लेकिन शकील के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह भी पाया गया कि कार पर विधायक शकील के नाम का एक स्टिकर लगा था। लेकिन फिर शकील ने कहा कि उस स्टीकर वाली कार उसकी नहीं है। उसने अपना स्टीकर एक दोस्त को दे दिया था। जुबली हिल्स पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में कार चालक और एक अन्य व्यक्ति पर आरोप लगाया है। इस पृष्ठभूमि में, अब जुबली हिल्स पुलिस ने मामले को फिर से खोल दिया है।

कांग्रेस विधायक ने पार्टी में दलबदल पर बीआरएस की आलोचना की

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक राम मोहन रेड्डी ने दलबदल के प्रति बीआरएस पार्टी के रवैये की आलोचना करते हुए कहा है कि शैतान उपदेश दे रहे हैं। सोमवार को यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, पारिगी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राम मोहन रेड्डी ने पूछा कि क्या यह पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव नहीं थे, जिन्होंने 10 वर्षों तक अंधाधुंध दलबदल को प्रोत्साहित किया और टीडीपी, बीएसपी, सीपीआई को लालच दिया। कांग्रेस विधायक बीआरएस पार्टी में उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में, बीआरएस पार्टी ने अन्य दलों के कुल 39 विपक्षी विधायकों को शामिल किया था और इसने तेलंगाना के पुनर्निर्माण के नाम पर दलबदल के कृत्य को उचित ठहराया था। "2014 के आम चुनावों के बाद, बीआरएस पार्टी ने 23 विपक्षी विधायकों को लालच दिया था, जिसमें टीडीपी के 12, कांग्रेस के 5, वाईएसआर कांग्रेस के 3, बीएसपी के 2 और सीपीआई के 1 विधायक शामिल थे। इसी तरह, विपक्षी दलों के 16 विधायकों को बीआरएस में लिया गया था। 2018 के आम चुनावों के पूरा होने के बाद। इसलिए, बीआरएस को दलबदल के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है," उन्होंने बताया। कांग्रेस विधायक ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर के विपरीत, जो पिछले दस वर्षों के दौरान अपनी ही पार्टी के विधायकों से कभी नहीं मिलते थे, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विपक्षी विधायकों को सम्मान दिया है और उनकी समस्याओं को जानने के लिए उन्हें समय भी दिया है। राम मोहन रेड्डी ने कहा, "अगर बीआरएस और भाजपा पार्टियां राज्य सरकार के खिलाफ साजिशें रचती हैं, तो कांग्रेस नेता चुप नहीं बैठेंगे। निश्चित रूप से, हम उन्हें उचित सबक सिखाएंगे।"

भाजपा कांग्रेस सरकार को गिराएगी नहीं, लेकिन गिरी तो बचा भी नहीं सकेगी: डॉ. लक्ष्मण

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य डॉ के. लक्ष्मण ने सोमवार को कहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद तेलंगाना में डबल इंजन सरकार की स्थापना का रास्ता जरूर साफ हो जाएगा लेकिन बीजेपी रेवंत रेड्डी सरकार को नहीं गिराएगी, अगर सरकार गिरी तो वे उसे बचा नहीं पाएंगे। रेवंत रेड्डी ने हाल ही में कहा था कि बीजेपी नेता कह रहे हैं कि वे उनकी सरकार गिरा देंगे।

बीजेपी सांसद ने कहा कि रेवंत रेड्डी कह रहे हैं कि गेट खोल दिए गए हैं लेकिन उन्होंने कांग्रेस विधायकों को सावधान रहने की चेतावनी दी कि वे उन गेटों से बाहर न जाएं। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद तेलंगाना में डबल इंजन की सरकार आएगी। क्या हमें वास्तव में तेलंगाना में ऐसी कांग्रेस पार्टी की जरूरत है जो देश में कहीं नहीं है। यह निश्चित है कि निकट भविष्य में कांग्रेस पार्टी पूरे देश में हार जायेगी। राहुल गांधी राजनीतिक रूप से असफल नेता हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष में प्रधानमंत्री मोदी का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद चुनाव के नतीजों के बाद निश्चित रूप से तेलंगाना में डबल इंजन सरकार की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा, लोग चाहते हैं कि भाजपा परिवार शासन, वंशानुगत शासन, जाति शासन और भ्रष्ट शासन को तोड़ दे।

जेईओ ने वोंटीमिट्टा ब्रह्मोत्सवम व्यवस्था का निरीक्षण किया

वोंटीमिट्टा, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर कडप्पा जिले के वोंटीमिट्टा में वार्षिक ब्रह्मोत्सव 17 से 25 अप्रैल तक निर्धारित है, जिसमें 16 अप्रैल को अंकुरारपनम और 26 मार्च को पुष्पयागम है, टीटीडी जेईओ वीरब्रह्मम ने अन्य अधिकारियों के साथ इसके लिए चल रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए जेईओ ने कहा, 17 अप्रैल को श्री राम नवमी के शुभ दिन पर द्वजरोहणम के साथ शुरू होने वाले बड़े वार्षिक उत्सव के लिए ठीक एक महीना बचा है, टीटीडी ने इसके लिए व्यवस्था करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि श्री सीता राम कल्याणोत्सवम का राज्य उत्सव 22 अप्रैल को निर्धारित है और बड़े उत्सव की तैयारी चल रही है। इससे पहले उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए निर्धारित समय के भीतर आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीई नागेश्वर राव, डिप्टी ईओ नतेश बाबू, हरिकृष्ण, प्रशांति, गुणभूषण रेड्डी, शिवप्रसाद, उप वन संरक्षक श्रीनिवासुलु, अतिरिक्त एचओ डॉ. सुनील, वीजीओ बाली रेड्डी, स्थानीय जिला अधिकारी और अन्य भी उपस्थित थे।

धूप, दीप, नैवेद्य अर्चक संगम के पदाधिकारियों ने मुलाकात की

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। धूप, दीप, नैवेद्य अर्चक संगम ने 21 मार्च को होने वाले आत्मीय सम्मेलन में आने के लिए सोमवार को वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा से उनके आवास पर मुलाकात की।

इस अवसर पर धूप और दीप नैवेद्य अर्चक संगम के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, महासचिव तिरुनगरी वेंकटाद्रि स्वामी और अन्य ने मंत्री से मुलाकात की।

गर्मी से राहत के लिए पंखे व एसी का प्रयोग शुरू

बिजली की खपत में भारी वृद्धि

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश में सूरज चढ़ने के साथ ही बिजली की खपत में भारी बढ़ोतरी हो रही है। तापमान बढ़ने के साथ ही लू के थपेड़ों से लोगों का दम घुटने लगा है। जैसे-जैसे एसी और कूलर का इस्तेमाल बढ़ा, इसका असर बिजली की मांग पर पड़ रहा है। बिजली विभाग ने कहा कि वह बढ़ती खपत को पूरा करने के लिए कदम उठा रहा है और जनता को किसी भी असुविधा से बचने के लिए सावधानी बरत रहा है।

इससे पहले अप्रैल और मई महीने में खपत का रिकॉर्ड स्तर दर्ज किया गया था। 8 मार्च को राज्य के इतिहास में दैनिक खपत 15,623 मेगावाट की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। अधिकारियों का कहना है कि कृषि की मांग में बढ़ोतरी खपत के विस्तार का कारण है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में मांग बढ़ने की संभावना है और दैनिक खपत 16 हजार मेगावाट से अधिक हो सकती है। अधिकारियों का कहना है कि गर्मियों के दौरान एक्सचेंज से प्रति माह कम से कम 50 से 60 मिलियन यूनिट की खरीदारी की जाएगी और उन लोगों से खरीदी जाएगी जो कम कीमत पर बेचते हैं। हैदराबाद महानगर निगम में भी मौजूदा खपत बढ़ी है। बढ़ी हुई मांग के अनुरूप बिना कटौती के आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किये गये हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि जीएचएमसी के भीतर मांग कितनी भी बढ़ जाए, उपाय किए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक राज्य में नये 1600 मेगावाट की खपत की उपलब्धता इसी आदेश के अनुरूप है।

इस साल की औसत बिजली खपत की तुलना में, पिछले साल मार्च में राज्य भर में बिजली की खपत 291.15 मिलियन यूनिट थी, जबकि इस साल मार्च में बिजली की खपत 298.63 मिलियन यूनिट थी। टीएसपीडीसीएल में पिछले साल मार्च में 181.9 मिलियन यूनिट बिजली की खपत हुई थी, जबकि इस साल मार्च में 192.77 मिलियन यूनिट बिजली की खपत हुई है। जीएचएमसी ने पिछले साल मार्च में 57.04 मिलियन यूनिट और इस साल मार्च में 68.99 मिलियन यूनिट बिजली की खपत की है।

जल आपूर्ति बिना समस्या के की जाएगी : आयुक्त

धर्मसागर जलाशय, वड्डेपल्ली फिल्टर बेड क्षेत्रीय अवलोकन

वारंगल, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बाल्दिया आयुक्त अश्विनी तानाजी वाकाडे ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को जल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हो इसका ध्यान रखने का निर्देश दिया। आयुक्त ने सोमवार को मैदानी स्तर पर वड्डेपल्ली फिल्टर बेड के साथ धर्मसागर जलाशय का निरीक्षण किया और अधिकारियों से जल आपूर्ति के बारे में जानकारी ली।

इस अवसर पर आयुक्त ने धर्मसागर इंटेकवेल का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों से जलाशय से बाल्दिया के तीन फिल्टर बेड तक पानी पहुंचाने की प्रक्रिया, स्थानीय प्रयोगशाला में पानी की गुणवत्ता निर्धारण प्रक्रिया, क्लोरीनीकरण प्रक्रिया और संधारित रजिस्टर के बारे में पूछा। अधिकारियों ने कमिश्नर को डी से जलाशय में पानी आने की प्रक्रिया समझाई।

कमिश्नर ने मिशन भागीरथ के अधिकारियों से बात करते हुए पूछा कि पिछले 5 साल से जलापूर्ति में कोई दिक्कत तो नहीं आ रही है और पानी रोकने के लिए सतर्क रहने को कहा ग्रीष्म ऋतु में भीड़-भाड़ तथा जलापूर्ति प्रक्रियाओं के संबंध में यदि बाल्दिया की ओर से किसी सहयोग की आवश्यकता हो तो उन्होंने इसे उनके ध्यान में लाने की बात कही। इस कार्यक्रम में डीई राजैया, बीएल श्रीनिवास राव, डीई संतोष अजमीरा श्रीकांत, मिशन भगीरथ डीई जीवन, ईए महेश और अन्य ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.